* ओड़िशा संस्करण

www.epaper.azadsipahi.com

14 नवंबर, 2022
मार्गशीर्ष, कृष्ण पक्ष, षष्ठी
संवत 2079
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

रांची
सोमवार, वर्ष 08, अंक 26

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

इंग्लैंड ने पाकिस्तान को हरा कर दूसरी बार टी-20 वर्ल्ड कप जीता

Gitanjali

BANQUET HALL

Celebrating Glorious
5th Anniversary
Successfully
Thank You
Ranchi

BOOKING OPEN

Gitanjali, A Unique Premium Banquet Hall Is All Set To Redefine Hospitality In Ranchi

SPECIALLY FOR

Wedding I Reception Party I Conference I Corporate Party I Ring Ceremony I Baby Shower And Other Special Events

A Luxurious Property Full Of Modern Amenities & Premium Features

- ★ 7200sq Ft A/c Deluxe Room
- ★ 18000 Sq Ft Lawn
- ★ 13a/c Deluxe Rooms
- ★ Ample Parking Space
- ★ Excellent Service & Management
- ★ Courteous & Professional Staff

Make Your Special Moments Truly Magical

RSVP: MANOJ KR. GUPTA, BINOD GOPE & RAJESH GUPTA

TAGORE HILL ROAD, CHIRAUNDI, RANCHI .Mob: 9835191305, 9771458064, 9835194671

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
188100 Subscribers
VIEWERSHIP 3 Crore 80 lakh+
Watch Time (HR) 11 Lakh+
YouTube Channel
Subscribe NOW
No 1 Channel

सर्राफा
सोना (बिक्री) 49,600 रु./10 ग्राम
चांदी 66,000 रु./प्रति किलो

आजाद सिपाही
रांची, सोमवार, 14 नवंबर, 2022
www.azadsipahi.com

बड़ा सवाल : झारखंड में तो दे दिया समर्थन, केंद्र में क्या करेगी भाजपा!

1932 और आरक्षण पर होगी भाजपा के राजनीतिक कौशल की परीक्षा

झारखंड की हेमंत सोरेन सरकार ने विधानसभा के विशेष सत्र में 1932 के खतियान पर आधारित स्थानीय नीति और अन्य पिछड़ा वर्ग को 27 फीसदी आरक्षण देने का विधेयक पास कर दिया है। झारखंड में 1932 के खतियान और ओबीसी आरक्षण का मामला काफी संवेदनशील माना जाता है। झारखंड मुक्ति मोर्चा के लिए यह एक चुनावी एजेंडा रहा है। सरकार पर संकट के मद्देनजर मुख्यमंत्री का यह दांव काफी असर दिखा रहा है। इन मुद्दों पर सबसे ज्यादा दबाव में प्रमुख विपक्षी पार्टी भाजपा और उसकी सहयोगी आजसू है, क्योंकि ये इन मुद्दों पर न तो ठीक से विरोध कर सकते हैं और अंतर्मन से सपोर्ट। भाजपा और आजसू के सामने एक बड़ा सवाल यह भी है कि झारखंड विधानसभा में उन्होंने इन दोनों विधेयकों को समर्थन तो दे दिया, लेकिन अब केंद्र में उनका रुख क्या होगा। लोग सवाल कर रहे हैं कि क्या भाजपा-आजसू के लोग इन दोनों मुद्दों को लेकर पार्टी के शीर्ष नेतृत्व से मिलेंगे और दबाव डालेंगे। यदि उन्होंने ऐसा नहीं किया, तो यह राजनीतिक रूप से उनके खिलाफ जायेगा। भाजपा चूंकि राष्ट्रीय पार्टी है, इसलिए उसके हर फैसले या स्टैंड से राष्ट्रीय राजनीति स्वाभाविक रूप से प्रभावित होगी। ऐसे में झारखंड विधानसभा से पारित ये दोनों विधेयक भाजपा के राजनीतिक कौशल की परीक्षा लेंगे। यदि केंद्र सरकार इन दोनों विधेयकों पर अनुकूल रवैया अपनाती है, तो झामुमो इसे अपनी राजनीतिक जीत के रूप में प्रचारित करेगा और यदि इस पर तनिक भी टालमटोल हुआ, तो फिर झारखंड में हेमंत सोरेन इसका सारा ठीकरा भाजपा पर फोड़ेंगे। कुल मिला कर ये दोनों मुद्दे ऐसे हैं, जिनसे झारखंड का भावी राजनीतिक परिदृश्य साफ होगा। उस संभावित राजनीतिक परिदृश्य में भाजपा के स्टैंड का आकलन कर रहे हैं आजाद सिपाही के विशेष संवाददाता राकेश सिंह।

आजाद सिपाही विशेष

राकेश सिंह

झारखंड की हेमंत सोरेन सरकार ने अपना चुनावी वादा निभाते हुए और जांच एजेंसियों के लगातार फैलते जाल को बेअसर करने के लिए 1932 के खतियान और अन्य पिछड़े वर्ग को 27 फीसदी आरक्षण का विधेयक पास कर राज्य के सियासी माहौल को अचानक गर्म कर दिया है। हेमंत सोरेन सरकार और झामुमो के साथ सरकार में उसके सहयोगी दल इन विधेयकों के पारित होने के बाद से बेहद खुश हैं, तो भाजपा और आजसू दबाव में। ये दोनों दल स्पष्ट रूप से कुछ कह नहीं रहे हैं, सिवाय इसके कि हेमंत सोरेन ने संकल्प लाकर उसे लागू क्यों नहीं किया, क्यों केंद्र के अनुमोदन के लिए भेजा। उनका इतना ही तर्क है कि जिस प्रकार से इसे लागू करने की घोषणा की गयी है, वह आनन-फानन में उठाया गया कदम है। आजसू के विधायक लंबोदर महतो ने तो विधानसभा में कह भी दिया कि इसे केंद्र के पास भेजने का मतलब है न नौ मन घी होगा और न राधा नाचेगी। भाजपा विधायक रामचंद्र चंद्रवंशी का भी विधानसभा में कुछ ऐसा ही कहना था। उन्होंने कहा कि झामुमो इसे लटकाने के लिए ही केंद्र को भेज रहा है। भाजपा विधायक दल के नेता बाबूलाल मरांडी अभी फिलहाल स्पष्ट रूप से अपने स्टैंड को क्लीयर नहीं कर पा रहे हैं। हां, उन्होंने यह जरूर कहा कि हेमंत सोरेन ने इस विधेयक को लंबी यात्रा पर भेज दिया है। अगर उनकी नीयत इसे लागू करने की होती, तो वह संकल्प लेकर कर सकते थे। यह विधेयक यात्रा करके कब लौटेगा, यह देखना बाकी है। वहीं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश ने सरकार की नयी स्थानीय और नियोजन नीति को लटकाने, भटकाने और अटकाने वाला विधेयक बताया है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी राज्य गठन के पूर्व से ही जन भावनाओं के साथ खड़ी है। सत्ताधारी दल को 32 महीनों के बाद 1932 के खतियान की याद आयी। मुख्यमंत्री ने फिर एक बार राज्य की जनता को दिग्भ्रमित किया है। इनकी मंशा साफ नहीं है। राज्य सरकार को स्थानीय और नियोजन

नीति बनाने और उन्हें लागू करने का पूरा अधिकार भारत के संविधान ने दिया है, तो फिर इन्हें नौवीं अनुसूची में डालने की बहानेबाजी क्यों हो रही है, यह समझ से परे है। दीपक प्रकाश ने कहा है कि जैसे भाजपा की पूर्व सरकार ने संकल्प के आधार पर स्थानीय नीति और नियोजन नीति को परिभाषित करते हुए लागू किया था, उसी तर्ज पर हेमंत सरकार भी बहानेबाजी छोड़ स्थानीय नीति और नियोजन नीति लागू करे। ऐसे में अब यह सवाल उठने लगा है कि भाजपा और आजसू का संभावित रुख इन मुद्दों पर क्या होगा, क्योंकि झारखंड का बड़ा मतदाता वर्ग इस राजनीतिक फैसले से प्रभावित हो सकता है।

इस बात में कोई संदेह नहीं है कि 1932 के खतियान पर आधारित स्थानीयता नीति और ओबीसी आरक्षण को 27 प्रतिशत तक बढ़ाने का फैसले हेमंत सोरेन का अब तक का शायद सबसे बड़ा राजनीतिक दांव है और इससे हेमंत सोरेन को सियासी फायदा होगा। झारखंड विधानसभा से इन विधेयकों को पारित करा कर हेमंत सोरेन ने यह गेंद अब केंद्र के पाले में डाल दी है। केंद्र सरकार अगर राज्य के इस प्रस्ताव को मानेगी, तो 1932 के सर्वे सेटलमेंट के आधार पर बनी स्थानीय नीति का मामला नौवीं अनुसूची में शामिल हो जायेगा और उसे किसी अदालत में चुनौती नहीं दी जा सकेगी। अगर केंद्र सरकार इसे नहीं मानती है तो हेमंत सोरेन अपने मतदाताओं को बतायेंगे कि उन्होंने तो फैसला ले लिया था, लेकिन भाजपा की केंद्र सरकार ने इसे स्वीकार नहीं किया। दोनों ही स्थितियों में झामुमो और हेमंत सोरेन को इसका राजनीतिक फायदा होगा, हालांकि इस कारण डेमोग्राफी से उपजी राजनीतिक जमीन में बहुत सारी दरारें भी दिख सकती हैं। हेमंत सरकार को उससे भी निपटना होगा। लेकिन यह दूसरी सीढ़ी होगी। पहला पायदान तो अब भाजपा को पार करना है और यहीं उसके राजनीतिक कौशल की परीक्षा होगी।

भाजपा के नेता निजी तौर पर दबी जुबान मानते हैं कि हेमंत सोरेन ने बड़ा सियासी दांव खेला है। इस मुद्दे पर अगर उनकी नीयत साफ है, तो यह एक क्रांतिकारी कदम है। लेकिन सवाल उनकी नीयत का ही है। जानकार कहते हैं कि 1932 के सर्वे सेटलमेंट को आधार बनाने की अपनी पेंचीदगियां भी हैं। झारखंड के कई इलाकों में जमीनों का सर्वे अलग-अलग सालों में हुआ है। कुछ सर्वे तो 1880 के दशक में भी हुए हैं। कैडस्ट्रल और रीविजन सर्वे अलग-अलग सालों में हुए। ऐसे में 1932 के खतियान के आधार पर स्थानीय नीति बनाने के निर्णय के साथ ही सरकार को यह ख्याल भी रखना होगा कि यहां सदियों से रह रहा कोई परिवार इस आधार पर मिलने वाले लाभ से वंचित न रह जाये। कई आदिवासी परिवारों के पास भी खतियान नहीं हैं।

जहां तक आदिवासी-मूलवासी का सवाल है, इन तकनीकी मुद्दों से उनका कुछ लेना-देना नहीं है। वे खुशियां मना रहे हैं। वे मुख्यमंत्री के प्रति आभार जता रहे हैं। उनका मानना है कि 1932 का खतियान लागू कर हेमंत सोरेन ने झारखंडियों की भावना का सम्मान किया है। भाजपा के लिए यह परेशानी का सबब है। इतना ही नहीं, ओबीसी आरक्षण का मुद्दा तो राष्ट्रीय स्तर पर राजनीति को प्रभावित कर सकता है। इसलिए भाजपा को इस पर भी सोच-विचार कर कदम उठाना होगा।

यही कारण है कि विधानसभा के विशेष सत्र के दौरान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन विपक्ष पर हमलावर होने के साथ-साथ खुद को आदिवासी हितों का सबसे बड़ा हितैषी बता रहे थे। दूसरी तरफ भाजपा और आजसू के सदस्य बेबस नजर आये। भाजपा और उसके सहयोगी न तो कायदे से इन विधेयकों का विरोध कर पाये और न ही खुल कर समर्थन में खड़े होने का साहस दिखा पाये। हां, विधानसभा में उन्होंने कुछ संशोधन प्रस्ताव जरूर पेश किया, जो ध्वनिमत से अस्वीकार हो गया।

लेकिन आम लोग सवाल पूछ रहे हैं कि जब विधानसभा में भाजपा और आजसू ने इसका समर्थन किया, तो क्या उनके नेता अब अपने केंद्रीय नेतृत्व से इन दोनों मुद्दों को निबटाने की मांग करेंगे। यदि उन्होंने ऐसा नहीं किया, तो यह हेमंत सोरेन और झामुमो के लिए बड़ी बढ़त हो सकती है। इसलिए अब यह देखना दिलचस्प होगा कि भाजपा इस धर्मसंकट से कैसे बाहर निकलती है।

राज्य सरकार के खिलाफ झारखंड में भारी आक्रोश : दीपक प्रकाश

हेमंत हटाओ, झारखंड बचाओ जन आक्रोश प्रदर्शन की सफलता पर कार्यकर्ताओं का आभार जताया

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश ने हेमंत सरकार के खिलाफ सात से 13 नवंबर तक चलाये गये हेमंत हटाओ, झारखंड बचाओ जन आक्रोश प्रदर्शन की सफलता पर जनता एवं भाजपा के सभी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पूरे राज्य में हेमंत सरकार के खिलाफ भारी आक्रोश है। उन्होंने कहा कि अब राज्य की जनता एक क्षण भी हेमंत सोरेन को गद्दी पर बैठे नहीं देखना चाहती है। इस सरकार के अब गिनती के दिन चल रहे हैं। राज्य की जनता को अब यह एहसास हो चुका है कि जितना दिन हेमंत सरकार राज्य में रहेगी झारखंड का विनाश भी उतना ही होगा। राज्य की जनता भी हेमंत सोरेन की सरकार को हटाने के लिए कमर कस चुकी है।

मुख्यमंत्री की धमकी से नहीं डरे भाजपा कार्यकर्ता

श्री प्रकाश ने कहा कि राज्य के 24 जिलों के 253 प्रखंडों में आक्रोश जनसभा का आयोजन किया गया। जिसमें राज्यभर से 2,17,309 लोग कार्यक्रम में शामिल हुए। श्री प्रकाश ने उम्मीद जताते हुए कहा कि 19 नवंबर से लेकर 21 नवंबर तक जिला स्तरीय हेमंत हटाओ, झारखंड बचाओ आक्रोश प्रदर्शन में भारी संख्या में राज्य की जनता शामिल होगी। श्री प्रकाश ने कहा कि मुख्यमंत्री ने जिस प्रकर से भाजपा के कार्यकर्ताओं को सबक सिखाने की धमकी दी थी उसका कोई असर न कार्यकर्ताओं पर पड़ा और न जनता पर। बल्कि धमकी के बाद सरकार के खिलाफ आक्रोश और बढ़ता ही चला गया।

सात दिनों तक चले आक्रोश प्रदर्शन कार्यक्रम में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश, विधायक दल के नेता सह पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी, केंद्रीय कैबिनेट मंत्री सह झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सह पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास, प्रदेश के महामंत्री सह राज्यसभा सांसद आदित्य प्रसाद साहू, डॉ प्रदीप वर्मा, बालमुकुंद सहाय, केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री अन्नपूर्णा यादव, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ दिनेशानंद गोस्वामी, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ रविंद्र राय सही प्रदेश के पदाधिकारी, कोर कमेटी सदस्य, सांसद, विधायकगण, जनप्रतिनिधि एवं कार्यसमिति के सदस्य, बूथ से लेकर पंचायत, मंडल, जिला एवं प्रदेश के कार्यकर्ता शामिल हुए।

खूंटी का डोंबारी बुरू, जहां सैकड़ों आदिवासी हुए थे शहीद

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड के खूंटी जिले के मुरहू प्रखंड का डोंबारी बुरू अंग्रेजों की क्रूरता का गवाह है। अंग्रेजों ने यहां निहत्थे आदिवासियों पर गोलियों की बौछार की थी। इसमें सैकड़ों आदिवासियों ने अपनी जान गंवायी थी, जबकि बड़ी संख्या में लोग घायल हो गये थे। डोंबारी बुरू की ये घटना जालियांवाला बाग हत्याकांड (13 अप्रैल 1919) से पहले हुई थी। 9 जनवरी 1899 को डोंबारी बुरू में अंग्रेजों ने क्रूरता की सारी हदें पार कर दी थीं। इसमें सैकड़ों आदिवासियों की शहादत को लेकर इन्हें हर साल याद किया जाता है और यहां मेला का आयोजन किया जाता है। जिस स्थल पर अंग्रेज सिपाहियों ने सैकड़ों आदिवासियों को मौत के घाट उतार दिया था, वहां 110 फीट ऊंचा एक विशाल स्तंभ का निर्माण किया गया है।

जब सभास्थल पर अंग्रेजों ने बरसानी शुरू कर दीं गोलियां

बताया जाता है कि भगवान बिरसा मुंडा अंग्रेजों के खिलाफ उलगुलान को लेकर 9 जनवरी 1899 को अपने अनुयायियों के साथ सभा कर रहे थे। इस सभा की सूचना मिलने पर अंग्रेज सैनिक वहां आ धमके और सभास्थल को चारों ओर से घेर लिया। अंग्रेजों ने सभास्थल पर गोलियां बरसानी शुरू कर दी। बिरसा मुंडा और उनके साथियों ने भी काफी संघर्ष किया। इस गोलीबारी के बीच बिरसा मुंडा किसी तरह से निकलने में सफल रहे, लेकिन सैकड़ों आदिवासी शहीद हो गये। इस हत्याकांड में शहीद हुए लोगों की याद में यहां हर साल 9 जनवरी को मेला लगाया जाता है।

शहीदों में से सिर्फ 6 ही हो सके हैं चिह्नित

डोंबारी बुरू में शहीद हुए सैकड़ों आदिवासियों में से अब तक सभी की पहचान नहीं हो पायी है। शहीद हुए लोगों में मात्र छह लोगों की ही पहचान हो सकी है। इनमें गुटूहातू के हाथीराम मुंडा, हाड़ी मुंडा, बरटोली के सिंगराय मुंडा, बंकन मुंडा की पत्नी, मझिया मुंडा की पत्नी और डुंगडुंग मुंडा की पत्नी शामिल हैं।

दीपिका पांडे सिंह ने अडाणी प्लांट में नौकरी दिलाने के लिए आठ हजार आवेदन मंगा लिये

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मिशन 2024 को लेकर झामुमो, भाजपा-कांग्रेस सहित सभी प्रमुख पार्टियों ने अभी से ही तैयारी शुरू कर दी है। आरोप-प्रत्यारोप का दौर चल रहा है, लेकिन आरोप-प्रत्यारोप के बीच झारखंड के संथाल इलाके का गोड्डा संसदीय क्षेत्र इन दिनों हॉट केक बना हुआ है। गोड्डा की राजनीति में राजनीतिज्ञों की जुबां पर नवनिर्मित अडाणी पावर प्लांट चढ़ा हुआ है। पावर प्लांट में स्थानीय युवाओं को नौकरी दिलाने के नाम पर राजनीति चमकायी जा रही है। प्लांट में स्थानीय को नौकरी के सवाल पर महगामा से कांग्रेस विधायक दीपिका पांडेय सिंह ने कमर कस ली है। वहीं सांसद निशिकांत दुबे भी पीछे नहीं हैं। दोनों के बीच जुबानी जंग भी शुरू है। दरअसल, दीपिका पांडेय सिंह भी गोड्डा से चुनाव लड़ने की चाहत रखती हैं। ऐसे में स्थानीय लोगों के बीच पैठ जमाने के लिए पावर प्लांट में स्थानीय को नौकरी दिलाने की मांग जोर-शोर से उठा रही हैं। अपनी राजनीति के तहत उन्होंने स्थानीय बेरोजगार युवकों से प्लांट में नौकरी के लिए आवेदन भी मंगा लिया है। वहीं, निशिकांत दुबे रोजगार के मुद्दे पर दीपिका के बहाने हेमंत सोरेन सरकार की घेराबंदी करने में जुटे हैं।

महगामा विधायक दीपिका पांडेय सिंह का कहना है कि पावर प्लांट में बाहरी लोगों को रोजगार नहीं मिलना चाहिए, बल्कि स्थानीय युवकों को ही नौकरी मिलनी चाहिए। उन्होंने स्थानीय युवाओं से बायोडाटा जमा कराने को कहा था। उन्होंने अडाणी पावर प्लांट की नौकरी में स्थानीय लोगों के लिए 75 प्रतिशत आरक्षण की वकालत की है। युवाओं से आह्वान किया था कि 12 नवंबर को वे अपना बायोडाटा जमा करें। कांग्रेस विधायक के इस आह्वान पर शनिवार को 8000 युवक-युवतियों ने अपना बायोडाटा जमा किया। इस पर दीपिका ने कहा कि गोड्डा के हजारों शिक्षित युवा हैं, तो बाहरी लोगों को रोजगार क्यों मिले। पहले इनका हक है और उन्हें इनका हक मिले। इसे लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गयी है।

निशिकांत ने दीपिका के कंधे पर बंदूक रख सोरेन सरकार पर साधा निशाना

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने भी दीपिका पांडेय के उठाये सवाल को जायज माना। उन्होंने दीपिका पांडेय के कंधे पर बंदूक रख हेमंत सोरेन सरकार पर निशाना साधा है। कहा कि गोड्डा में 8000 युवाओं ने रोजगार के लिए आवेदन जमा किया है। यानी एक अनार सौ बीमार। काश, झारखंड सरकार बेरोजगारी दूर करने के लिए कुछ करती। सांसद ने कहा-गोड्डा अडाणी पावर प्लांट में केवल 800 युवा ही नौकरी कर पायेंगे। उन्होंने भरोसा दिया कि सभी युवा स्थानीय ही होंगे। भाजपा 100 प्रतिशत स्थानीय लोगों को रोजगार दिलाने को लेकर कृतसंकल्पित है।

कैश कांड : पहले विधायकी खत्म करने के लिए स्पीकर के यहां मामला दर्ज कराया

अब तीनों विधायकों को दिल्ली लेकर जायेंगे आलमगीर आलम

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। कोलकाता कैश कांड में फंसे झारखंड कांग्रेस के तीनों विधायक इरफान अंसारी, राजेश कच्छप और नमन विक्सल कोंगाड़ी फिर से पार्टी में वापसी की चाह रखते हैं। कोलकाता हाइकोर्ट से राहत मिलने के बाद तीनों विधायक 10 नवंबर को झारखंड वापस लौटे। 11 नवंबर को झारखंड विधानसभा के विशेष सत्र में भाग लिया। वहां मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सहित कांग्रेस के प्रदेश नेतृत्व से

मुलाकात की। फिर शनिवार को विधायक दल के नेता आलमगीर आलम से उनके आवास में मुलाकात की। मुलाकात के बाद इरफान ने कहा कि हम तीनों विधायकों ने अपने नेता के समक्ष अपना पक्ष रखा। बातचीत करीब डेढ़ घंटे तक चली। इरफान ने दावा किया कि 14 नवंबर के बाद तीनों विधायक के साथ आलमगीर आलम दिल्ली जायेंगे, और आलाकमान के समक्ष अपनी बातों को रखेंगे।

आरोप लगानेवाले विधायकों से कहा था: जवाब तो उन्हें देना पड़ेगा

बता दें कि सरकार गिराने की साजिश के आरोप में 49 लाख रुपये कैश के साथ बीते 30 जुलाई को कोलकाता से कांग्रेस के विधायक गिरफ्तार हुए थे। मामले की जांच कोलकाता सीआइडी को ट्रांसफर कर दी थी। विधायकों पर आरोप लगा कि उन्होंने झारखंड की मौजूदा हेमंत सरकार को गिराने के एवज में रुपये लिये थे। हालांकि विधायकों का तर्क था कि वे लोग विश्व आदिवासी दिवस पर गरीबों को बांटने के लिए साड़ी और खिलाड़ियों के लिए फुटबॉल खरीदने जा रहे थे। बीते दिनों झारखंड विधानसभा के विशेष सत्र में भाग लेने से पहले भी विधायकों ने कहा था कि उन पर विधायक कुमार जयमंगल (अनूप सिंह), शिल्पी नेहा तिर्की और भूषण बाड़ा ने जो आरोप लगाया था, उसका जवाब उन्हें देना पड़ेगा।

तीनों विधायकों पर चल रहा है दलबदल का मामला

तीनों विधायकों पर जैसे ही कैश कांड में फंसने का आरोप लगा, शीर्ष नेतृत्व के निर्देश पर तीनों को पार्टी से सस्पेंड किया गया। उसके बाद आलमगीर आलम की ही शिकायत पर दसवीं अनुसूची के तहत स्पीकर न्यायाधिकरण में दलबदल का मामला दर्ज किया गया। मामला अभी भी न्यायाधिकरण में चल रहा है।

विधानसभाध्यक्ष मिले राज्यपाल से, विस स्थापना दिवस के लिए दिया आमंत्रण

रांची (आजाद सिपाही)। राज्यपाल रमेश बैस से रविवार को झारखंड विधानसभा अध्यक्ष रवींद्रनाथ महतो ने राजभवन में मुलाकात की। विधानसभा अध्यक्ष ने राज्यपाल को झारखंड विधानसभा के स्थापना दिवस कार्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए आमंत्रित किया है।

www.epaper.azadsipahi.com

14 नवंबर, 2022
मार्गशीर्ष, कृष्ण पक्ष, षष्ठी
संवत 2079
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

रांची
सोमवार, वर्ष 08, अंक 26

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

प्रधानमंत्री मोदी आज इंडोनेशिया होंगे रवाना, जी20 समिट में करेंगे शिरकत

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का कार्यक्रम बदला, अब केवल उलीहातू जायेंगी

- मंगलवार को रांची पहुंचेंगी और सीधे भगवान बिरसा मुंडा के गांव जायेंगी
- देवघर दौरा और स्थापना दिवस समारोह में शामिल होने का कार्यक्रम रद्द

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की झारखंड यात्रा का कार्यक्रम बदल गया है। नये कार्यक्रम के अनुसार राष्ट्रपति अब सोमवार की बजाय मंगलवार सुबह रांची पहुंचेंगी। बिरसा मुंडा हवाई अड्डे से राष्ट्रपति सीधे खूंटी के उलीहातू जायेंगी। वहां भगवान बिरसा मुंडा की जन्मस्थली पर श्रद्धांजलि अर्पित करने और धरती आबा के वंशजों से मिलने के बाद राष्ट्रपति रांची हवाई अड्डा लौटेंगी और फिर दिल्ली चली जायेंगी। जानकारी के अनुसार राष्ट्रपति के कार्यक्रम में अंतिम समय में यह बदलाव आइबी की रिपोर्ट के बाद किया गया है।

बता दें कि पहले राष्ट्रपति को सोमवार को झारखंड आना था। उनके कार्यक्रम की शुरुआत देवघर स्थित बाबा मंदिर में पूजा-अर्चना से होनी थी। राष्ट्रपति को देवघर में चार घंटे तक रुकना था। इसके लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गयी थीं। शाम को रांची पहुंचने के बाद उन्हें राजभवन में रुकना था। अगली सुबह भगवान बिरसा मुंडा के समाधि स्थल पर श्रद्धांजलि और बिरसा चौक स्थित भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण के बाद उन्हें उलीहातू जाना था।

वहां से लौटने के बाद राष्ट्रपति को मोरहाबादी में राज्य सरकार की ओर से आयोजित झारखंड स्थापना दिवस समारोह में शिरकत करनी थी। राज्य सरकार ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को झारखंड स्थापना दिवस के मौके पर मुख्य अतिथि के तौर पर आमंत्रित किया था।

हिंदू नेता कमलदेव गिरि की अंतिम यात्रा में उमड़ा जनसैलाब

जम कर पथराव, लाठीचार्ज

- गुस्से में है समर्थक

आजाद सिपाही संवाददाता

चाइबासा। पश्चिमी सिंहभूम जिले के चक्रधरपुर में गिरिराज सेना प्रमुख कमल देव गिरि की अंतिम यात्रा में हजारों लोगों की भीड़ उमड़ी। अंतिम यात्रा में में बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल हुईं। साथ ही भाजपा जिला अध्यक्ष सतीश पुरी, पूर्व विधायक शशि भूषण सामड, पूर्व विधायक गुरुचरण नायक, पूर्व विधायक बड़कुंवर गगराई, भाजपा नेता और पूर्व आईएस अधिकारी जेबी तुबिद भी शामिल हुए। अंतिम यात्रा कमल देव गिरि के शाउंडिक धर्मशाला आवास से निकल कर कुदलीबाड़ी स्थित शमशान घाट पहुंची। इस बीच चक्रधरपुर के पवन चौक, भगत सिंह चौक पर थोड़ी देर शव को रोका गया। भारी सुरक्षा के बीच कुदलीबाड़ी में शव का अंतिम संस्कार किया गया।

शवयात्रा पवन चौक पर पहुंची, तो पथराव शुरू, कई घायल, पुलिस ने लाठी चार्ज कर भीड़ को भगाया : कमलदेव हत्याकांड के दूसरे दिन चक्रधरपुर में तनाव है। रविवार को जैसे ही कमलदेव के घर धर्मशाला गली से शव को लेकर लोग निकले ,हजारों की संख्या में भीड़ एकजुट होकर चक्रधरपुर के पवन चौक पहुंची। इसके बाद वहां प्रदर्शन शुरू हो गया। करीब दो घंटे तक एक समुदाय के साथ जम कर पत्थरबाजी हुई है। इससे एक मजिस्ट्रेट की गाड़ी का शीशा टूट गया। पत्थरबाजी के दौरान पुलिस कुछ देर तक मूकदर्शक बनी रही। हालांकि कुछ देर बाद डीसी और एसपी ने मौके पर पहुंच कर मोर्चा संभाला। लाठी चार्ज करने का आदेश आया। इसके बाद पुलिस और रैफ के जवानों ने लाठीचार्ज कर भीड़ को तितर-बितर कर दिया। सभी प्रदर्शनकारियों को भगा दिया गया।

पश्चिमी सिंहभूम के उपायुक्त अनन्य मित्तल और एसपी आशुतोष शेखर मौके पर पहुंचे थे। उन्होंने मामले को गंभीरता से लेते हुए प्रदर्शनकारियों को भगा दिया। पत्थरबाजी से कुछ युवक घायल भी हुए। पवन चौक पर पुलिस के साथ रैफ के जवानों को भी तैनात कर दिया गया है। प्रशासन ने पवन चौक पर वज्र वाहन तैनात कर दिया है। पुलिस प्रशासन ने मोर्चा संभालते हुए पत्थरबाजी करने वाले को खदेड़ा। इसके बाद अंतिम यात्रा श्मशान घाट पहुंची।

धारा-144 लागू

गिरिराज सेना प्रमुख कमल देव गिरि की हत्या के बाद देर रात चक्रधरपुर में धारा 144 लगा दी गयी। यह 13 नवंबर से लेकर 19 नवंबर तक जारी रहेगी। इधर घटना के बाद रविवार को चक्रधरपुर बाजार को लोगों ने स्वतः बंद कर दिया । शहर में किसी प्रकार की बड़ी घटना न हो, इसके लिए पूरा चक्रधरपुर पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया है।

असहाय, गरीबों और वंचितों के लिए किया जाने वाला कार्य ही सच्ची समाज सेवा : राज्यपाल

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। राज्यपाल रमेश बैस ने कहा कि असहाय, गरीबों और वंचितों के लिए किया जाने वाला कार्य ही सच्ची समाज सेवा है। समाज की सेवा करनेवाले को ही भावी पीढ़ी भी याद रखती है। उन्होंने कहा कि समाज सेवा का अवसर व्यक्ति को जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में मिलता है। राज्यपाल रमेश बैस रविवार को मारवाड़ी भवन में आयोजित झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के अष्टम अधिवेशन के उद्घाटन पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि जीवन में आगे बढ़ने के लिए एक अच्छा इंसान बनने के लिए बच्चों को सुसंस्कृत होना जरूरी है। यदि बच्चे सुसंस्कृत नहीं हैं, तो यह हमारी कमी है। हम तभी मजबूत होंगे, जब समाज मजबूत होगा, संगठित होगा। हम दीवारों पर महापुरुषों का फोटो इसलिए लगाते हैं कि उसमें हमें उनका आदर्श दिखता है और समाज सेवा की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि समाज सेवा के लिए दिल बड़ा होना चाहिए न कि शरीर। यदि कोई गरीब अपनी एक रोटी में से आधी रोटी भूखे व्यक्ति को देता है तो इसका बहुत महत्व है। राज्यपाल ने कहा कि शादी-विवाह एवं अन्य अवसरों पर की जाने वाली फिजूलखर्ची एवं प्रतिस्पर्धा स्वस्थ समाज के लिए उचित नहीं है। उन्होंने रांची में जरूरतमंद व्यक्तियों के भोजन के लिए मारवाड़ी समाज के द्वारा चलायी जा रही अन्नपूर्णा सेवा के स्वयंसेवियों प्रमोद अग्रवाल, पुरुषोत्तम विजयवर्गीय, मनोज रुइया एवं द्वारका प्रसाद अग्रवाल को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया। सम्मेलन में झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास, पूर्व राज्यसभा सांसद महेश पोद्दार, गोवर्धन प्रसाद गड़ोदिया एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

अवैध खनन मामले में इडी के गवाह को साहिबगंज पुलिस ने जेल भेजा

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। साहिबगंज पुलिस ने 1000 करोड़ के अवैध पत्थर खनन मामले में प्रवर्तन निदेशालय (इडी) के एक और गवाह को गिरफ्तार किया है। साहिबगंज पुलिस ने विजय हांसदा को आर्म्स एक्ट और आइपीसी की धाराओं के तहत गिरफ्तार किया है। बता दें कि हांसदा 1000 करोड़ रुपये के अवैध पत्थर खनन मामले में इडी का गवाह है। पुलिस ने उनके बेटे मनोज हांसदा को भी गिरफ्तार कर लिया है। जिले के जिरवाबाड़ी थाना अंतर्गत भवानी चौकी के रहनेवाले को पुलिस ने बंदूक की नोक पर ग्रामीणों को धमकाने के आरोप में गिरफ्तारी की है। बताया जाता है कि जिला पुलिस ने उन्हें हथियार और गोलियों के साथ गिरफ्तार किया है। इनके खिलाफ 286/22 की प्राथमिकी दर्ज की गयी है। दोनों का आपराधिक इतिहास भी रहा है।

पंकज मिश्रा और अन्य के खिलाफ इडी का गवाह है विजय हांसदा : विजय हांसदा, पंकज मिश्रा और अन्य के खिलाफ इडी का गवाह है। इडी ने उन शिकायतों में से एक की जांच की थी, जो विजय हांसदा ने पंकज मिश्रा और अन्य के खिलाफ दर्ज करायी थी। 30 जुलाई को साहिबगंज पुलिस ने शस्त्र अधिनियम के एक मामले में रांची से पत्थर खनन व्यवसायी प्रकाश चंद्र यादव को गिरफ्तार किया था। उनके बेटे अंकुश कुमार यादव भी अवैध पत्थर खनन मामले में एजेंसी के गवाह हैं। बाद में प्रकाश चंद्र यादव पर क्राइम कंट्रोल एक्ट के तहत मामला दर्ज कर साहिबगंज पुलिस ने जेल भेज दिया। उनके खिलाफ सीसीए को भी समीक्षा समिति ने मंजूरी दी थी। विजय हांसदा ने निंबू हिल्स में अवैध पत्थर खनन की शिकायत दर्ज करायी थी। विशेष रूप से पंकज मिश्रा, जो मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के विधायक प्रतिनिधि हैं, मामले के नामजद आरोपियों में शामिल हैं। नींबू पहाड़ साहिबगंज जिले के जिरवावरी थाना क्षेत्र के अंतर्गत झगडू चौकी के पास स्थित है। पंकज मिश्रा के अलावा विष्णु, पवित्रा, राजेश, संजय, बच्चू और शुभेश के खिलाफ शिकायत दर्ज करायी गयी है।

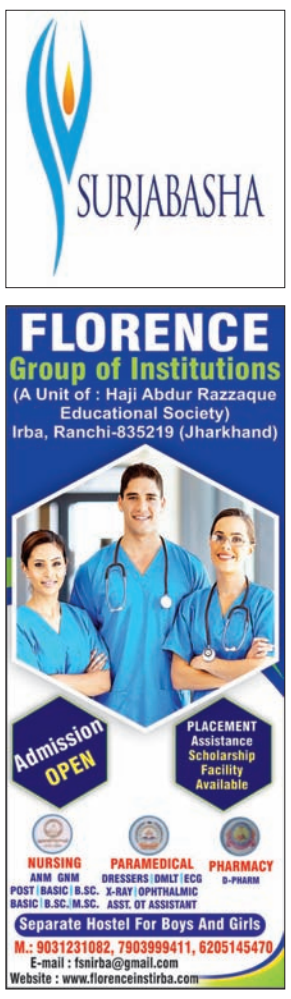

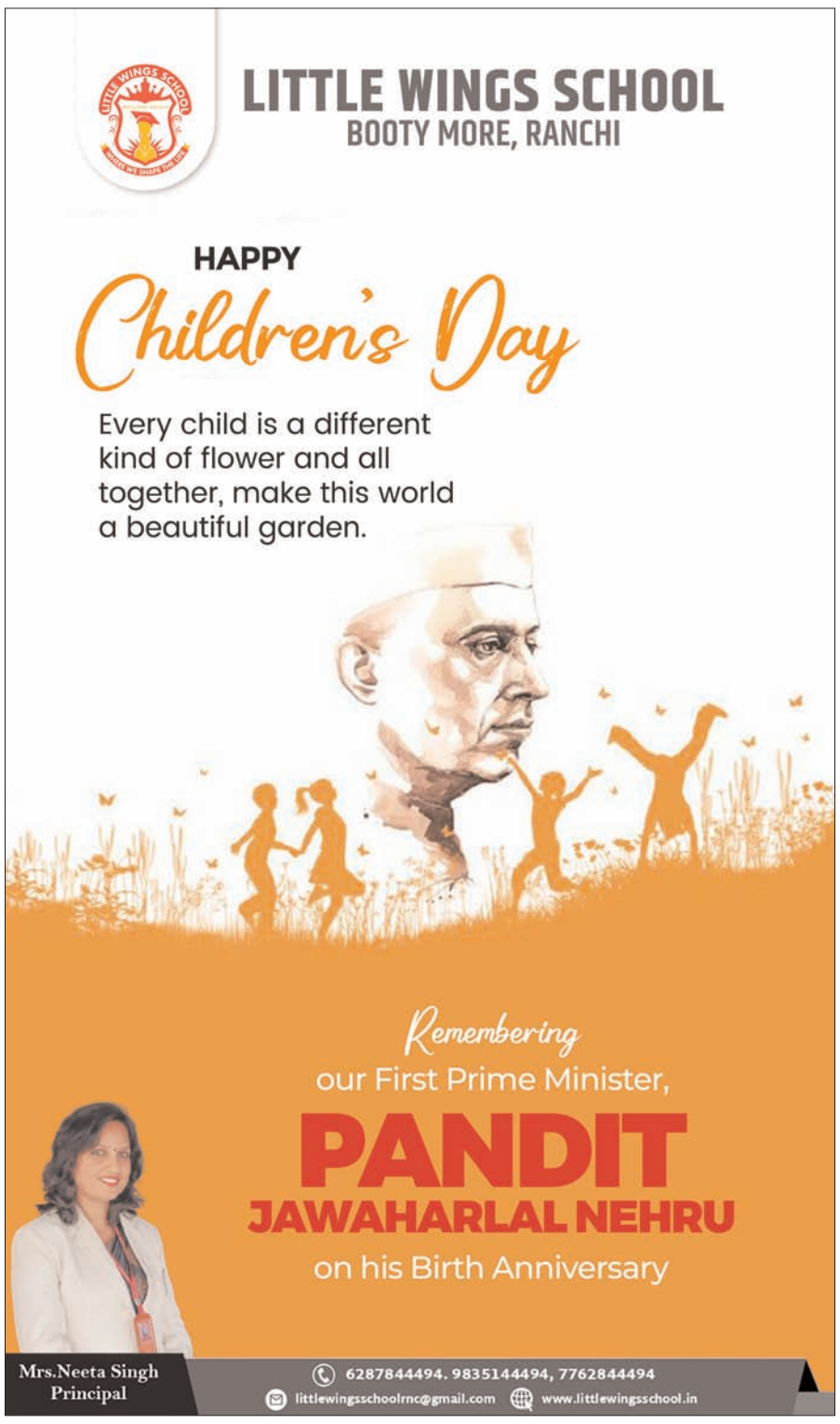

आजाद सिपाही
रांची, सोमवार, 14 नवंबर, 2022
www.azadsipahi.com

समीर उरांव पर अगरतला में हुआ जानलेवा हमला

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड से राज्यसभा सांसद और बीजेपी के एसटी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष समीर उरांव पर जानलेवा हमला बरमुरा से अगरतला लौटने के दौरान हुआ, जिसमें वह घायल हो गये हैं। हमला उस वक्त हुआ, जब वह एक बैठक के बाद लौट रहे थे। टिपरा मोथा समर्थकों पर हमले का आरोप है। समीर उरांव के साथ पार्टी नेता विकास देववर्मा और विद्युत देववर्मा भी मौजूद थे। समीर

उरांव इन दिनों त्रिपुरा में होनेवाले आगामी विधानसभा चुनाव के लिए बूथ विजय अभियान में भाग लेने त्रिपुरा के दौरे पर हैं।

नगर निकाय चुनाव की जल्द बजेगी डुगडुगी

राज्य निर्वाचन आयुक्त ने डीसी संग लिया जायजा

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। राज्य में जल्द ही नगर निकाय चुनाव की डुगडुगी बजेगी। राज्य निर्वाचन आयोग कार्यालय से शनिवार को राज्य निर्वाचन आयुक्त डीके तिवारी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सभी डीसी से चुनाव तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान नगर विकास सचिव विनय कुमार चौबे, एडीजी अभियान और गृह विभाग के अधिकारी भी मौजूद थे। उपायुक्तों के साथ बैठक में राज्य निर्वाचन आयुक्त डीके तिवारी ने इवीएम की उपलब्धता, वार्डों के आरक्षण, मतदान केंद्रों पर पुलिस बल की उपलब्धता आदि पर विस्तार से चर्चा की। चुनाव कार्य में वाहनों को बेवजह ज्यादा दिन नहीं रखने का निर्देश देते हुए निर्वाचन आयुक्त ने कहा कि जितनी जरूरत हो, उतने ही दिन निजी गाड़ियों को रखा जाये। गौरतलब है कि निर्वाचन आयुक्त से बस एसोसिएशन ने मिल कर निर्वाचन के वक्त गाड़ियों को बेवजह अधिकृत किये जाने पर आपत्ति जतायी थी। समीक्षा के बाद संभावना है कि स्थापना दिवस यानी 15 नवंबर के बाद राज्य में एक साथ सभी नगर निकायों के चुनाव की घोषणा हो सकती है।

दिसंबर में राज्य भर में एक साथ चुनाव की संभावना

यह पहला मौका होगा, जब राज्य में सभी नगर पालिका क्षेत्र में एक साथ निर्वाचन होगा। आयोग की तैयारी के अनुसार दिसंबर में चुनाव कराये जायेंगे। नगर निकाय चुनाव इवीएम से होगा। इस चुनाव में करीब 15000 इवीएम का इस्तेमाल होगा। हर मतदान केंद्र पर दो इवीएम रहेंगी। ओड़िशा से पूर्व में ही आयी इवीएम का इस्तेमाल इस चुनाव में होगा। वार्ड सदस्य, मेयर और अध्यक्ष का आरक्षण चक्रीय आधार पर होगा। इसमें ओबीसी की सीट सामान्य मानकर निर्धारित की जायेगी। रांची सहित अन्य नगर निकाय के वार्ड सदस्यों का आरक्षण निर्धारण हो जाने के बाद मेयर और अध्यक्ष पद का आरक्षण तय होगा।

इन नगर निकायों में होगा चुनाव

नगर निगमः रांची, हजारीबाग, पलामू, धनबाद, गिरिडीह, देवघर, आदित्यपुर और मानगो।

नगर परिषदः गढ़वा, बिश्रामपुर, चाईबासा, झुमरीतिलैया, गोमिया, चक्रधरपुर, चतरा, चिरकुंडा, दुमका, पाकुड़, गोड्डा, गुमला, जुगसलाई, कपाली, लोहरदगा, सिमडेगा, मधुपुर, रामगढ़, साहिबगंज, फुसरो और मिहिजाम।

नगर पंचायतः बरहरवा, बासुकीनाथ, बुंडू, चाकुलिया, छतरपुर, धनवार, डोमचांच, हरिहरगंज, हुसैनाबाद, जामताड़ा, खूंटी, कोडरमा, लातेहार, महागामा, मझगवां, नगर उंटारी, राजमहल और सरायकेला है।

मौलाना आजाद की याद में पेंटिंग प्रतियोगिता और साइंस प्रदर्शनी

मौलाना आजाद ने देश के निर्माण में महती भूमिका निभायी: स्पीकर

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मौलाना आजाद ह्यूमन इनिशिएटिव (माही) के तत्वावधान में मौलाना आजाद की जयंती के अवसर पर रांची के कामिल बुल्के पथ स्थित लोयला ट्रेनिंग सेंटर के जफर कमाल सभागार एवं प्रांगण में भव्य शिक्षा एवं सांस्कृतिक मेला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन झारखंड विधानसभा के अध्यक्ष रवींद्रनाथ महतो ने किया। विशिष्ट अतिथि के तौर पर पद्मश्री मधु मंसूरी हंसमुख, राज्यसभा सांसद डॉ महुआ माजी शामिल हुईं। कार्यक्रम की अध्यक्षता माही के संयोजक इबरार अहमद ने की। सभा को संबोधित करते हुए रवींद्रनाथ महतो ने कहा कि मौलाना आजाद युग पुरुष थे। शिक्षा में इनके योगदान को कभी भी फरामोश नहीं किया जा सकता। वह आधुनिक शिक्षा के न केवल वास्तुकार थे, बल्कि देश के निर्माण में उनकी भी महति भूमिका थी। आज उन्हें याद करते हुए गर्व महसूस हो रहा है। उन्होंने नजरबंदी के पौने चार साल जो रांची में गुजारे ,यह भारतीय इतिहास के पन्नों में हमेशा के लिए सुरक्षित हो गया। बता दें कि इस अवसर पर करीब 30 स्कूलों के लगभग 700 बच्चों ने अपनी कृतियों से मनमोहक दृश्य बिखेरे और अपनी पेंटिंग से वस्तुओं को सजीवता प्रदान की।

डॉ महुआ मांजी ने कहा कि समाज में माही शिक्षा की अलख जाग रहा है और मौलाना आजाद

के नाम पर भव्य कार्यक्रम भी आयोजित किये जा रहें हैं, यह सबसे बड़ी उपलब्धि है। वहीं मंच की अध्यक्षता कर रहे माही के संयोजक इबरार अहमद ने कहा कि सौहार्द, एकता ,भाईचारगी और गंगा जमुनी तहजीब के प्रतीक मौलाना अबुल कलाम आजाद का जन्म 11 नवंबर को हुआ था। हर साल 11 नवंबर को कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं। लेकिन इस बार किसी कारणवश हम लोग 13 नवंबर को कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं। वहीं दूसरे सत्र में रांची विश्वविद्यालय की पूर्व कुलपति कामिनी कुमार ने संबोधित करते हुए कहा कि बच्चों में शिक्षा की अलख जगाने के लिए इस तरह के आयोजन होते रहने चाहिए। ग्रामीण एसपी नौशाद आलम ने भी संबोधित किया। वहीं मंच संचालन मुस्तकीम आलम और सरफराज अहमद सुड्डू ने किया। कार्यक्रम के समापन के दौरान झारखंड के मशहूर चित्रकारों को भी सम्मानित किया गया, जिसमें अंतरराष्ट्रीय चित्रकार प्रवीण करमाकर, झारखंड के मशहूर चित्रकार युसूफ अली, देवेंदू पाल, महबूब और शाहदेव लोहार शामिल थे। वहीं निजी स्कूल एवं अल्पसंख्यक स्कूल के बच्चों के द्वारा साइंस एग्जीबिशन प्रदर्शनी लगायी गयी थी और कई बच्चों ने पेंटिंग कंपटीशन में हिस्सा भी लिया। 300 से अधिक बच्चे पेंटिंग कंपटीशन में शामिल हुए। कार्यक्रम को सफल बनाने में माही के मुस्तकीम आलम, सरफराज अहमद सुड्डू, ग्यासुद्दीन मुन्ना, शकील, सलाउद्दीन, अशफाक आलम, अजमत अली, हाजी नवाब, खालिद, सैफुल्लाह, अरशद, नजीब, मोहम्मद जाहिद, इकबाल, नाजिश, परवेज कुरैशी, इप्टा झारखंड के अध्यक्ष श्यामल मल्लिक सहित विभिन्न स्कूलों के शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं छात्र छात्राएं मौजूद थे।

इन्हें किया गया सम्मानित

पेंटिंग प्रतियोगिता में ए ग्रुपः हम्माद, सुरभि पचाल, आदित्य कुमारी। ग्रुप बीः होमैया पर्वे, अफ्रान, निलेश कुमार नाग। ग्रुप सीः प्रिया श्री , श्रेया मंडल, ज्ञान प्रगति सहित अन्य। अल्पसंख्यक स्कूलों के भी छात्रों को प्रथम, द्वितीय, तृतीय पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। वहीं विभिन्न स्कूलों के करीब 30 स्कूलों के छात्र-छात्राओं ने प्रदर्शनी लगायी। उन्हें भी सर्टिफिकेट और पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

निकाय चुनाव में झामुमो दमखम से लड़ेगी

झामुमो जिला कार्यकारिणी की बैठक में लिया निर्णय

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झामुमो रांची जिला कार्यकारिणी की बैठक जिलाध्यक्ष मुश्ताक आलम की अध्यक्षता में हुई। बैठक रविवार को रांची के कचहरी चौक डिप्टीपाड़ा स्थित मंत्री हफीजुल हसन अंसारी के आवास पर हुई। इसका संचालन जिला सचिव डॉ हेमलाल कुमार मेहता हेमू ने किया। जिला कार्यकारिणी समिति में रांची जिला

से आने वाले सभी केंद्रीय सदस्य, जिला के सभी पदाधिकारी, सभी प्रखंडों के अध्यक्ष एवं सचिव शामिल हुए। बैठक में निर्णय लिया गया कि आगामी निकाय चुनाव एवं 2024 के विधानसभा आम चुनाव में पूरे दमखम के साथ झामुमो लड़ेगी। यह भी निर्णय लिया गया कि सभी कार्यकर्ता अभी से ही तैयारी में लग जायेंगे और रांची जिला के सभी निकायों में रांची नगर निगम और बुंडू नगर पंचायत में झामुमो अपना परचम लहरायेगा। इस मौके पर झामुमो के केंद्रीय सदस्य सह राज्यसभा सांसद डॉ महुआ माजी, केंद्रीय सदस्य सुशीला एक्का, समनूर मंसूरी, डॉ चिंतामणि सांगा, जिला उपाध्यक्ष अश्विनी शर्मा, जनक नायक, कलाम आजाद, बीरू साहू, रामानंद बेदिया, मुन्ना बड़ाइक, संगठन सचिव जुल्फिकार खान, लालजय कुमार नाथ शाहदेव, जयवंत तिग्गा, प्रदीप भोगता, संयुक्त सचिव विजय आनंद नायक, आफताब आलम बबलू, सुजीत उपाध्याय सहित सभी प्रखंडों के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सचिव मौजूद रहे।

मेरी लोकप्रियता देख कर मुझे फंसाया गयाः विधायक

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। खिजरी विधायक राजेश कच्छप रविवार को 105 दिन बाद नामकुम के लुपुंग टोली स्थित अपने आवास लौटे। इस दौरान बड़ी संख्या में समर्थकों और कार्यकर्ताओं ने विधायक का स्वागत किया। विधायक ने कहा कि उनकी लोकप्रियता देख कर उन्हें और उनके सहयोगियों को फंसाया गया। इससे पहले धुर्वा स्थित सरकारी आवास से बड़ी संख्या में बाइक और चार पहिया से कार्यकर्ता नामकुम के लिए निकले। विधायक सबसे पहले जगन्नाथपुर मंदिर पहुंचे और पूजा-अर्चना की। इसके बाद धुर्वा स्थित विस्थापित कॉलोनी,

रिसालदार बाबा के मजार होते हुए नामकुम पहुंचे। नामकुम सदाबहार चौक बजरंगबली मंदिर पहुंचते ही पटाखा फोड़ कर उनका स्वागत किया गया। मौके पर विधायक प्रतिनिधि सतीश पंडा, शंकर गोप, अरुण गोप, माधो कच्छप, विमल घोष, मुरलीधर, अनु बेक, शोभा देवी, विकास कुमार और फिरोज खान और दिनेश प्रमाणिक आदि मौजूद थे।

गरीब किसान का बेटा बना लेखा अधिकारी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। आपने सुना होगा कि जिनके सपनों में उड़ान होती है उनके लिए आसमां भी छोटा पड़ जाता है। कहते हैं कि कभी भी सफलता एक बार में नहीं मिलती है, उसके लिए आपको कई बार असफलता का मुंह भी देखना पड़ता है, लेकिन उससे हार मान कर कभी भी अपने सपनों का अंत नहीं करना चाहिए। सफलता की सीढ़ी तक पहुंचने के लिए आपको कई बार असफलता भी झेलनी पड़ती है, लेकिन असली सिकंदर वहीं कहलाता है, जिसे हारी बाजी को जीतना आता है। आज हम आपको एक ऐसे ही शख्स के बारे में बतायेंगे, जिसने हमेशा से ही संघर्ष भरा जीवन जिया, लेकिन आज वह जिस

मुकाम पर है, उसने उसके सभी दुखों को भुला दिया है। हम बात कर रहे हैं रांची जिले के चुटिया नगरी के कोईरी टोली के रहने वाले धनेंद्र कुमार की, जिनकी कहानी बताना इसलिए जरूरी है, क्योंकि धनेंद्र ने बेहद गरीबी में अपना जीवन गुजार कर मेहनत से साबित कर दिया कि किसी भी मुकाम को हासिल करना असंभव नहीं है। रांची जिले के चुटिया में रहने वाले अनपढ़ मां-बाप के बेटे का सेलेक्शन जेपीएससी की नगर विकास विभाग के लेखा अधिकारी की परीक्षा में हो गया है, यानि वह लेखा अधिकारी बन गया है। बिना किसी कोचिंग के उसने यह कामयाबी हासिल की है।

अभावों में कटा बचपन

एक गरीब किसान के बेटे धनेंद्र ने बहुत ही कठिन परिस्थितियों में अपना जीवन यापन किया। धनेंद्र ने अपनी मेहनत के बल पर ना सिर्फ अपने माता-पिता बल्कि अपने चुटिया नगरी का नाम भी रौशन किया है। धनेंद्र के पिता राम लखन महतो की बात करें तो वह पेशे से एक किसान हैं, अपनी खुद की जमीन नहीं है। दूसरों की जमीन पर खेती कर परिवार पालते हैं। इनकी मां कलावती देवी बाजार में सब्जियां बेचती हैं। वहीं धनेंद्र का बड़ा भाई ज्योति, जो आर्थिक अभाव के चलते पढ़ नहीं सका, फिलहाल एक छोटा सा मोबाइल रिचार्ज की दुकान संभाल रहा है। रांची के संत पौल स्कूल से मैट्रिक पास करने के बाद बड़े भाई और माता-पिता ने पैसे जोड़ कर धनेंद्र का दाखिला कालेज में कराया था और उसकी पढ़ाई का खर्चा उठाते थे। इतना ही नहीं धनेन्द्र की पढ़ाई में उसके दोस्तों ने भी उसका खूब साथ दिया था। मानसिक और आर्थिक दोनों ही तरीकों से वह धनेंद्र की पूरी मदद करते थे।

स्कूलों में आयोजित होंगी निबंध, वाद-विवाद, पेंटिंग और खेलकूद प्रतियोगिता

14 नवंबर को बाल दिवस के रूप में मनायेगी पासवाः आलोक दुबे

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल लाल नेहरू की जयंती के अवसर पर पासवा 14 नवंबर को पूरे प्रदेश में बाल दिवस के रूप में मनाने जा रही है। प्रदेश पासवा अध्यक्ष आलोक कुमार दुबे ने कहा कि बाल दिवस के उपलक्ष्य में पासवा राज्य के सभी विद्यालयों में कुछ ना कुछ कार्यक्रम आयोजित कर बच्चों को प्रोत्साहित करेगी, जिसमें निबंध प्रतियोगिता, वाद विवाद, पेंटिंग, खेलकूद प्रतियोगिता, फैंसी ड्रेस, संगीत और नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन कर बच्चों को प्रोत्साहित करेगी एवं पुरस्कृत भी करेगी।

पासवा प्रदेश अध्यक्ष आलोक दुबे ने कहा कि बच्चे राष्ट्र की बहुमूल्य संपत्ति होने के साथ ही भविष्य और कल की उम्मीद हैं। बच्चों और युवाओं के अधिकार, उनकी शिक्षा एवं भविष्य निखारने में पंडित नेहरू का महत्वपूर्ण योगदान रहा। पंडित नेहरू हमेशा कहा करते थे कि हम जितनी

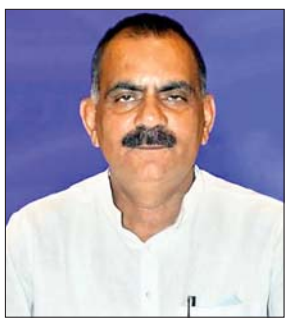

बेहतर तरह से बच्चों की देखभाल करेंगे, राष्ट्र निर्माण भी उतना ही बेहतर होगा। बाल दिवस समारोह का आयोजन देश के भविष्य के निर्माण में बच्चों के महत्व को बताता है।

पिछले दो वर्षों से कोरोना काल के प्रकोप से बच्चे इस तरह के कार्यक्रमों से वंचित थे, इसलिए सभी विद्यालय चाहे वह सीबीएसई बोर्ड, आईसीएसई बोर्ड, झारखंड बोर्ड या अन्य निजी विद्यालय हों, सभी विद्यालय प्राचार्य, प्रधानाध्यापक, संचालक, उनसे अपील की जाती है कि बच्चों के भविष्य को देखते हुए इस तरह के कार्यक्रम आयोजित करें। पासवा के पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि पूरे प्रदेश में 14 नवंबर को बाल दिवस धूमधाम से आयोजित कर बच्चों का मनोबल बढ़ायें। इस बाबत जिलावार कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए पर्यवेक्षक मनोनीत किये गये हैं। रांची जिला के लिए अरविंद कुमार , रांची महानगर के लिए डॉ सुषमा केरकेट्टा, लोहरदगा माजिद अंसारी, गुमला सिस्टर कल्याणी टेटे, खूंटी मुजाहिदीन इस्लाम, सिमडेगा आलोक बिपीन टोप्पो, पूर्वी सिंहभूम रमन झा, सरायकेला खरसावां, जे.शुभम, पश्चिमी सिंहभूम सुभाष उपाध्याय, धनबाद मो. जिन्ना, हजारीबाग बिपीन कुमार, चतरा नीरज सहाय, कोडरमा तौफिक अंसारी, बोकारो अनामिका सिंह, देवघर जया वर्मा, गिरीडीह मुमताज आलम, पलामू लक्ष्मी तिवारी, लातेहार रणधीर कौशिक, गढ़वा पाकुड़ अल्ताफ अंसारी, गोड्डा अपूर्वा झा, दुमका कैलाश महतो बनाये गये हैं।

महत्वपूर्ण न्यूज

लिटिल विंग्स स्कूल में पैरेंट्स इंडक्शन प्रोग्राम

रांची (आजाद सिपाही)। बूटी मोड़ स्थित लिटिल विंग्स स्कूल द्वारा पैरेंट्स इंडक्शन प्रोग्राम का आयोजन किया गया। 'क्रिएटिंग ए हैप्पी एंड प्रोसपरस ह्यूमन थ्रू एफेक्टिव पैरेंटिंग' टॉपिक पर आधारित इस इंडक्शन प्रोग्राम को रिसोर्स पर्सन पंकज मुजाल ने संचालित किया। कार्यक्रम की शुरुआत में इंस्पायर अवार्ड के विजयी विद्यार्थियों को मुंजाल के हाथों सम्मानित किया गया। आज के समय में बच्चों की सही पैरेंटिंग कैसे की जाये, इस विषय पर उन्होंने पैरेंट्स को कई महत्वपूर्ण सुझाव दिये। इस कार्यक्रम में काफी संख्या में पैरेंट्स शामिल हुए। पैरेंट्स इस प्रोग्राम से काफी प्रभावित हुए। पैरेंट्स का कहना था कि इस तरह का प्रोग्राम होते रहना चाहिए, इससे बच्चों के व्यक्तित्व के निखार में काफी मदद मिलती है और अभिभावकों को भी प्रोत्साहन मिलता है।

ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल में इंटर स्कूल बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन

रांची (आजाद सिपाही)। ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल के छात्रों में खेल भावना को प्रेरित करने के उद्देश्य से 11 और 12 नवंबर को स्कूल आर्केड में इंटर स्कूल बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। टूर्नामेंट में कई प्रमुख स्कूलों ने भाग लिया, जिनमें ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल, डीपीएस, गुरु नानक स्कूल, सेंट मिशेल पब्लिक स्कूल और सफायर इंटरनेशनल स्कूल पसंदीदा थे। इस कार्यक्रम में एकल और युगल वर्ग में अंडर-17 लड़के और अंडर-17 लड़कियों के दो समूह शामिल थे। शटलरों ने शानदार प्रस्तुति दी, जिसकी सभी ने सराहना की। लड़कियों के एकल और युगल वर्ग में ऑक्सफोर्ड की खिलाड़ी विजयी रहीं। लड़कों में ऑक्सफोर्ड ने सिंगल्स में जीत दर्ज की, जबकि डबल्स में गुरु नाकाक स्कूल ने शीर्ष स्थान हासिल किया। कार्यक्रम में शिहान मानस सिन्हा, ब्लैक बेल्ट, 8वें डैन अजस्की, 7वें डैन वर्ल्ड कराटे फेडरेशन ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की, जो छात्रों के प्रयासों और प्रदर्शन से बहुत मंत्रमुग्ध थे। अकादमिक निदेशक डॉ सिमी मेहता ने छात्रों को एक सकारात्मक संदेश दिया और कहा कि कोई पदक जीतता है या नहीं, खेलों में भागीदारी से फिटनेस, तंदुरूस्ती और खुशी का भरपूर लाभ मिलता है। प्रधानाचार्य राज किशोर शर्मा ने टीम वर्क पर प्रकाश डाला और कहा कि हमें सामाजिक रूप से दूसरों से जुड़ने की जरूरत है और खेल एक ऐसा मंच प्रदान करते हैं जिसके माध्यम से हम खुद को और अधिक आत्मविश्वासी बना सकते हैं।

क्लिनिका क्योर हॉस्पिटल का उद्घाटन

रांची (आजाद सिपाही)। क्लिनिका क्योर हॉस्पिटल का उद्घाटन बरियातू रोड स्थित साईं अस्पताल के पीछे गांधी बिहार में किया गया है। हॉस्पिटल में कम पैसों में बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध है। क्लिनिका क्योर हॉस्पिटल के सर्जन डॉ सैयद अल्तमश ने बताया कि बरियातू क्षेत्र अस्पताल का हब माना जाता है। यहां रिम्स अस्पताल से लेकर महंगा से महंगा अस्पताल उपलब्ध है, जिनके पास पैसों की बहुत कमी है, उनके परिजन को अपने मरीज की जान बचाने की जद्दोजहद रहती है। ऐसे गरीब या मध्यम वर्ग के लोग अगर रिम्स में जाते हैं, तो उन्हें कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। वे बड़े अस्पतालों में इलाज कराने में असमर्थ होते हैं। वहीं बड़े अस्पताल की मैनेजिंग कमेटी पैसों और मरीजों के प्रति कितना संवेदनशील होते हैं कि मृतक को भी पैसों के लिए बंधक बना कर रखे रहते हैं। पैसे मिलते ही मृतक को उसके परिजनों को सौंपा जाता है। इस तरह की कई और समस्याओं से लोगों को परेशान होते देखा है। इसलिए कम पैसों में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की सोच के साथ हम सबने इस क्लिनिका क्योर हॉस्पिटल को स्थापित किया है। इस क्लीनिक क्योर अस्पताल के सर्जन डॉ अल्तमस, होपवेल अस्पताल के डॉ शाहबाज, डॉ मुज्तबा, डॉ मुजम्मिल, वार्ड चार के पार्षद हुस्ना आरा सहित कई चिकित्सक, नर्स एवं अन्य लोग मौजूद थे।

मारवाड़ी कॉलेज रांची में फ्रेशर्स वेलकम समारोह का हुआ आयोजन

रांची (आजाद सिपाही)। मारवाड़ी कॉलेज रांची में फ्रेशर्स वेलकम समारोह परिचय 2022-25 का आयोजन किया गया। समारोह में कॉलेज के बीबीए विभाग के शिक्षक, कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ मनोज कुमार और एचओडी उपस्थित थे। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में डॉ आरआर शर्मा, कॉलेज के हेड कोऑर्डिनेटर डॉ तरुण चक्रवर्ती और कॉलेज के प्लेसमेंट सेल के हेड अनुभव चक्रवर्ती के द्वारा परफॉर्मेंस के आधार पर मिस्टर और मिस फ्रेशर का चुनाव किया। साथ ही उनको सम्मानित भी किया गया। मौके पर बीबीए डिपार्टमेंट के फैकल्टी इंचार्ज सुमित कुमार, राकेश सिन्हा, माधुरी और सीमा मैम मौजूद थे। नये विद्यार्थियों को नेक और सच्चाई की राह पर चलने की सीख दी। वहीं सीनियर जूनियर रिलेशन को और बेहतर करने की भी सलाह दी। बीबीए डिपार्टमेंट के मिस्टर फ्रेशर्स और मिस फ्रेशर्स 2022-25 गोलू कुमार और साक्षी कुमारी रहे। इस मौके पर स्टूडेंट्स ने गीत-संगीत, नृत्य और अन्य कार्यक्रम प्रस्तुत किये। छात्रों ने रंगारंग प्रस्तुतियां दी। इसमें छात्र-छात्राएं रैंप पर भी चले। वहीं शिक्षक राकेश सिन्हा ने गीत गाकर शमा बांध दी। कार्यक्रम के माध्यम से नए और पुराने छात्रों ने परिचय के माध्यम से एक दूसरे के साथ आपसी तालमेल, भाई-चारा और स्नेह का परिचय दिया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में ऑर्गनिजर टीम तौसीफ अन्सारी, नैना विश्वकर्मा, साक्षी सेठ, अंजलि सिंह, अमन अली, सुमित कुमार, हिमांशु कुमार, प्रतीक्षा कुमारी का योगदान रहा। इस प्रोग्राम में सुपर सीनियर आयुष अग्रवाल, आर्यन मल्होत्रा, तुषार कुमार और अभिषेक यादव का भी सहयोग रहा।

साहिब मेरा एको है एको है भाई एको है...

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। गुरुद्वारा श्री गुरुनानक सत्संग सभा द्वारा रविवार को दिन के 3.30 बजे से गुरुद्वारा साहिब, कृष्णा नगर कॉलोनी में शुक्राने का दीवान सजाया गया। दीवान की शुरुआत 3.30 बजे सुखमनी साहिब के सामूहिक पाठ से हुई। तत्पश्चात स्त्री सत्संग सभा की शीतल मुंजाल द्वारा किलविखो नसवंजो करता घर आया... शबद गायन से हुई। शाम 4.30 बजे से 5.30 बजे तक हजूरी रागी जत्था भाई महिपाल सिंह ने बाबा फिर मक्के गया नील वस्त्र धारे बनवारी... तथा वडे मेरे साहिबा वडी तेरी वडिआइ... एवं साहिब मेरा एको है एको है भाई एको है... जैसे कई शबद गायन कर साध संगत को निहाल किया।

शबद गायन के साथ गुरु घर के सेवक मनीष मिढ़ा ने कथावाचन करते हुए साध संगत को बताया कि श्री गुरुनानक देव का जन्म सन 1469 में राय भोई की तलवंडी, ननकाना साहिब (वर्तमान में पाकिस्तान में) में हुआ था। पिता मेहता कालू ने गुरुनानक जी और भाई मर्दाना जी को बीस रुपये दिये और कहा- नानक के साथ जाओ, कुछ असली सामान खरीद लाओ, जिसे बेचकर हम लाभ कमा सकें,इस तरह यदि आप एक लाभदायक लेनदेन करते हैं, तो अगली बार मैं फिर भेजूंगा। गुरुनानक देव जी और भाई मरदाना जी कुछ सामान खरीदने के लिए तलवंडी से चूहर-खाना की ओर चल पड़े। वे मुश्किल से गाँव से दस-बारह मील ही निकले थे कि उन्हें एक गांव मिला, जहां एक वृक्ष के नीचे संतों की टोली को बैठे देखा जो कई दिनों से भूखे-प्यासे थे। गुरु नानक साहिब जी ने भाई मरदाना जी से कहा, पिताजी ने हमें कुछ लाभदायक लेन-देन करने के लिए कहा है,जरूरतमंदों को खिलाने और पहनने से ज्यादा लाभदायक कोई सौदा नहीं हो सकता। मैं इस सच्चे सौदे को नहीं छोड़ सकता। शायद ही कभी हमें मिलता है,इस तरह कुछ लाभदायक लेन-देन करने का अवसर। गुरु नानक देव निकटतम गांव गए, जहां उन्होंने भरपूर मात्रा में रसद खरीदा जिससे उन संतों ने भोजन बनाकर खाया। गुरुनानक साहिब जी ने यह जो 'लंगर' शुरू किया वो प्रथाआज तक चालू है।

श्री अनंद साहिब जी के पाठ, अरदास, हुक्मनामा एवं कढ़ाह प्रसाद वितरण के साथ शाम 6 बजे दीवान की समाप्ति हुई। विशेष दीवान में द्वारका दास मुंजाल, सुंदर दास मिढ़ा, हरविंदर सिंह बेदी, हरगोबिंद सिंह, चरणजीत मुंजाल, नरेश पपनेजा, अशोक गेरा, वेद प्रकाश मिढ़ा,प्रेम मिढ़ा, हरीश मिढ़ा, राजकुमार सुखीजा, अमरजीत गिरधर, बिनोद सुखीजा, सुरेश मिढ़ा, आशु मिढ़ा, नवीन मिढ़ा, सुभाष मिढ़ा, सूरज झंडई, रौनक ग्रोवर, भूपिंदर सिंह, जीत सिंह, गुलशन मिढ़ा, पवनजीत खत्री, महेंद्र अरोड़ा, जीतू अरोड़ा, रमेश गिरधर, मोहन काठपाल, जीवन मिढ़ा, नानक चंद अरोड़ा, हरजीत बेदी, जितेंद्र मुंजाल, अनूप गिरधर, अश्विनी सुखीजा, रमेश पपनेजा, इंदर मिढ़ा, नीरज गखड़, उमेश मुंजाल, सुरजीत मुंजाल, गीता कटारिया, गुड़िया मिढ़ा, मंजीत कौर, नीता मिढ़ा, इंदु पपनेजा, रेशमा गिरधर, मीना गिरधर, बिमला मुंजाल, बंसी मल्होत्रा, बीबी प्रीतम कौर, मनोहरी काठपाल, अमर मुंजाल, खुशबू मिढ़ा, ममता थरेजा, नीतू किंगर समेत अन्य शामिल थे।

महत्वपूर्ण न्यूज

वर्तमान संदर्भ में शिक्षा और बाल अधिकार विषय पर संगोष्ठी का आयोजन

रांची (आजाद सिपाही)। बाल दिवस के अवसर पर कांटाटोली के मंगल टावर में बच्चों के लिए चित्रांकन, नृत्य प्रतियोगिता और संगोष्ठी का आयोजन बिरसा के द्वारा किया गया। संगोष्ठी का विषय वर्तमान संदर्भ में शिक्षा और बाल अधिकार था। इस मौके पर सीपीआइ के जिला सचिव अजय सिंह, अखिल भारतीय प्रारंभिक शिक्षक महासंघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बाबूलाल झा, वरिष्ठ पत्रकार विनय भूषण , राजद के प्रदेश उपाध्यक्ष राजेश यादव, एआईएसएफ के राज्य अध्यक्ष मेहुल मृगेंद्र, पत्रकार परवेज कुरैशी मौजूद थे। इस कार्यक्रम संचालन बिरसा की फरजाना फारुकी ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में मुख्य रूप से अगता पन्ना, सहजादी खातून, फैजीन फातमा, ज्योति कच्छप, नूरी खातून, शबाना खातून, निक्की परवीन, अनिकेत चौधरी, काजल देवी सहित अन्य का योगदान सराहनीय रहा।

59वें श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा भंडारे में प्रसाद का वितरण किया गया

रांची (आजाद सिपाही)। पुनदाग स्थित संस्था के निर्माणाधीन श्री कृष्ण प्रणामी मंदिर के प्रांगण में संस्था के छावनीका परिवार के सौजन्य से अपने माता-पिता की स्मृति में 59वें श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा भंडारे के प्रसाद का विधिवत उद्घाटन कर वितरण कार्य शुरू किया गया। इस मौके पर प्रभात खबर के स्थानीय संपादक विजय पाठक, उदय, श्रीकृष्ण प्रणामी संस्था के उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल, पवन पोद्दार, विष्णु सोनी एवं ज्ञान प्रकाश शर्मा ने जरूरतमंद ग्रामीणों एवं मंदिर के आसपास के रहने वाले श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया। भंडारे की सेवा कार्य में श्री कृष्ण प्रणामी के सह-संरक्षक बसंत कुमार गौतम, अध्यक्ष डूंगरमल अग्रवाल, ओमप्रकाश सरावगी, विशाल जालान, शिवभगवान अग्रवाल, मनीष सोनी, पवन पोद्दार, धीरज कुमार गुप्ता, चंद्रदिप साहू, परमेश्वर साहू उपस्थित थे। यह सभी जनकारी संस्था के उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल (राजू अग्रवाल) ने दी।

छात्र संसद के लिए 24 छात्र-छात्राओं का चयन

रांची (आजाद सिपाही)। झारखंड विधानसभा की ओर से आयोजित द्वितीय छात्र संसद 2022 के लिए विभिन्न विश्वविद्यालयों से चयनित 111 छात्रों का ऑनलाइन स्क्रीनिंग टेस्ट विभिन्न क्षेत्रों के एक्सपर्ट के चार पैनलों के इंटरव्यू बोर्ड के माध्यम से हुआ। इस स्क्रीनिंग टेस्ट के माध्यम से 24 छात्र-छात्राओं का चयन किया जा चुका है। ये 24 छात्र एवं छात्राएं 24 नवंबर को छात्र संसद में भाग लेंगे, जो झारखंड के विभिन्न जिलों का प्रतिनिधित्व भी करते हैं। विधानसभा अध्यक्ष रवींद्रनाथ महतो ने स्क्रीनिंग टेस्ट लेने से पूर्व सभी पैनल के एक्सपर्ट से भेंट वार्ता की और यह अवगत भी कराया कि छात्र संसद की मूल थीम सड़क सुरक्षा और सुरक्षा होगी। उन्होंने बताया कि इस विषय के संबंध में हम युवाओं को दायित्व बोध करा कर उनके जीवन को सुरक्षित कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं को विभिन्न क्षेत्र में आगे बढ़ने का अवसर उपलब्ध है। झारखंड जैसे ग्रामीण परिवेश के युवाओं के मनोबल और आत्मविश्वास को बढ़ाने की आवश्यकता है। आशा है हम छात्र संसद के माध्यम से इन उद्देश्यों को पूर्ति कर पायेंगे।

ऊर्जा निगम ने मांगें नहीं मानी तो 6 दिसंबर से बिजली कर्मचारी करेंगे विरोध-प्रदर्शन

रांची (आजाद सिपाही)। झारखंड पावर वर्कर्स यूनियन की केंद्रीय कार्यकारिणी की बैठक रविवार को आहूत की गयी। बैठक में सभी जोन एवं क्षेत्रीय परिषद के सदस्य पहुंचे। निगम प्रबंधन के द्वारा यूनियन से किये गये इकरारनामा पर चर्चा हुई। यहां उपस्थित सभी सदस्यों ने प्रबंधन के विरुद्ध आवाज उठायी सदस्यों ने कहा कि प्रबंधन द्वारा लगातार पदाधिकारियों को प्रोन्नति दी जा रही है। वहीं किसी भी कर्मचारी को आज तक कोई प्रोन्नति नहीं दी गयी, बल्कि तृतीय संवर्ग के तकनीकी कर्मी को चतुर्थ वर्गीय कर्मचारी बना दिया गया। प्रबंधन के आदेश के कारण सभी कर्मियों की प्रोन्नति तो नहीं हुई, कहीं-कहीं तो वार्षिक वेतन वृद्धि तक रोक दी गयी है। प्रबंधन के 2 सितंबर के आदेश के कारण फील्ड में दुविधा की स्थिति है। यूनियन के अध्यक्ष आशीष कुमार ने कहा कि इस संदर्भ में कई बार अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक से गुहार लगायी गयी, लेकिन न्याय नहीं मिला। निदेशक मानव संसाधन से कई बार वार्ता हुई। अधिकारी यूनियन की बातों से सहमत भी हुए, लेकिन अपने गलत आदेश को वापस नहीं लिया। इससे सभी कर्मियों में भारी असंतोष है। केंद्रीय कार्यकारिणी की बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि 6 दिसंबर को निगम मुख्यालय के समक्ष धरना प्रदर्शन और 7 दिसंबर से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल की जायेगी। संघ के महामंत्री वरुण कुमार ने बताया कि तकनीकी कर्मी की प्रोन्नति बाधित है। वहीं मुख्यालय में लेखा शाखा एवं सामान्य शाखा के कर्मियों को भी प्रोन्नति नहीं दी गयी है, जो अति दुखद है। आशीष कुमार ने कड़े शब्दों में चेतावनी देते हुए कहा कि हमारी मांगे नहीं मानी गयीं, तो आगामी 6 दिसंबर से बोर्ड मुख्यालय के समक्ष आंदोलन किया जायेगा। इसकी सारी जवाबदेही बोर्ड प्रबंधन की होगी। इस मौके पर संघ के कोषाध्यक्ष अरुण कुमार विद्यार्थी, विनय कुमार, उप महामंत्री सुशील तुरी, अरुण कुमार मौजूद थे।

62 साल के पति की खतरनाक साजिश का खुलासा

तीसरी पत्नी को रास्ते से हटाने के लिए रास्ते में प्लान बना डाला और कर दी बेरहमी से हत्या

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। राजधानी रांची के जगरनाथपुर थाना अंतर्गत पुंदाग ओपी क्षेत्र में (आइआइएम के नए कैंपस के पास) नयासराय नदी के पास हुए अज्ञात महिला की हत्या मामले का खुलासा रांची पुलिस ने कर लिया है। इस मामले में पुंदाग ओपी पुलिस ने आरोपी 62 साल के इकबाल अंसारी को गिरफ्तार कर लिया है। बता दें पुलिस ने गुरुवार 10 नवंबर को महिला का शव झाड़ी में बरामद किया था। लेकिन उसकी पहचान नहीं हो सकी थी। पुलिस ने जब महिला की पड़ताल शुरू की तो पता चला कि नयासराय के रहने वाले इकबाल अंसारी की तीसरी पत्नी अजमेरी खातून (42 वर्ष) है और महिला तीन दिन से लापता है। उसके बाद पुलिस ने छानबीन शुरू की तो जानकारी मिली की मृतिका 62 साल के इकबाल अंसारी की तीसरी पत्नी है। जिसकी पत्थर से कूच पति ने हत्या की है। पुलिस ने इकबाल को शनिवार को गिरफ्तार किया, जिसे रविवार को जेल भेज दिया है।

बता दें इस घटना को उद्भेदन करने में एसएसपी कोशल किशोर के निर्देश पर सिटी एसपी अंशुमान कुमार ने हटिया डीएसपी राजा कुमार मित्रा के नेतृत्व में एक टीम गठित की थी। उसके बाद डीएसपी राजा कुमार मित्रा और पुंदाग ओपी प्रभारी विवेक कुमार ने सूचना के आधार पर हत्या के आरोपी इकबाल अंसारी तक पहुंचे और उसे गिरफ्तार कर लिया।

आरोपी का कबूलनामा, तीन पत्नियों से 7 बेटा-बेटी : पत्नी की हत्यारोपी इकबाल अंसारी ने पुलिस को बताया कि उसकी पहली शादी तफीसा खातुन,पुन्दाग से हुई थी जिससे 5 बच्चे जिसमें 3 लड़का और 2 लड़की हुई। पांचों बच्चों का शादी हो चुका है।बताया कि पहली पत्नी का मृत्यु हो गया। पहली पत्नी के मृत्यु के बाद दूसरी शादी सजीला खातून (दूसरी पत्नी),बौड़या के साथ हुआ। जिससे एक बेटी हुई।उसके रहते हुए तीसरी शादी अजमेरी खातुन (जिसकी हत्या की) सेन्हा,थाना-चंदवा जिला लातेहार से हुई।जिससे एक लड़का हुआ।आरोपी ने ये भी बताया कि परिवार वालों को बिना बताये उसने तीसरी शादी की थी और पत्नी को चोरी छिपे किराये के मकान में धुर्वा एचइसी क्वार्टर में रख रहे थे।

आरोपी एचइसी में काम करते थे बताया कि वो एचइसी में 1974 से 2 फरवरी 2022 तक मजदूरी का काम करते थे।एचईसी द्वारा मिले क्वार्टर में करीब 14 साल रखा।बताया कि तीसरी पत्नी अजमेरी खातुन हमेशा जमीन लेकर घर बनाकर रखने के लिए बोलती थी। इसी बात को लेकर बराबर दोनों के बीच झगड़ा होते रहता था।

घटना के दिन आरोपी पत्नी को लेकर पिठोरिया से आ रहे थे : पुलिस पुछताछ में इकबाल अंसारी ने बताया कि 9 नवंबर को कोकदोरो अपने रिश्तेदार के घर से अपनी पत्नी के साथ से अपना घर नयासराय आ रहे थे। इसी बीच रास्ते में जमीन और घर बनवाने को लेकर झगड़ा शुरू हो गया।

पत्नी के साथ रास्ते में की मारपीट बताया कि जब रास्ते में झगड़ा होने लगा तो दलादली के आसपास सुनसान जगह पर मोटरसाइकिल रोक कुछ देर बकझक की।करीब 10-15 मिनट वहां रुका। फिर मोटरसाइकिल में बैठाकर आइएसएम चौक पुनदाग से होते हुए आलम चौक पहुंचा। आलम चौक से नयासराय की ओर जाने लगे।

सुनसान जगह देख कर घर जाने का इरादा बदला और पत्नी की हत्या का प्लान बना डाला : आरोपी ने पुलिस पूछताछ में बताया कि जैसे ही आलम चौक से आगे बढ़ा और नयासराय पुल के पास पहुंचा तो सुनसान जगह देकर मोटरसाइकिल को सड़क किनारे खड़ा कर अपनी पत्नी को नयासराय नदी के किनारे,चट्टान के पास ले गया और कुछ देर बातचीत करने के बाद पत्नी का सिर को चट्टान पर पटक दिया। जिससे पत्नी बेहोश हो गई। तब आरोपी ने सिर पर पत्थर से वार किया। तीन से चार बार पत्थर से मारने के बाद जब आरोपी को विश्वास हो गया की उसकी पत्नी मर गयी हैं, तो उसने चट्टान से नीचे कर दिया।

दुपट्टा और शर्ट पेंट बरामद : आरोपी ने बताया कि मरने के बाद पत्नी के शरीर से गुलाबी रंग का दुपट्टा को अपने साथ लेकर गया और घटना के समय पहने हुए अपना कपड़ा ब्लू रंग का लाल लकीर का शर्ट, काला रंग का पैंट को नयासराय तलाब के किनारे झाड़ी में छिपा दिया।पुलिस ने आरोपी के बताए जगहों से कपड़ा सहित बाइक बरामद कर लिया है।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी देंगे तोहफा

सोन नदी पर बनेगा पंडुका पुल झारखंड और बिहार को जोड़ेगा

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड के पलामू, गढ़वा और बिहार के रोहतास के वासियों को केंद्र सरकार की ओर से तोहफा मिलने वाला है। 14 नवंबर को केंद्रीय पथ परिवहन मंत्री नितिन गडकरी रोहतास जिले में सोन नदी पर पंडुका पुल शिलान्यास करेंगे। इस पुल के बन जाने से रोहतास और पलामू के बीच की दूरी महज मात्र दो किलोमीटर रह जायेगी। भारत सरकार के पथ परिवहन विभाग द्वारा निर्माण कराये जा रहे 2 लेन के इस पुल की लंबाई 2 किलोमीटर से अधिक की होगी। जिसकी वर्तमान लागत 196.12 करोड़ है। आने वाले 2 साल में इसके निर्माण कार्य पूरे हो जाने की उम्मीद है। इस पुल के बन जाने से बिहार और झारखंड की दूरी काफी कम होगी। पहले जहां रोहतास के लोगों को झारखंड के गढ़वा जाने में 200 किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ती थी। वही, अब मात्र 2 किलोमीटर में दूरी सिमट जायेगी।

पुल का शिलान्यास करने केंद्रीय पथ परिवहन मंत्री नितिन गडकरी रोहतास जिला आ रहे हैं। सासाराम जिला मुख्यालय से लगभग 130 किलोमीटर दूर पण्डुका गांव में सोन नदी के किनारे इस पुल का शिलान्यास किया जायेगा, जिसकी तैयारी पूरी कर ली गयी है।

झारखंड कुरमी विकास परिषद केंद्रीय कोर कमेटी की बैठक

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड कुरमी विकास परिषद के केंद्रीय कोर कमेटी की बैठक रविवार को परिषद के केंद्रीय अध्यक्ष रणधीर चौधरी के अध्यक्षता में हुई। सभा का संचालन राजेन्द्र महतो ने किया। बैठक को संबोधित करते हुए केंद्रीय अध्यक्ष रणधीर चौधरी ने आवाहन करते हुए कहा कि आगामी 12 दिसंबर को होने वाले हुड़का जाम कार्यक्रम में कुरमी समाज के लोग ज्यादा से ज्यादा दिल्ली चले और अपने समाज की अस्मिता लड़ाई लड़े। इस कार्यक्रम में परिषद के हजारों लोग दिल्ली कूच करेंगे।

बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया की आगामी 25 दिसंबर 2022 को होने वाले परिषद के वार्षिक सम्मेलन सह मिलन समारोह के तैयारी को लेकर चर्चा हुई तथा रांची जिले के सभी प्रखंड में जनसंपर्क अभियान नुक्कड़ सभा करने का निर्णय लिया गया। सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि 12 दिसंबर को होने वाले दिल्ली में हुड़का जाम कार्यक्रम में परिषद की ओर से भी जोर-शोर के साथ तैयारी करने का शामिल होने का निर्णय लिया गया।

बैठक में समाजसेवी सह विराट टुसू मेला समिति लोवाडीह के पुर्व अध्यक्ष भजोहरी महतो की निधन हुई थी उनके शोक पर 2 मिनट मौन धारण करके श्रद्धांजलि दिया गया। कार्यक्रमों की तैयारी हेतु प्रखंड प्रभारी नियुक्त किए गये। इसमें ओरमांझी- सुनील महतो, अनगड़ा -संजय कुमार महतो, नामकुम -गोवर्धन महतो, कांके पूर्वी -संजय पटेल, कांके पश्चिमी- कैलाश महतो, खलारी -पनेसर महतो, बुढ़मू- राजेंद्र महतो, नगडी- नेपाल महतो, सिल्ली - भुनेश्वर महतो, राहे -कृष्णा महतो, बुंडू -भुनेश्वर महतो, तमाड़- नंदलाल महतो, सोनाहातू -कृष्णा महतो आदि शामिल हैं। इसके अलावा सह प्रभारी भी नियुक्त किये गये हैं।

भवन निर्माण विभाग ने पहले दोषी मान कार्रवाई की और खुद ही गड़बड़ी करने के आरोपी अभियंताओं को दोषमुक्त कर दिया

आजाद सिपाही संवाददाता

झारखंड हाइकोर्ट भवन निर्माण केस

रांची। झारखंड हाइकोर्ट के निर्माणाधीन भवन की योजना में अभियंता पर गड़बड़ी का आरोप लगा था। अब इस मामले में निलंबित कार्यपालक अभियंता दीपक कुमार महतो को एक साल के बाद पथ निर्माण विभाग ने आरोप मुक्त कर दिया। पथ निर्माण विभाग द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि प्रस्तावित हाइकोर्ट के निर्माणाधीन भवन निर्माण से संबंधित गठित तीन सदस्यीय जांच टीम का जवाब आरोप पत्र के साथ साक्ष्य के रूप में जमा किया गया है। जांच टीम के जवाब में आरोपित अधिकारी दीपक कुमार महतो के खिलाफ अनियमितता और लापरवाही का दोष सिद्ध नहीं किया गया। वर्णित तथ्यों के परिप्रेक्ष्य में दीपक कुमार के खिलाफ लगाये गये आरोप प्रमाणित नहीं होते हैं, इसलिए उन्हें आरोप मुक्त और निलंबन मुक्त करते हुए उनके खिलाफ संचालित विभागीय कार्रवाई को निस्तारित किया जाता है। दीपक कुमार पोस्टिंग के लिए पथ निर्माण विभाग में अपना योगदान देंगे।

14 अभियंताओं को दोषी मानते हुए की गयी थी कार्रवाई : हाइकोर्ट के निर्माणाधीन भवन की योजना में अभियंताओं पर गड़बड़ी का आरोप था। मामले में भवन निर्माण विभाग ने निलंबित तत्कालीन अभियंता प्रमुख रास बिहारी सिंह और सेवानिवृत्त प्रभारी अभियंता प्रमुख अरविंद कुमार सिंह समेत कुल 14 अभियंताओं को अनियमितता का दोषी मानते हुए कार्रवाई की थी, जिनमें आठ अभियंताओं को निलंबित किया गया था। दो पर विभागीय कार्रवाई का आदेश दिया गया था।

वहीं, सेवानिवृत्त हो चुके एक अभियंता पर पेंशन नियमावली के तहत विभागीय कार्रवाई की गयी है। इसके अलावा छह अभियंताओं को इसी नियमावली के तहत शो-कॉज किया गया है।

इन अभियंताओं पर निलंबन की कार्रवाई हुई थी : मामाले में राजीव कुमार (कार्यपालक अभियंता), दीपक कुमार महतो (सहायक अभियंता), राजू किसपोट्टा (प्रभारी सहायक अभियंता), कनीय अभियंता विजय कुमार बाखला, सुजय कुमार, सरकार सोरेन, मनीष पूरन एवं अशोक कुमार मंडल पर निलंबन की कार्रवाई हुई थी। जबकि इस केस में रास बिहारी सिंह (निलंबित अभियंता प्रमुख) और राजीव कुमार सिंह (कार्यपालक अभियंता) पर विभागीय कार्रवाई हुई। मामले में प्रदीप सिंह (सेवानिवृत्त कार्यपालक अभियंता) पर कार्रवाई हुई।

इनसे मांगा गया था स्पष्टीकरण अरविंद कुमार सिंह (सेवानिवृत्त प्रभारी अभियंता प्रमुख), ज्योतिंद्रनाथ दास (सेवानिवृत्त अधीक्षण अभियंता) व सुनील कुमार सुल्तानिया (सेवानिवृत्त कार्यपालक अभियंता) से विभाग ने स्पष्टीकरण मांगा गया था।

सरकार की अनुमति के बिना बढ़ाते गये लागत : धुर्वा के तिरिल मौजा में बन रहे झारखंड हाइकोर्ट के भवन निर्माण में अनियमितता की शिकायत की गयी थी। कोर्ट में भी इससे संबंधित मामला दर्ज कराया गया था। अधिकारियों और निर्माण करनेवाले ठेकेदार रामकृपाल कंस्ट्रक्शन लिमिटेड की मिलीभगत से वित्तीय अनियमितताओं का आरोप है। शिकायत में कहा गया है कि शुरूआत में हाइकोर्ट भवन के निर्माण के लिए 365 करोड़ रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति दी गयी थी। टेंडर के बाद 100 करोड़ घटा कर ठेकेदार को 265 करोड़ में काम अलॉट किया गया। बाद में एस्टीमेट को रिवाइज्ड करके 697 करोड़ कर दिया गया। मामले में हद तो तब हो गयी, जब बढ़ी राशि के लिए सरकार से अनुमति भी नहीं ली गयी. नया टेंडर भी नहीं किया गया. प्रोजेक्ट में 365 करोड़ की प्रशासनिक स्वीकृति थी. जिसमें से ठेकेदार ने इससे 100 करोड़ कम करके 265 करोड़ में काम करने का टेंडर डाला और बाद में उसी ठेकेदार को काम दे दिया गया, लेकिन बाद में एस्टीमेट को रिवाइज्ड कर 697 करोड़ रुपये का कर दिया गया था।

पेरतोल की टीम प्रकाश क्लब रूपूपीढ़ी को हरा कर पहुंची अंतिम आठ में

आजाद सिपाही संवाददाता

अनगड़ा। केपीए पेरतोल की टीम ने बेहद रोमांचक मुकाबले में प्रकाश क्लब रूपूपीढ़ी को 6-4 से हरा कर चैंपियंस ट्राफी फुटबाल टूर्नामेंट गेतलसूद के अंतिम आठ में पहुंच गई। रविवार को गेतलसूद फुटबाल मैदान में खेले गये मैच में पेरतोल की ओर से सूरज मुंडा ने 7वें मिनट में गोल कर टीम को बढ़त दिला दी। रूपूपीढ़ी के बसंत कुजूर ने 9वें मिनट में गोल कर टीम को बराबरी पर ला दिया। मध्यांतर तक मुकाबला 1-1 से बराबरी पर रहा। दूसरे हाफ में पेरतोल नयी रणनीति के साथ उतरी और स्टार खिलाड़ी तौहिद अहमद ने गोल कर टीम को 2-1 की बढ़त दिला दी। रूपूपीढ़ी के अमृत लकड़ा ने 71वें मिनट में गोल कर मुकाबला बराकर कर दिया। रूपूपीढ़ी के विजय उरांव को येलो कार्ड दिखाया गया। पेरतोल के तौहिद अहमद को प्लेयर आफ मैच का पुरस्कार मुख्य अतिथि कुल प्रकाश नर्सिंग कालेज अनगड़ा के संस्थापक कुलदीप सिंह ने प्रदान की। इस मौके पर अध्यक्ष राजेंद्र शाही मुंडा, सीइओ जैलेंद्र कुमार, भाजपा नेता राजेंद्र मुंडा, गुंजन सिंह, सीताराम मुंडा, प्रबंधक संतोष सिन्हा, उपमुखिया शंकर बैठा, शिवदास गोस्वामी, संजय नायक और राजेश पाहन आदि उपस्थित थे।

केरल और तेलंगाना में राज्यपाल से जुड़े विवाद

केरल की वाम मोर्चा सरकार ने एक अध्यादेश के जरिए राज्यपाल को प्रदेश के विश्वविद्यालयों के कुलपति के रूप में मिले अधिकारों से वंचित करने का फैसला किया है। राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान और प्रदेश की वाम मोर्चा सरकार के रिश्तों में पिछले कुछ समय से देखे जा रहे तनाव के मद्देनजर इस कदम को आश्चर्यजनक नहीं माना जा रहा है। हालांकि सरकार कह रही है कि इस फैसले का राज्यपाल के हालिया कदमों से कोई लेना देना नहीं है और यह उच्च शिक्षा में सुधार के उद्देश्य से उठाए जाने वाले नियमित कदमों का हिस्सा है। लेकिन कुछ ही दिन पहले हुए सीपीएम के राज्यस्तरीय सम्मेलन में साफ कर दिया गया था कि राज्यपाल की कथित मनमानियों पर अंकुश लगाने के लिए पार्टी किसी भी हद तक जाएगी। पिछले कुछ समय में राज्यपाल की ओर से कई ऐसे कदम उठाए गए, जिन्हें राज्य सरकार ने अपने अधिकार क्षेत्र के अतिक्रमण के रूप में देखा है। खासकर राज्यपाल का प्रदेश के 11 उपकुलपतियों को इस्तीफा देने के लिए और मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर राज्य के वित्त मंत्री के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए कहना। हालांकि इन कदमों को लेकर राज्यपाल की अपनी दलील है, लेकिन फिर भी इतना तो स्पष्ट है ही कि एक-दूसरे की भूमिकाओं और दायित्वों को लेकर राज्यपाल तथा राज्य सरकार की व्याख्याओं में इतना अंतर आ गया है, जिसे पाटना संभव नहीं लग रहा है। सबसे बड़ी बात यह है कि केरल एकमात्र ऐसा राज्य नहीं है, जिसमें राज्य की निर्वाचित सरकार और केंद्र द्वारा नियुक्त संवैधानिक प्रमुख में टकराव की स्थिति बनी हुई है। दिल्ली में भी ऐसे टकरावपूर्ण हालात लंबे समय से बने हुए हैं, लेकिन दिल्ली को चूंकि पूर्ण राज्य का दर्जा हासिल नहीं है, इसलिए इसकी तुलना अन्य राज्यों से नहीं की जा सकती। मगर तमिलनाडु और तेलंगाना जैसे राज्यों में ऐसी कोई दलील नहीं दी जा सकती। तमिलनाडु में दोनों के बीच कड़वाहट इस हद तक बढ़ गयी कि राज्य की स्टालिन सरकार ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से सार्वजनिक तौर पर अपील की कि वह राज्यपाल आरएन रवि को पद से बर्खास्त कर दें। इसी तरह तेलंगाना में राज्यपाल टी सुंदरराजन ने सार्वजनिक तौर पर संदेह जाहिर किया कि उनका फोन टैप किया जा रहा है। इससे पहले इस तरह के आरोप लगाए गए कि राज्य में विधायकों की खरीद फरोख्त की कोशिशों के पीछे राजभवन का हाथ हो सकता है। किसी भी राज्य में राज्यपाल जैसे संवैधानिक पद के इर्दगिर्द इस तरह के विवाद दुर्भाग्यपूर्ण हैं। अब तक के अनुभवों के आधार पर इतना जरूर कहा जा सकता है कि इनके पीछे संवैधानिक प्रावधानों की अस्पष्टता से ज्यादा उनकी अपने सुविधानुसार व्याख्या करने की प्रवृत्ति का हाथ है।

तमिलनाडु में दोनों के बीच कड़वाहट इस हद तक बढ़ गयी कि राज्य की स्टालिन सरकार ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से सार्वजनिक तौर पर अपील की कि वह राज्यपाल आरएन रवि को पद से बर्खास्त कर दें।

अभिमत
आजाद सिपाही

पहली बार झारखंड आने वाले और दशकों बाद अपने राज्य को देखने वाले दोनों आश्चर्यचकित होते हैं कि सड़कों पर कब्जा कर दुकानें लगाना, बिना लाइसेंस या परमिट जब जहां इच्छा हो बाजार सजा देना, नो एंट्री में अनगिनत ऑटो रिक्शा, दबंग बस मालिकों की अवैध स्लीपर बसें, सड़क पर खड़े वाहन और सबसे बड़ी बात मनमाना किराया वसूलना, सबकुछ पहले भी होता था और कुछ कड़क पुलिस अधिकारियों की धमक को अपवाद मान लिया जाये, तो अभी भी जारी है।

झारखंड में 'ऑटो' राज

सुनील बादल

22 साल के युवा झारखंड को अब तक जिम्मेदार बनकर भूगर्भ में मौजूद देश के लगभग 40% बहूमूल्य भू संपदा और यहां के लगभग सवा तीन करोड़ मानव संसाधन के बलबूते एक आदर्श उपस्थित करना था पर राजनीति की प्रयोगशाला बनकर माननीय और अधिकारियों की बड़ी फौज के साथ सवालों के कटघरे में खड़ा है कि बिहार से अलग किन कारणों से हुआ था और क्या तब की स्थितियों में बदलाव हो गया?

बिहार के जमाने के जंगल राज में अवश्य सुधार हुआ पर बिहार सहित देश के अन्य भागों में भी बाहुबली और माफियायों की समाप्ति के दौर में यहां इसे बड़ी उपलब्धि नहीं कहा जा सकता। पहली बार झारखंड आने वाले और दशकों बाद अपने राज्य को देखने वाले दोनों आश्चर्यचकित होते हैं कि सड़कों पर कब्जा कर दुकानें लगाना, बिना लाइसेंस या परमिट जब जहां इच्छा हो बाजार सजा देना, नो एंट्री में अनगिनत ऑटो रिक्शा, दबंग बस मालिकों की अवैध स्लीपर बसें, सड़क पर खड़े वाहन और सबसे बड़ी बात मनमाना किराया वसूलना, सबकुछ पहले भी होता था और कुछ कड़क पुलिस अधिकारियों की धमक को अपवाद मान लिया जाये, तो अभी भी जारी है।

आम जनता की जागरूकता पहले भी नगण्य थी और आज भी कमोबेस वही स्थिति है।

पड़ोसी राज्य बंगाल और ओड़िशा में कभी भी जायें, तो सड़क और दुकान में स्पष्ट अंतर दिख जायेगा, पर झारखंड की राजधानी रांची से लेकर सुदूरवर्ती कस्बों तक यही दृश्य पहले भी दिखते थे और आज भी दिखते हैं। कुछ अधिकारियों ने प्रयास किया भी पर माननीयों ने उनके कदम रोक दिए। उच्च न्यायालय ने ट्रैफिक सुधार के अनेक आदेश दिए पर सिर्फ हेलमेट जांच से मामला आगे नहीं बढ़ा। जमशेदपुर के निजी टाउनशिप एरिया को छोड़ कर संभवतः किसी भी भी शहर में या तो नो एंट्री और सिटी बस का स्टॉपेज तय नहीं है या उसका पालन नहीं होता है। हवाई अड्डे से लेकर सड़कों पर बेतरतीब पार्किंग करते और यात्रियों पर झपट्टा मारते टैक्सी वालों या ऑटो वालों ने जो बोल दिया सो किराया हो गया, जबकि किसी भी शहर की सभ्यता संस्कृति की तरह नियंत्रित और सुरक्षित सार्वजनिक यातायात व्यवस्था उसकी पहचान होती है।

रांची से अनेक समानताएं वाले नगर बंगलुरु ने ऑटो के लिए अलग लेन बना रखा है और वहां के सभी सार्वजनिक वाहनों में चालक का फोटो लगा पहचान पत्र अनिवार्य है ताकि यात्री समस्या होने पर शिकायत कर सकें। यहां कोई भी ऑटो या टैक्सी चालक वर्दी नहीं पहनता और किसी के पास किराया चार्ट नहीं है।

रांची से अनेक समानताएं वाले नगर बंगलुरु ने ऑटो के लिए अलग लेन बना रखा है और वहां के सभी सार्वजनिक वाहनों में चालक का फोटो लगा पहचान पत्र अनिवार्य है, ताकि यात्री समस्या होने पर शिकायत कर सकें। यहां कोई भी ऑटो या टैक्सी चालक वर्दी नहीं पहनता और किसी के पास किराया चार्ट नहीं है। सुरक्षा की दृष्टि से यह खतरनाक है और किसी आपराधिक या आतंकवादी घटना के बाद ऐसे लोगों को पकड़ना संभव नहीं, जो बिना टोकन नंबर या लाइसेंस नंबर मनमाने ढंग से वाहन चलाते हैं। कमोबेस यही स्थिति सरकारी कार्यालयों की है, जिनमें झारखंड बनने के पहले भी अनधिकृत बिचौलिए मंडराते रहते थे और आज भी उनमें और सरकारी कर्मचारियों में अंतर समझना आसान नहीं। इसी प्रकार कहने को अनेक सेवाएं ऑनलाइन हो गयी हैं पर अधिकांश मामलों में इसकी औपचारिकता सिर्फ निबंधन तक ही है फिर प्रार्थी को कागज लेकर हर टेबल पर बाबुओं की खुशामद करनी पड़ती है। भू राजस्व जैसे जनता से जुड़े कार्यालयों में इसी कारण सेवा का अधिकार सिर्फ सुनने की बात रह गयी है। यही हाल सूचना के अधिकार का है।

आम जनता की जागरूकता पहले भी नगण्य थी और आज भी कमोबेस वही स्थिति है। बंगाल और ओड़िशा जैसे पड़ोसी राज्यों में सड़कों पर बिजली चोरी, भ्रष्टाचार और जनता से जुड़े हेल्पलाइन नंबर लिखे होते हैं, जिससे आमजन में आत्मविश्वास और सुरक्षा की भावना बढ़ती है। यहां पहले भी सरकारी खर्चे पर नेताओं की ब्रांडिंग होती थी और आज भी लगभग वही स्थिति है। शोध से पता चलता है कि अनेक सरकारी योजनाएं इसलिए सफल नहीं हो पातीं क्योंकि अनपढ़,गरीब और कम पढ़े लिखे लोग इसके बारे में जानते नहीं और बिचौलिए उन्हें परेशान कर दोहन करते हैं।

वैसे इस पारंपरिक व्यवस्था में भी भ्रष्ट पकड़े भी जा रहे हैं और अनेक अधिकारी ऐसे भी हैं, जो अपने विभागों में पारदर्शिता लाने के लिए कड़े कदम उठा रहे हैं। स्वयं युवा मुख्यमंत्री के नेतृत्व में जनता से संवाद के कार्य हो रहे हैं, पर अभी बहुत कुछ किया जाना शेष है। ट्रैफिक नियम तोड़ने पर ऑनलाइन चालान और सड़कों पर मशीन से जुर्माना जैसे उपाय एक सुखद अनुभूति देते हैं कि सुधार के कदम उठाए जा रहे हैं, पर यह भी सच है कि अभी बहुत कुछ किया जाना है जिसके लिए कड़े कदम उठाये जाने की आवश्यकता है।

जमशेदपुर की खबरें

शव दफनाने के बाद घर लौट रहे युवक की हत्या, साथी को मारपीट कर घायल किया

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। झारखंड के जमशेदपुर के परसुडीह थाना क्षेत्र स्थित डीबीसी श्मशान में बागबेड़ा सोमाय झोंपड़ी निवासी प्रफुल्लो पात्रो के शव को दफनाने आये लोगों के साथ बाइक सवार अज्ञात दो लोगों ने मारपीट की। इस दौरान पत्थर से कुचल कर बबलू पात्रो को मौत के घाट उतार दिया। वहीं उसके साथी मंगल मुंडा को भी मार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। दोनों लोग शव दफनाने आये थे और शव दफनाने के बाद विवाद हुआ, जो मारपीट में तब्दील हो गया। जानकारी के अनुसार, बागबेड़ा सोमाय झोपड़ी निवासी प्रफुल्लो पात्रो की मौत हो जाने पर उसके शव को दफनाने स्थानीय लोग परसुडीह थाना क्षेत्र स्थित डीवीसी श्मशान घाट पहुंचे थे। शव दफनाने के बाद बबलू पात्रो अपने मित्र मंगल मुंडा के साथ अपने घर लौट रहा था, तभी अचानक बीच रास्ते में बाइक सवार दो युवक शव दफनाने वाली जगह पर शौच करने जाने लगे। तभी बबलू पात्रो और मंगल मुंडा ने उन्हें शौच करने से मना किया, जहां आक्रोशित होकर दोनों अज्ञात युवकों ने बबलू पात्रो और मंगल मुंडा पर ईंट पत्थर से हमला कर दिया। जैसे ही मंगल मुंडा अपने साथियों को बुलाने के लिए उक्त स्थल से भागा, मौका देख कर युवकों ने बबलू पात्रो को पत्थर से कुचल कर मौत के घाट उतार दिया। सूचना मिलते ही परसुडीह पुलिस दल बल के साथ घटनास्थल पर पहुंची और जांच पड़ताल में जुट गयी। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और बाइक के नंबर से अपराधियों की पहचान की कोशिश की जा रही है। परसुडीह थाना के पुलिस पदाधिकारी राहुल कुमार ने बताया कि पत्थर से कुचल कर बबलू पात्रो नाम के युवक की हत्या की गयी है। जांच पड़ताल की जा रही है कि हत्या के पीछे क्या कुछ कारण हैं। उन्होंने कहा कि खून से सना हुआ पत्थर घटनास्थल से बरामद हुआ है।

बांग्ला साहित्यिक संस्था 'सुवर्णरेखा नंदिनी' के प्रयास से पाठ्यचक्र आसर का आयोजन

जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। पूर्वी सिंहभूम जिले के जमशेदपुर में बंगाली समुदाय के लिए बहुचर्चित बांग्ला साहित्यिक संस्था 'सुवर्णरेखा नंदिनी' के प्रयास से मासिक पाठ्यचक्र आसर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। टेल्को स्थित सबुज कल्याण संघ में बांग्ला साहित्यिक संस्था के सेक्रेटरी डॉ मीना मुखर्जी के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम के दौरान सैकड़ों बांग्ला साहित्यकार एकत्रित होकर अपनी कला का प्रस्तुति की। कार्यक्रम की अध्यक्षता शाखा सचिव डॉ. मीना मुखर्जी ने की। इस अवसर पर विभिन्न प्रकार की प्रस्तुतियां दी गयी। उपस्थित बंगाली समुदाय के लोगों ने आवृति व संगीत प्रस्तुत की। कार्यक्रम के दौरान मौजूद बंगाली समुदाय के लोगों ने जमकर आनंद उठाया। मौके पर डॉ मीना मुखर्जी, नीता विश्वास, सुजाता घोष, इंद्राणी बोस, माला भट्टाचार्य, रंजीत दास, श्रुतिमेघा दास और सरस्वती दास आदि शामिल रहे।

सरदार वल्लव भाई पटेल जनता के दिलों में बसे हैं : मंगल कालिंदी

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। देश के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं लौह पुरुष सरदार वल्लव भाई पटेल सेवा समिति द्वारा छोटा गोविंदपुर पटेल स्कूल में समारोह का आयोजन किया। रविवार को कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि सत्तारूढ़ दल के सचेतक सह जुगसलाई विधायक मंगल कालिंदी शामिल हुए। समिति के सदस्यों द्वारा विधायक को पुष्पगुच्छ एवं शॉल देकर स्वागत किया। मौके पर विधायक ने उनके प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित की। विधायक मंगल कालिंदी ने कहा सरदार वल्लभ भाई पटेल देश के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी तथा आजार भारत के पहले गृहमंत्री थे। स्वतंत्रता की लड़ाई में उनका महत्वपूर्ण योगदान था। जिसके कारण उन्हें भारत का लौह पुरुष भी कहा जाता है। उन्होंने देश के प्रति समर्पित होकर बलिदान दिए थे। देश के विकास में इनकी अहम भूमिका रही। जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। मौके पर जिला पार्षद परितोष सिंह, सरदार वल्लभ भाई पटेल सेवा समिति के अध्यक्ष रामाश्रय प्रसाद, सचिव विन्दा प्रसाद, महासचिव नवीन चंद्र सिंह, सचिव सह प्रेस प्रवक्ता नरेश कुमार सिंह, शिवा रंजन कुमार, उपेंद्र प्रसाद, बसंत कुमार सिंह, अशोक कुमार, अनिल कुमार सिंह, शिव बालक प्रसाद, उपेंद्र सिंह, जय कुमार महतो, उमानंद राय, संतोष कुमार, शैलेश कुमार, मनोज कुमार एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

हेमंत सरकार में बिरसा मुंडा के धरती लौहनगरी में पहली बार भगवान बिरसा मुंडा की मूर्ति का होगा अनावरण

हेमंत सरकार में आदिवासी, मूलवासी, पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक का अधिकार छीनना असंभव : मनोज यादव

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। झारखंड के लौह नगरी जमशेदपुर में हेमंत सरकार के नेतृत्व में पहली बार राज्य के स्थापना दिवस व बिरसा मुंडा जयंती के उपलक्ष में भगवान बिरसा मुंडा को सम्मान मिलने जा रही है। शहर के साकची स्थित आई अस्पताल के समक्ष भगवान बिरसा मुंडा के 12 फीट की प्रतिमा स्थापित किया गया। रविवार को आजाद सिपाही के संवाददाता से वार्ता के दौरान झामुमो के वरिष्ठ नेता मनोज यादव ने बताया लौह नगरी जमशेदपुर मजदूरों का शहर है। शहर में टाटा स्टील का स्थापना 1907 में हुई है। टाटा स्टील के स्थापना हुई 100 साल से ज्यादा समय के इतिहास में पहली बार झारखंड की धरती में भगवान बिरसा मुंडा को सम्मान मिला। उन्होंने बताया झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के प्रयास से ही संभव हो पाया। मनोज यादव ने बताया मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने 3 वर्ष के कार्यकाल में राज्य के स्थापना दिवस व बिरसा मुंडा के जयंती पर भगवान बिरसा मुंडा के 12 फिट का आदमकद प्रतिमा स्थापित कर झारखंड की जनता को सौगात दी है। उन्होंने बताया झारखंड आंदोलन या देश के आजादी के बाद करें मुझे लगता है सन 1800 से अलग-अलग झारखंडी वीरों ने अपनी प्राण का आहुति दी। उन्होंने बताया भारत

के आजादी के लिए अंग्रेजो के खिलाफ पहला बिगुल फूंकने वाले आदिवासी है। आदिवासियों ने अंग्रेजो के खिलाफ लोहा लिया और क्षेत्र में अंग्रेजों को घुसने नहीं दिया था। उन्होंने बताया भागलपुर से तिलका मांझी ने 1780 के आसपास अंग्रेजो के खिलाफ लोहा लिया था। तिलकामांझी को अंग्रेजों ने फांसी की सजा दी थी। उस बारामुंडा जैसे वीर महा पुरुष सामने आए। उन्होंने बताया आज बिरसा आबादी धरती पर 100 साल से ज्यादा पुराने टाटा स्टील लोहा इस्पात कंपनी से हजारों कंपनी खोली है। पूरा विश्व में सुई से लेकर कई तरह के समान तैयार कर लाखों लाख लोगों को नौकरी दे रही है। विश्व के हर देशों में इन्होंने अपना कंपनी खुली है। लेकिन जो झारखंडी बीर है भारत के बीर है देश महानायक है उनको आज तक लौह नगरी के जमीन पर सम्मान नही मिला। उन्होंने बताया लौह नगरी के धरती पर देश के महान पुरुष महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, सुभाष चंद्र बोस,खुदीराम बोस, चंद्रशेखर आजाद जैसे वीरों को सम्मान नहीं मिला। लेकिन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन 3 वर्ष के कार्यकाल में मे पहली बार साकची आई हस्पताल के पास भगवान बिरसा मुंडा के मूर्ति स्थापित की जा रही है। मूर्ति का अनावरण 15 नवंबर झारखंड के स्थापना दिवस व बिरसा मुंडा जयंती के उपलक्ष में किया जाएगा। जमशेदपुर की जनता को बिरसा मुंडा पार्क की सौगात मिलेगी। उन्होंने बताया वर्तमान हेमंत सोरेन की सरकार ने यह साबित कर दिखाया यह जनता के द्वारा चुने गए जनता के लिए सरकार है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में यहां के आदिवासी मूलवासी पिछड़े दलित अल्पसंख्यक का हक और अधिकार कोई नहीं छीन सकता है।

15 को भगवान बिरसा मुंडा की आदमकद प्रतिमा का होगा उद्घाटन : मंगल कालिंदी

जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। राज्य स्थापना दिवस एवं 15 नवंबर को भगवान बिरसा जयंती पर शहर के साकची स्थित बिरसा पार्क का उद्घाटन किया जायेगा। रविवार को जुगसलाई के विधायक मंगल कालिंदी ने एक प्रेस वार्ता कर इसकी जानकारी दी। साकची बिरसा पार्क में 12 फुट ऊंची भगवान बिरसा की प्रतिमा लगायी गयी है। निर्मल गेस्ट हाउस में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान विधायक मंगल कलिन्दी ने कहा बिरसा पार्क स्थल का निरीक्षण किया है। काम करा रहे लोगों को आवश्यक निर्देश दिया गया। विधायक ने बताया बीते दो वर्षों से भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा साकची में लगाने के लिए प्रयासरत थे। फिलहाल भगवान बिरसा मुंडा की 12 फिट का आदमकद प्रतिमा स्थापित की गयी है। टाटा कंपनी प्रबंधन द्वारा पार्क का निर्माण भी कराया जा रहा है। विधायक ने कहा शहर के बीचोंबीच पार्क आनेवाले दिनों में एक दर्शनीय स्थल के रूप में विकसित होगा। विधायक ने बताया आगामी 15 नवंबर को भगवान बिरसा मुंडा के जयंती व राज्य के स्थापना दिवस पर मंत्री चंपई सोरेन के हाथों विधिवत उद्घाटन किया जायेगाा।

प्रेस कांफ्रेंस : मंत्री नितिन गडकरी आज रखेंगे रोहतास-गढ़वा के बीच सोन नदी पर बनने वाले पुल की आधारशिला

पुल निर्माण से गढ़वा से बिहार व उत्तर प्रदेश की दूरी कम होगी

उक्त पुल निर्माण की मांग पलामू-गढ़वा की जनता वर्षों से कर रही थी, जिसकी स्वीकृति के लिए वे वर्ष 2014 से ही प्रयासरत थे : वीडी राम

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। पलामू संसद विष्णु दयाल राम ने कहा है कि 14 नवंबर सोमवार को समय 11:00 बजे बिहार रोहतास जिला के पंडुका में सोन नदी पर गढ़वा जिला के कांडी थाना क्षेत्र के श्रीनगर (झारखण्ड) एवं पंडुका (बिहार) के बीच 210 करोड़ की लागत से बनने वाले पुल के निर्माण की आधारशिला सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार के मंत्री नितिन गडकरी के द्वारा रखी जाएगी। वे प्रेसवार्ता के दौरान आरके वीएस बीएड कॉलेज के प्रशाल में बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि वे इस अवसर पर गढ़वा एवं पलामू की जनता के साथ वहां उपस्थित रहेंगे। उन्होंने कहा यह एक ऐतिहासिक अवसर होगा। यह पुल जितना बिहार के लिए महत्वपूर्ण है उससे भी कहीं अधिक पलामू एवं गढ़वा जिले सहित झारखण्ड वासियों के लिए है।

उन्होंने कहा कि उक्त ब्रीज निर्माण की मांग यहां की जनता के द्वारा वर्षों से की जा रही थी। जिसकी स्वीकृति के लिए वे वर्ष 2014 से ही प्रयासरत थे। उक्त मामले को उन्होंने लोकसभा में शून्यकाल के दौरान एवं नियम 377 के अंतर्गत कई बार सदन में उठने का काम किया। साथ ही साथ पत्राचार के माध्यम से एवं व्यक्तिगत रूप से वे मंत्री नितिन गड़करी से भी मिलकर इस पुल के निर्माण की स्वीकृति प्रदान करने का अनुरोध किया था। फलस्वरूप दिनांक 15.03.2021 को सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय भारत सरकार के द्वारा ब्रीज निर्माण की स्वीकृति प्राप्त हुई। जिसके अनुसार पहुंच पथ सहित 2-लेन उच्चस्तरीय आर.सी.सी. पुल (लंबाई 2.15 कि.मी.) के लिए 210.13 करोड़ (दो सौ दस करोड़ तेरह लाख) की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गयी है। इसके कार्यान्वयन की अवधि 24 महीने की होगी।

उक्त ब्रीज के निर्माण से न केवल गढ़वा से बिहार, उत्तर प्रदेश की दूरी कम होगी बल्कि यहां से लखनऊ पी.जी.आई. इलाज कराने हेतु जाने वाले को भी अत्यधिक आसानी होगी। शायद यह दूसरी जगहों के लोगों को यह पता नहीं होगा कि पलामू संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत दोनों जिले क्रमशः पलामू एवं गढ़वा से सैकड़ों की संख्या में मरीज इलाज हेतु प्रतिमाह पी.जी.आई. लखनऊ में जाते हैं। इस पुल के निर्माण से न केवल पलामू एवं गढ़वा जिले को लाभ होगा बल्कि छतीसगढ़ के सीमावर्ती इलाके के लोग भी लाभान्वित होंगे। व्यापार बढ़ने के साथ-साथ रोजगार के नये-नये अवसर उत्पन्न होंगे।

सांसद ने कहा कि वे पलामू संसदीय क्षेत्र की जनता की चिरप्रतिक्षित मांग को पूरा करने के लिए अपनी ओर से तथा गढ़वा एवं पलामू की समस्त जनता की ओर से देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मंत्री नितिन गड़करी को हृदय से धन्यवाद देता हूं और उनके प्रति आभार प्रकट करता हूं। आपकी इस सहृदयता एवं पुनीत कार्य के लिए पलामू संसदीय क्षेत्र की जनता सदैव अभारी रहेगी।

प्रेस वार्ता में भाजपा के वरिष्ठ नेता अलखनाथ पांडेय, जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश केसरी, महामंत्री संतोष दुबे, चंदन कश्यप, सुरेंद्र विश्वकर्मा, धंजय तिवारी, उमेश कश्यप सहित कई भाजपा नेता उपस्थित थे।

इस पुल के निर्माण का सपना स्व. बचरु साव ने 50 वर्ष पहले देखा था

जब बचरु साव पुल निर्माण की मांग को लेकर लोगों से चर्चा करते थे, तो लोग उन्हें पागल कहते थे, लेकिन अब लोग उन्हें कांडी का गांधी कहकर संबोधित करते हैं

इसी स्थल पर बनना है पुल

स्व. बचरु साव

लोगों से अपील की पर्ची

अरुण कुमार चौबे

कांडी (आजाद सिपाही)। झारखंड व बिहार राज्य की सरहद को जोड़ने वाली सोन नद के ऊपर पुल निर्माण से आपसी संपर्क के बीच स्थाई बाधा अब आज दूर होने के दहलीज पर है। इस पुल के निर्माण का सपना कांडी के गांधी माने जाने वाले स्व. बचरु साव ने 50 वर्ष पहले देखा था, उनके द्वारा देखा हुआ सपना अब साकार होने का समय आ गया है। आज भारत सरकार के सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी, पलामू लोक सभा सांसद विष्णु दयाल राम तथा बिहार राज्य के रोहतास क्षेत्र के सांसद छेदी पासवान सोन पुल निर्माण योजना का शिलान्यास करेंगे। उक्त शिलान्यास कार्यक्रम बिहार राज्य के रोहतास जिला अंतर्गत नौहट्टा प्रखंड में सोन नदी के पास पंडुका गांव में होगा। सोन नदी पर बनाने वाला यह पुल पंडुका गांव के दूसरे छोर पर स्थित झारखंड राज्य के गढ़वा जिला अंतर्गत श्रीनगर गांव को जोड़ेगा। 1500 मीटर कुल लंबाई वाले पुल की 204.94 करोड़ रुपये की लागत केंद्र सरकार के द्वारा प्रस्तावित राशि स्वीकृत की गई थी। वहीं 210.13 करोड़ रुपये बिहार सरकार द्वारा पुल की कुल प्राक्कलित राशि है। पुल की चौड़ाई 18.0 मीटर है।

कांडी निवासी स्व. बचरु साव ने करीब 50 वर्ष पहले अविभाजित बिहार में आपसी सरोकार में बहुत बड़ी बाधा सोन पर पुल निर्माण का सपना देखा था। जिसे बिलकुल असंभव मानते हुए नदी के दोनों ओर के लोगों ने उनका पागलपन कहा था, पर बचरु साव अकेले ही कंधे पर एक झोला के सहारे छोटी सी साउंड सिस्टम टांगकर पर्चा छपवाकर गांव-गांव घूम घूम कर पुल निर्माण की चर्चा किया करते थे। हर गांव में लोगों को जुटाकर, मेला, बाजार आदि कई स्थलों पर बिना थके सोन नदी पर पुल निर्माण को लेकर जनमत जुटाने का प्रयास किया करते थे। वे किसी भी राजनैतिक दल का मंच हो सभी पर सोन नद पुल निर्माण की याद मंच पर चढ़कर दिलाया करते थे। आसपास के लोग दबी जुबान से उन्हें पागल घोषित करते हुए कहते थे कि बचरु साव असंभव कार्य को ठान बैठे हैं, यह कार्य कभी संभव होगा ही नही। उनके अथक परिश्रम का परिणाम यह निकला कि कांडी प्रखंड के साथ-साथ अन्य प्रखंड के व्यक्तियों के जुबान पर भी सोन नदी पर पुल निर्माण की मांग ला दिये थे। उनके निःस्वार्थ भाव से लगे रहने के कारण उन्हें जो पागलपन की उपाधि मिली थी वह हटाकर कांडी के गांधी नाम की उपाधि दी गयी, पर उनके जीते जी पुल निर्माण तो नहीं हो सका। 16 अगस्त 2018 का वह काला दिन जब देश के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के साथ बचरु साव ने भी अपने सीने में पुल निर्माण को दबाये अंतिम सांस ले ली। तब से आज तक कार्य दबा रहा और उस पर कई तरह की राजनीतिक चर्चायें होती रहीं, पर अब उनके मरणोपरांत यह सपना आज होने वाले शिलान्यास के साथ साकार होने वाला है।

नप अध्यक्ष पद की भावी प्रत्याशी ने किया वनभोज सह कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

नगर परिषद की बदतर स्थिति से निजात पाने के लिए हम सबको मिलकर बेहतर पहल करनी होगी : डॉ प्रतिमा कुमारी दास

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। नगर परिषद अध्यक्ष पद की भावी प्रत्याशी डॉ प्रतिमा कुमारी दास ने कल्याणपुर स्थित आरपी फार्मेसी कॉलेज के पास वनभोज सह कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर का अयोजन किया। मौके पर सभी कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित किया गया एवं डॉ प्रतिमा के द्वारा कहा गया कि आज जो गढ़वा नगर परिषद की स्थिति बनी हुई है उस बदतर स्थिति से निजात पाने के लिए हमको और आपको मिलकर के एक बेहतर पहल करनी होगी। आप जो देख रहे हैं गढ़वा शहर के चारों तरफ जो जल नल योजना के तहत पानी की टंकी लगाई गई है, वह सारा का सारा फ्लॉप है। इस प्रकार सरकार के पैसों की बंदरबांट की जा रही है। कई सामुदायिक शौचालय बनाये गये वह आज सिर्फ हाथी के दांत की तरह दिखावा बनकर रह गये हैं। उस शौचालय का भी कोई उपयोग नहीं किया जा रहा है। सभी वार्डों में अटल क्लिनिक खोलकर लोगों की सेवा देने के बजाय सिर्फ नगर परिषद के पैसे का नजायज तरीके से इस्तेमाल किया जा रहा है। इस व्यवस्था से यहां के लोगों को सुख सुविधा जो मिलनी चाहिए वह नहीं मिल पा रही है। आने वाला समय आप जैसे सभी लोगों पर निर्भर करता है कि आप अपने शहर को कैसे सुंदर रखना चाहते हैं। आज इस प्रशिक्षण में शिविर में संकल्प लेकर जायें कि आने वाले कल में स्वच्छ, सुंदर एवं स्वस्थ गढ़वा का निर्माण करने के लिए डॉ प्रतिमा कुमारी को विजयी बनाना है। डॉ प्रतिमा ने कहा कि गढ़वा वासी शुरू से ही छले जा रहे हैं। आज भी यहां के लोग मूलभूत सुविधाओं के लिए तरस रहे हैं। उन्होंने कहा कि डॉ प्रतिमा गढ़वा के लोगों को नवनिर्माण कर के दिखाएंगी। मौके पर गढ़वा नगरपरिषद के सभी वार्ड के समानित सदस्य उपस्थित थे। मौके पर रूचि कुमारी, संगीता कुमारी, अंकिता कुमारी, सीमा देवी, दामोदर राम, नसीम खान, सुनील कुशवाहा, संतोष कुशवाहा, तोहिदअंसारी, डॉ खुशतर अंसारी, जिब्रईल अंसारी, मनान, याकूब अंसारी, गोलू कुमार, प्रमोद दास, राजू दास, रविन्द्र नाथ ठाकुर, शैफ्फ राजा, डॉ सतेन्द्र, समीर खान, विक्की दास, ऋतुराज, तबरेज खान, पप्पू सोनी, प्रदीप कुमार, रुपेश सोनी, अजय कुमार, सुरेश प्रसाद, नागेंद्र कुमार, फैजान आलम, रुपेश सोनी, भास्कर केसरी प्रदीप केसरी, साजन केसरी, विक्रांत कुमार, डॉ रसीदान, अमित केसरी व संदीप कुमार केसरी उपस्थित थे।

श्री सर्वेश्वरी समूह श्री बंशीधर नगर शाखा ने लगाया निशुल्क चिकित्सा शिविर

सगमा (आजाद सिपाही)। श्री सर्वेश्वरी समूह देवस्थानम संस्थानम पड़ाव वाराणसी के निर्देशन पर श्री सर्वेश्वरी समूह श्री बंशीधर नगर शाखा की ओर से रविवार को सगमा प्रखंड मुख्यालय में स्थित भैया रूद्र प्रताप देव हाई स्कूल के परिसर में रविवार को निःशुल्क स्वास्थ्य चिकित्सा शिविर का आयोजन किया। शिविर में सगमा प्रखंड सहित विभिन्न प्रखंडों से बड़ी संख्या में विभिन्न बीमारियों से ग्रसित मरीज पहुंचे। शिविर की शुरुआत अवधूत भगवान राम की तस्वीर पर विधिवत पूजा-अर्चना कर की गई। स्वास्थ्य शिविर में एलोपैथिक और होम्योपैथिक लखनऊ, इलाहाबाद, बनारस, रांची और धनबाद के नाक, कान, गला, नेत्र, बाल और स्त्री रोग, हृदय, गुर्दा एवं चर्म रोग विशेषज्ञ चिकित्सक लोगों की निःशुल्क स्वास्थ्य जांच की गयी। शिविर में करीब तीन हजार से अधिक विभिन्न बीमारियों से ग्रसित मरीजों का इलाज एवं दवा निःशुल्क वितरण किया गया तथा चिकित्सकों के द्वारा परामर्श भी दिया गया। जांच के दौरान मोतियाबिंद के मरीजों को चिन्हित कर उन्हें विधि से लैंस प्रत्यारोपित करते हुए चिन्हित किया गया। जरूरत के हिसाब से उन्हें चश्मा का वितरण किया जाएगा। मौके पर वाराणसी से आए आश्रम के पदाधिकारी एसपी सिंह, शशि गुप्ता, ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह, डीडी यादव, सुनील सिंह, चंद्र विक्रम साह व राजा साहब नाम शामिल हैं। जबकि श्री बंशीधर नगर आश्रम के उपाध्यक्ष हेमेंद्र प्रताप देव, मंत्री आनंद जायसवाल, प्रचार मंत्री राजेंद्र यादव, सदस्य मनोज प्रताप देव, नागेंद्र चंद्रवंशी, विकास सिंह, राजू सिंह मौजूद थे। मौके पर पूर्व विधायक राजेंद्र प्रताप देव उर्फ बड़े राजा, झामुमो नेता मुक्तेश्वर पांडे, प्रदीप सिंह,पूर्व जिला परिषद सदस्य नंदगोपाल यादव, मुखिया तेज लाल भुइया, देवचंद यादव, विनोद ठाकुर सहित बड़ी संख्या में लोग शामिल थे।

आरकेपी स्कूल में बाल दिवस पर विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन आज

गढ़वा (आजाद सिपाही)। 14 नवंबर को आरके पब्लिक स्कूल सोनपुरवा में बाल दिवस व विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा। इसकी जानकारी देते हुए स्कूल के निदेशक सह शिक्षाविद् अलखनाथ पाण्डेय ने बताया कि स्थापना काल से ही 14 नवंबर के दिन बाल दिवस व विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। भारत के प्रथम प्रधानमंत्री सह बच्चों के प्यारे 'चाचा नेहरु' के जन्मदिन को बाल दिवस के अवसर पर सुबह 9 बजे से 11 बजे तक जूनियर विंग के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। वहीं बच्चों के बीच विज्ञान के प्रति रुचि बढ़ाने व युवा वैज्ञानिक के रूप में प्रेरित करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष विज्ञान प्रदर्शनी आयोजित की जाती है। उनका मानना है कि आज के बच्चे ही देश के कल भविष्य बनेंगे, जिनके कंधों पर देश व समाज का भविष्य निर्भर होगा। स्कूल हमेशा से सभी बच्चों का सर्वांगीण विकास हो, इस दिशा में कार्य करते आया है। इसका सार्थक परिणाम यह है कि सैंकड़ों छात्र-छात्राएं देश ही नहीं बल्कि विदेशों में भी विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रहे हैं। कक्षा 6 से कक्षा 12वीं तक के छात्र-छात्राओं के द्वारा आरकेभीएस रेहला रोड के प्रांगण में सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक विज्ञान प्रदर्शनी लगायी जाएगी। जिसमें विभिन्न विषयों पर आधारित लगभग 350 मॉडल प्रदर्शित होंगे। स्कूल परिवार सभी अभिभावकों व शिक्षा प्रेमियों से अनुरोध करता है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में आकर बच्चों को अपना आशीर्वाद देकर प्रोत्साहित करें।

बरडीहा प्रखंड भाजपा ने राज्य सरकार के खिलाफ किया आक्रोश प्रदर्शन

महागठबंधन की सरकार में पूरे राज्य में लूट तंत्र हावी है : ओमप्रकाश केशरी

झामुमो सरकार में घूसखोरी भ्रष्टाचार चरम पर पहुंच गया है : ईश्वर सागर चंद्रवंशी

आजाद सिपाही संवाददाता

बरडीहा। भाजपा बरडीहा द्वारा झारखंड में फैली अव्यवस्था को लेकर राज्य सरकार के खिलाफ बरडीहा में आक्रोश प्रदर्शन किया गया। आक्रोश प्रदर्शन कार्यक्रम की शुरुआत रैली से हुई। भाजपा कार्यकर्ता रैली के साथ मुख्य बाजार पहुंचे जहां सभा की गयी। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष योगेंद्र मेहता ने की।

मौके पर सभा को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश केशरी ने कहा कि गढ़वा जिला माफिया अपराधियों के चंगुल में फंस चुका है। झारखंड सरकार जिस तरह से झारखंड में बालू, कोयला खनन माफिया को लूट की छूट दे दी है इससे यह साबित होता है कि सरकार पर लूट तंत्र हावी है स्थानीय विधायक सह मंत्री मिथिलेश ठाकुर झामुमो सरकार में सबसे बड़ा लूट का कारोबार चला रहें हैं। हेमंत सरकार ने युवाओं को रोजगार के नाम पर धोखा देने का काम किया है। बेरोजगारी भत्ता के नाम पर ठगने का काम किया है। प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अलखनाथ पाण्डेय ने कहा कि गढ़वा जिला में गुण्डाराज स्थापित हो चुका है। झामुमो सरकार में लूट, हत्या, बलात्कार, चोरी घूसखोरी, भ्रष्टाचार आम बात हो चुकी है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार झामुमो सरकार के नींव में पड़ चुका है। झामुमो सरकार जब जब आती है झारखंड में लूट की पूरी छूट मिलती है। जब से झामुमो सरकार बनी है गढ़वा जिला अपराधियों के चंगुल में चला गया है।

भाजपा नेता ईश्वर सागर चंद्रवंशी ने कहा कि झामुमो सरकार में घूसखोरी भ्रष्टाचार चरम पर पहुंच गया है। बिना काम किए दलाल के माध्यम से पैसे की अवैध निकासी भी हो रही है। जनता त्राहिमाम कर रही है। बिना घूस दिए कोई काम नहीं होता है। हर विभाग में लूट मचा हुआ है। झामुमो के लोग टेंडर में लूट मचाये हुए हैं। गढ़वा जिला में मंत्री के इशारे पर अवैध कारोबार चल रहा है।

भाजपा जिला महामंत्री संतोष दुबे ने कहा कि हेमंत सरकार में किसान युवा महिला व्यवसायी सबकी हालत खराब है। अपराधी लूटेरा हर जगह हावी हैं। झारखंड सरकार में घूसखोरी चरम पर पहुंच गया है। बिना पैसा दिये कोई काम नहीं हो रहा है। गढ़वा में मंत्री माफिया राज चला रहे हैं। अपराधियों के अंदर प्रशासन का कोई खौफ नहीं रह गया है।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से वरिष्ठ भाजपा नेता वीर दुबे, सुरेंद्र विश्वकर्मा, भाजयुमो जिलाध्यक्ष रितेश चौबे, उपाध्यक्ष अविनाश पासवान, किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष रामलला दुबे, लक्ष्मीकांत पाण्डेय, शशि पाण्डेय, संजीत तिवारी, पुष्परंजन मेहता, चंद्रदेव राम, सतीश यादव, सुरेंद्र यादव सहित अन्य हजारों की संख्या में लोग मौजूद थे।

कसौधन वैश्य समाज गढ़वा ने किया सम्मान समारोह का आयोजन

गढ़वा (आजाद सिपाही)। कसौधन वैश्य समाज गढ़वा के द्वारा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कसौधन वैश्य समाज गढ़वा के अध्यक्ष उमेश कश्यप ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। कार्यक्रम में मुख्य रूप से झारखंड प्रदेश के कार्यकारी अध्यक्ष अरुण कसौधन उपस्थित थे। समाज के अभिभावक दुर्गा कश्यप के पुत्र अनूप कश्यप का रेलवे स्टेशन मास्टर के पद पर चयन होने पर झारखंड प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष एवं जिलाध्यक्ष उमेश कश्यप के द्वारा मोमेंटो देकर व माला पहनाकर सम्मानित किया गया। अरुण कश्यप ने कहा कि शिक्षा जीवन जीने का आधार है। इसलिए सभी अपने बच्चे बच्चियों को उच्च शिक्षा दीजिये। समाज के अध्यक्ष उमेश कश्यप ने कहा कि समाज में बच्चे एवं बच्चियों में भेदभाव ना करें एवं दोनों को समान अधिकार के तहत शिक्षा दें, ताकि उच्च शिखर पर अपने माता-पिता समाज और अपने राज्य का नाम रोशन कर सकें। मंच का संचालन समाज के पूर्व सचिव लखन प्रसाद कश्यप ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन समाज के मीडिया प्रभारी आशीष कश्यप ने किया। कार्यक्रम में अध्यक्ष उमेश कश्यप, उपाध्यक्ष सुरेंद्र कश्यप, सचिव संतोष कश्यप, उप सचिव विवेक कश्यप, कोषाध्यक्ष मनोज कश्यप, उप कोषाध्यक्ष मनीष कश्यप, मीडिया प्रभारी आशीष कश्यप, संगठन मंत्री सुनील कश्यप एवं युवा टीम के पदाधिकारी उत्तम, रॉबिन, अभिषेक, राहुल, संरक्षक गोपाल कश्यप, पृथ्वीनाथ कश्यप, जगदीश प्रसाद कश्यप, रामप्रवेश कश्यप, गिरिवर प्रसाद कश्यप, मथुरा कश्यप, दुर्गा कश्यप, राजकुमार कश्यप, रविन्द्र कश्यप, संतोष कश्यप मामा, अयोध्या प्रसाद कश्यप एवं सदस्य हरिओम, राहुल, अभिषेक, मिथलेश सहित स्वजातीय बंधु उपस्थित थे।

निरीक्षण : उपायुक्त ने इनडोर स्टेडियम व अनुमंडलीय पुस्तकालय का किया निरीक्षण

पुस्तकालय में मरम्मति कार्यों की जानकारी नहीं देने पर जतायी नाराजगी

जिला खेल पदाधिकारी ने कुश्ती मैट बदलने, छत से पानी टपकने, बिजली एवं पेयजल आदि की समस्या से अवगत कराया

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। उपायुक्त गढ़वा रमेश घोलप द्वारा गढ़वा जिला अंतर्गत रामा साहू उच्च विद्यालय के समीप रामासाहू इनडोर स्टेडियम, अनुमंडलीय पुस्तकालय एवं शिबू सोरेन इनडोर स्टेडियम आदि का निरीक्षण किया गया। रामासाहू इंडोर स्टेडियम के निरीक्षण के दौरान उपायुक्त द्वारा कुश्ती अभ्यास स्थल के बारे में जिला खेल पदाधिकारी से उपलब्ध व्यवस्थाओं के बारे में पूछा गया। जिला खेल पदाधिकारी द्वारा कुश्ती हेतु मैट बदलने, छत से पानी टपकने, बिजली एवं पेयजल आदि की समस्या से अवगत कराया गया। उपायुक्त द्वारा कार्यपालक अभियंता भवन प्रमंडल को आवश्यक से वार्ता संभव बहाल करते हुए एक वृहद प्रपोजल तैयार करने हेतु निर्देशित किया एवं भवन के बाउंड्री वॉल को ठीक करने हेतु निर्देशित किया गया। बॉक्सिंग से संबंधित जानकारी जिला खेल पदाधिकारी एवं प्रशिक्षकों द्वारा ली गई।

मौके पर उपस्थित प्रशिक्षक से अभ्यास करने वाले खिलाड़ियों की संख्या के बारे में पूछा गया। उपायुक्त गढ़वा श्री घोलप द्वारा श्री कृष्ण अनुमंडलीय पुस्तकालय का निरीक्षण किया गया। पुस्तकों की रखरखाव अच्छे से करने हेतु निर्देशित किया गया एवं लाइब्रेरी में आने वाले विद्यार्थियों एवं नागरिकों की जानकारी ली गई। पेयजल की समुचित व्यवस्था करने हेतु निर्देशित किया गया ताकि किसी भी नागरिक अथवा विद्यार्थी को पेयजल की समस्या न हो। पुस्तकालय में चल रहे कार्यों की जानकारी कनीय अभियंता से ली गई। कमरों की वायरिंग सही तरीके से कराने की बात कही गई। विभिन्न प्रकार के मरम्मति संबंधित कार्यों की जानकारी प्राप्त की गई। सभी तरह के प्रतियोगी परीक्षाओं की पुस्तक की उपलब्धता पुस्तकालय में करने हेतु निर्देशित किया गया एवं ज्यादा से ज्यादा लोगों को लाइब्रेरी आने हेतु प्रोत्साहित करने के लिए बात कही गई। सभी मौलिक सुधार सुनिश्चित करने की बात कही गई ताकि पुस्तकालय में किसी को कोई समस्या ना हो।

मौके पर कनीय अभियंता द्वारा पुस्तकालय में चल रहे मरम्मति के विभिन्न कार्यों के संबंध में समुचित जानकारी नहीं देने पर उपायुक्त द्वारा नाराजगी व्यक्त की गई। दिशोम गुरु इंडोर स्टेडियम का भी निरीक्षण किया गया। इनडोर स्टेडियम में कोर्ट मरम्मति का कार्य, बैडमिंटन प्रशिक्षण हेतु मैट की मांग, मल्टी जिम के अधिष्ठापन करने की मांग, सुरक्षा हेतु गार्ड की प्रतिनियुक्ति आदि तथा सोलर सिस्टम की व्यवस्था एवं साफ सफाई हेतु कर्मचारी की व्यवस्था कराने का आग्रह किया गया। निरीक्षण के मौके पर जिला खेल पदाधिकारी उमेश लोहरा, जिला कल्याण पदाधिकारी, निलेश कुमार मुरमू सहित कई लोग उपस्थित थे।

मझिआंव : 108 महाकुंडीय गायत्री महायज्ञ कमेटी का गठन

मझिआंव (आजाद सिपाही)। अखिल विश्व गायत्री परिवार शान्तिकुंज हरिद्वार के निर्देशन में गढ़वा जिले के मझिआंव प्रखंड मुख्यालय के चन्द्री स्थित नवनिर्मित गायत्री शक्तिपीठ में मां गायत्री की प्रतिमा की प्राणप्रतिष्ठा के अवसर पर 01 मार्च से 05मार्च तक आयोजित 108 कुंडीय गायत्री महायज्ञ के लिए यज्ञ महा कमेटी का गठन किया गया। गायत्री परिवार के जिला संयोजक विनोद पाठक के निर्देशन में सर्वसम्मति से राधकृष्ण मंदिर के महंत श्री श्री 1008श्री बाबा केशव नारायण दास को संरक्षक बनाया गया। जबकि सेवानिवृत्त शिक्षक शिव प्रसाद को यज्ञ महाकमिटी का अध्यक्ष बनाया गया। इसी तरह सेवानिवृत प्रधानाध्यापक महेंद्र नाथ दुबे, सुदेश सिंह, हरिशंकर सोनी, सुनील सिंह, पवन कुमार जायसवाल, अशोक साह, बिरेन्द्र प्रसाद एवं सन्नी चंद्रवंशी को उपाध्यक्ष बनाया गया। साथ ही बिजय कमलापुरी को सचिव तथा अशोक चौरसिया एवं सेवानिवृत अवर निरीक्षक बेचन राम को कोषाध्यक्ष बनाया गया। यज्ञ महा कमिटी में यज्ञशाला की देखरेख के लिए अनिल कमलापुरी की अध्यक्षता में बिनय पाठक, महिला मंडल अध्यक्ष सुनीता चौरसिया, उपाध्यक्ष संतोषी देवी, रिंकी देवी, धर्मशीला देवी सहित महिला मंडल को संयुक्त रूप से यज्ञ शाला का प्रभार सौंपा गया तथा मनोज कुमार दुबे, उपेन्द्र वर्मा को मीडिया प्रभारी बनाया गया। इसी प्रकार महायज्ञ में बाहर से आने वाले अतिथियों के स्वागत सत्कार का प्रभारी अशोक कमलापुरी एवं सह प्रभारी उदय साह को बनाया गया तथा युवा मंडल संयोजक बिरेन्द्र सोनी, देवमुनि विश्वकर्मा एवं राहुल कमलापुरी को देवालय प्रबंधन की जिम्मेवारी सौपी गई। जबकि भोजनालय महाप्रबंधक के चयन की जिम्मेवारी भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा के संयोजक सह कोर कमेटी के अध्यक्ष सेवानिवृत प्रधानाध्यापक अच्युतानंद तिवारी, प्रखंड संयोजक नागेन्द्र सिंह को सौंपी गई। मौके पर मुख्य जिला ट्रस्टी संजय सोनी, बृंदा ठाकुर, कन्हाई चंद्रवंशी, रामनरेश प्रसाद, विश्वकर्मा समाज के जिलाध्यक्ष आनंद विश्वकर्मा,शवेंद्र पांडेय, सारो देवी, राघव विश्वकर्मा व अन्य उपस्थित थे।

विधायक प्रतिनिधि व जिप उपाध्यक्ष ने किया मिट्टी मोरम पथ का शिलान्यास

सिल्ली (आजाद सिपाही)। प्रखंड के लोवादाग पंचायत अंतर्गत सिटकाडीह गांव में रविवार को मिट्टी मुरम पथ निर्माण कार्य का शिलान्यास विधायक प्रतिनिधि जयपाल सिंह, जिप उपाध्यक्ष वीणा देवी, पूर्व जिप सदस्य गौतम कृष्ण साहू व प्रमुख जितेंद्र बड़ाइक ने संयुक्त रूप से किया। सिटकाडीह से डोमनडीह श्मशानघाट तक 600 मीटर इस पथ का निर्माण कार्य विधायक मद की राशि से किया जाना है। अपने संबोधन में जयपाल सिंह ने कहा कि सड़क विकास की प्राथमिक जरूरत होती है। लोगों को आवागमन की जितनी सुविधाएं मिलेंगी, विकास की रफ्तार उतनी ही तेज होगी। सड़क बन जाने पर सिटकाडीह, डोमनडीह, मइसुडीह, पाटका लोवादाग आदि गांवों के ग्रामीणों के आवागमन की कठिनाई दूर होगी। वहीं, वीणा चौधरी ने कहा कि विधायक मद से क्षेत्र में कई विकास के कार्यक्रम संचालित हैं। शिक्षा, सड़क, पेयजल व खेल को बढ़ावा के लिए क्षेत्र में प्रथमिकता के तहत कार्य हो रहे हैं। कार्यक्र का संचालन जितेन्द्र बड़ाइक व धन्यवाद ज्ञापन गौतम कृष्ण साहू ने किया। मौके पर मुखिया लाल सिंह मुंडा, उप मुखिया मुरली धर महतो, आत्मा राम प्रवीण, दुर्गेश कुमार सिन्हा, घनेनाथ महतो, निखिल महतो, उमाकांत महतो, जनार्दन महतो, मधुसूदन महतो, सोहराई महतो, घासी राम महतो, सुलेखा देवी, सोनाक्षी देवी, मोहरी देवी, सबिता देवी समेत ग्रामीण उपस्थित थे।

हाथियों ने किसानों की फसलों को नष्ट किया

सोनाहातू (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के गाड़ाडीह और मानकीडीह गांव में हाथीयों के झुंड ने सब्जी और धान की खेती को नुकसान पहुंचाया है। किसान बैद्यनाथ महतो, प्रताप महतो,चैता महतो, रोहिण चंद्र महतो, लालमोहन महतो और मानिक महतो के 10 एकड़ में लगी सब्जी व धान की फसल को हाथियों ने रौंद दिया। उधर, हाथियों द्वारा फसल नष्ट होने की सूचना पर वनपाल दिलीप सिंह मुंडा, मालखान महतो ,महावीर महतो, संजीव महतो, हेमंत महतो गांव पहुंचे और जानकारी ली। साथ ही मुआवजा दिलाने का आश्वासन दिया। ग्रामीणों को फटाखा भी दिया।

राहे में पुलिस ने चलाया वाहन जांच अभियान

राहे (आजाद सिपाही)। ओपी क्षेत्र के सुभाष चौक के समीप रविवार को राहे पुलिस प्रभारी रामरेखा पासवान के नेतृत्व में दुपहिया वाहनों की जांच की गई। इस दौरान हेलमेट नही पहनने वाले 55 बाइक चालकों को दो घंटे तक रोक कर रखा गया। ओपी प्रभारी रामरेखा पासवान ने कहा कि सुरक्षा के दृष्टिकोण से बाइक सवारों के हेलमेट की जांच की गई। जो नहीं पहने थे उन्हें चेतावनी देने के साथ ही ओपी परिसर लाकर हेलमेट पहनने की शपथ दिलाई गई।। वाहन जांच अभियान में एसआई आशीष सोनल कुजूर और एएसआई राज कपूर सहित सैप के जवान शामिल थे।

झारखंड स्थापना दिवस पर निर्माता सुरेंद्र पातर ने रिलीज किया 'झारखंड कर शहीद मन' का वीडियो

तमाड़ (आजाद सिपाही)। आरपी टैलेंट यूट्यूब चैनल की ओर से झारखंड स्थापना दिवस पर निमार्ता सुरेंद्र पातर द्वारा **झारखंड कर शहीद मन** वीडियो एल्बम रिलीज किया गया है। खासकर एल्बम झारखंड के वीर शहीदों के ऊपर बनाया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य अपने झारखंड की माटी, संस्कृति, मान-सम्मान, पहचान और नई पीढ़ी को जागरूक करना है। इस एल्बम की खासियत यह है कि इसे 15 वर्ष की आकांक्षा प्रियम चारू द्वारा निर्देशन किया है। इसके मुख्य अभिनेता राकेश पातर एवं सुलोचना पातर है। फिल्मांकन एवं एडिटर दिवाकर स्वांसी द्वारा किया गया है।

दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर आज से

तमाड़ (आजाद सिपाही)। सीपीआईएम बुंडू, तमाड़ एवंअड़की प्रखंड के सभी पीएम, सीएम और एजी सदस्यों का दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर सोमवार से डोरेया तमाड़ मैरेज हाल में शुरू होने जा रहा है, जो 15 नवंबर को समाप्त होगा। इसमें तमाड़ विधानसभा के सभी सदस्यों को बुलाया गया है। इसकी जानकारी राज्य कमेटी सदस्य सुरेश मुंडा ने दी।

सरकारी राशन दुकान से कम राशन दिये जाने की शिकायत पर जांच करने पहुंचे बुंडू एसडीओ

तमाड़ (आजाद सिपाही)। प्रखंड के चायाडीह गाव में जागृति महिला सवंग सहायता समुह की ओर से सरकारी राशन का वितरण किया जाता है। गामीणों ने इसकी शिकायत बुंडू एसडीओ से की थी। इसी आलोक में एसडीओ जांच करने गांव गये और शिकायत को सही पाया। उन्होंने रेवती देवी व मंगल नट के चावल की जांच की तो पाया कि तीन किलो और पांच किलो चावल कम है। जुलाई अगस्त का आबंटन हुआ था लेकिन बांटा नहीं गया था। दुकान भी महीने में पांच-सात दिन ही खुलता है। एसडीओ ने गामीणो से भी पूछताछ की। साथ ही किरासन तेल के दाम अधिक लिए जाने की शिकायत मिली। यहां 290 कार्डधारी हैं।

उपकारा में 600 से अधिक कैदियों को कराया गया सूचना कार्ड उपलब्ध

संविधान सर्वोपरि ग्रंथ और राष्ट्र से बड़ा कोई धर्म नहीं : डालसा सचिव

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। नालसा दिल्ली एवं झालसा रांची के निर्देश और प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह डालसा अध्यक्ष सत्य प्रकाश के मार्गदर्शन में कानूनी जागरूकता और हक हमारा भी तो है अभियान के तहत रविवार को साप्ताहिक हाट हुटार और उप कारा खूंटी में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जिस। नालसा द्वारा संचालित दो सप्ताह के इस अभियान का समापन रविवार को हुआ। हुटार बाजार में आयोजित कार्यक्रम में डालसा सचिव मनोरंजन कुमार ने लोगों को संविधान में वर्णित मूल अधिकार एवं मूल कर्तव्य के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने

लोगों को जागरूक करते डालसा सचिव व अन्य।

कहा कि संविधान सर्वोपरि ग्रंथ है और राष्ट्र से बड़ा कोई धर्म नहीं। इसी सिद्धांत पर हमें चलना चाहिए। डालसा सचिव ने सरकार द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी हासिल कर अपना हक प्राप्त करने के लिए लोगों को प्रेरित किया। बताया कि राष्ट्रीय कानूनी सहायता अधिनियम की धारा 12 के तहत अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, महिला, गरीब, पीड़ित और वरिष्ठ नागरिकों को योजनाओं का लाभ दिया जाता है। सालाना एक लाख से कम आय वाले लोगों को निःशुल्क न्याय मिलता है। इन्हें किसी प्रकार की कानूनी खर्च नहीं करना पड़ता है। उन्होंने लोगों से अपने हक के लिए आगे बढ़ने और जागरूक होने की अपील की। दूसरी ओर उप कारा में आयोजित कार्यक्रम में 600 से अधिक वैसे कैदियों को सूचना कार्ड उपलब्ध कराया गया, जिनका न्यायालय में मामला लंबित है। साथ ही वैसे कैदी जो अधिवक्ता रखने में सक्षम नहीं थे, उन्हें डालसा की ओर से सरकारी अधिवक्ता उपलब्ध कराया गया। । कार्यक्रम में अधिवक्ता मिलन कुमार दास, अनिवा तिर्की पीएलवी हलधर कुमार, ज्योति भेंगरा, लक्ष्मी कुमारी, कुशल मुंडा, देवराज कुमार भगत, निर्मला देवी आदि मौजूद थे।

सिल्ली में प्रतिभावान खिलाड़ियों की कोई कमी नहीं : सुदेश महतो

आजाद सिपाही संवाददाता

सिल्ली। सिल्ली स्टेडियम परिसर में रविवार को एक दिवसीय रॉकिट बॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें झारखंड व बंगाल के कुल छह टीमों ने हिस्सा लिया। फाइनल में बंगाल का डिबीटीकार महाबीर क्लब झारखंड ए टीम को हरा कर विजेता बना। विजेता टीम को सिल्ली विधायक सुदेश कुमार महतो ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि खेल के क्षेत्र में सिल्ली में प्रतिभावान खिलाड़ियों की कोई कमी नहीं है। मेरा हमेशा से प्रयास रहा है कि अच्छा प्लेटफॉर्म देकर ग्रामीण परिवेश के खिलाड़ियों की प्रतिभा को आगे बढ़ाया जाए। इससे पूर्व खेल का उद्घाटन सिल्ली प्रमुख जितेंद्र बड़ाईक , मुरी ओपी प्रभारी बबलू कुमार और पूर्व जिला परिषद सदस्य गौतम कृष्णा साहू ने संयुक्त रूप से रॉकेट बॉल खेलकर किया। इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय तीरंदाजी कोच प्रकाश राम शिशिर महतो, झारखंड रॉकिट बॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष महेश विश्वकर्मा, सचिव रविंद्र सोनार, कोषाध्यक्ष गोपाल कुशवाहा, कोच चिन्टू मोदक आदि उपस्थित थे।

गौतम यादव अध्यक्ष और सचिव बने रोहित यादव

खलारी (आजाद सिपाही)। झामुमो खलारी प्रखंड अध्यक्ष अनिल पासवान की अध्यक्षता में रविवार को हुटाप पंचायत के मुंडा धौड़ा में बैठक हुई। जिसमें हुटाप पंचायत कमेटी का गठन किया गया। नयी कमेटी में अध्यक्ष गौतम यादव, उपाध्यक्ष शंकर मुंडा, मुकेश यादव, मेराज अंसारी, जगलाल गोप, सचिव रोहित यादव, संयुक्त सचिव विनोद यादव, संगठन सचिव जगदीश तिर्की, कोषाध्यक्ष दशरथ तूरी के अलावा कार्यकारिणी सदस्यों में विमल मुंडा, वीरू यादव, सनोज महतो, गोविंद यादव को षामिल किया गया है। वहीं सभी नवमनोनित पदाधिकारियों का फूल माला पहनाकर बधाई दी गई। प्रखंड के पदाधिकारियों ने कहा कि पार्टी के नीति और सिद्धांतों का पालन करते हुए हुटाप पंचायत के सभी जन समस्याओं का समाधान कराए। ग्रामीणों के लिए तत्पर होकर झारखंड सरकार द्वारा चलायी जा रही योजनाओं का ज्यादा से ज्यादा लाभ दिलवाने का काम करें। बैठक में कुछ नए सदस्यों को भी सदस्यता दिलवाई गई। जिनमें प्रमुख रूप से शिक्षिका अलीशाबा बोदरा, शिक्षक जगदीश तिर्की, सनोज महतो, जब्बार अंसारी, सरस्वती देवी शामिल हैं। बैठक में राजेश प्रसाद, कलाम रिजवी, सचिव महेंद्र चौहान और चितरंजन सिंह आदि मौजूद थे।

तोरपा विधायक ने किया सड़क-सामुदायिक शौचालय का उद्घाटन

खूंटी (आजाद सिपाही)। तोरपा के विधायक कोचे मुंडा ने रविवार को अपने विधायक निधि से प्रसिद्ध बाबा आमरेश्वर धाम परिसर में निर्मित सड़क और तोरपा थाना परिसर में बने सामुदायिक शौचालय का उद्घाटन किया। तोरपा प्रखंड की अंगरा बारी पंचायत में निर्मित सड़क के उद्घाटन समारोह में वयोवृद्ध भाजपा नेता मुनि नाथ मिश्रा सहित कई कार्यकर्ता और ग्रामीण उपस्थित थे, जबकि तोरपा में

आयोजित उद्घाटन समारोह में तोरपा के थाना प्रभारी सत्यजीत कुमार, जिलाध्यक्ष चंद्रशेखर गुप्ता, सांसद प्रतिनिधि संतोष जायसवाल, मंडल अध्यक्ष पुरेंद्र मांझी, दीपक तिग्गा, सुबोध जयसवाल, मयंक जायसवाल सहित काफी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे। इस दौरान विधायक को चामुंडा ने कहा कि उनका प्रयास है कि तोरपा विधानसभा क्षेत्र के लोगों को हर संभव सुविधा मिल सके। उन्होंने कहा कि बाबा अमृतसर धाम परिसर में सड़क निर्माण हो जाने से बाबा के भक्तों के साथ ही आम लोगों को भी काफी सुविधा होगी।

सड़क दुर्घटना में मामा और भांजी की मौत

तोरपा (आजाद सिपाही)। खूंटी सिमडेगा मुख्य पथ के कतारी मोड के पास रविवार को अज्ञात कार की टक्कर से बाइक सवार रिश्ते में मामा-भांजी की मौत होने का मामला प्रकाश में आया है। जबकि इसी हादसे में दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। मरने वालों की पहचान सिलास भेंगरा और व सुष्मिता भेंगरा के रूप में हुई है। सिलास मामा और सुष्मिता रिश्ते में भांजी है। जबकि घायलों की पहचान किरण होरो और नल्या बारला के रूप में हुई है। उधर, घटना की जानकारी पाकर मौके पर पहुंचे तोरपा प्रखंड के उप प्रमुख संतोष कर ने निजी वाहन से चारों को खूंटी सदर अस्पताल पहुंचाया। जहां घायलों का इलाज चल रहा है। बताया गया कि चारों एक ही बाइक पर सवार होकर डोडमा तिरीलपीढी से कर्रा के जलटांडा जा रहे थे। घटना के बाद दुर्घटना के लिए जिम्मेदार कार चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस तलाश में जुटी है।

जामुनदोहर के विस्थापन को लेकर ग्रामीण, प्रबंधन एवं पंचायत प्रतिनिधियों की बैठक

विस्थापन नीति के तहत जामुनदोहर के रैयतों को मिलेगी हर सुविधा : जे. अब्राहम

आजाद सिपाही संवाददाता

खलारी। विश्रामपुर के जामुनदोहर गांव के विस्थापन को लेकर जामुन दोहर में मुखिया दीपमाला कुमारी की अध्यक्षता में बैठक हुई। जिसमें सीसीएल प्रबंधन की ओर से केडीएच परियोजना पदाधिकारी जे अब्राहम, शैलेंद्र प्रसाद, प्रखंड प्रमुख सोनी तिग्गा, मुखिया दीपमाला कुमारी और रैयत विस्थापित मोर्चा की ओर से जालिम सिंह, विनय खलखो, दामोदर गंझू, दशरथ तुरी, प्रभाकर गंझू आदि मौजूद थे। बैठक में जामुन दोहर के ग्रामीणों ने कहा कि केडीएच प्रबंधन उन्हें उचित मुआवजा दे। वे लोग भी सीसीएल को सहयोग करने के लिए हमेशा तैयार है। साथ ही वे विश्रामपुर पंचायत के पंचायत प्रतिनिधियों एवं रैयत विस्थापित मोर्चा के साथ

जामुनदोहर में बैठक में शामिल पंचायत प्रतिनिधि, पीओ एवं ग्रामीण।

मिलकर अपना हक अधिकार की बात प्रबंधन के साथ करेंगे। वहीं केडीएच पीओ जे अब्राहम ने कहा कि जामुन दोहर के लोगो को जो भी विस्थापन नीति के तहत है वो मिलेगा। उन्होंने जल्द से जल्द कागजात जमा करने का आग्रह किया है। वहीं प्रखण्ड प्रमुख सोनी तिग्गा एवं मुखिया दीपमाला कुमारी ने कहा कि विश्रामपुर जेहलीटाड, जामुन दोहर में रैयत विस्थापित को उनका जो उचित नौकरी मुआवजा सहित अन्य जो भी सुविधा है उसे दिलाने के लिए वे हमेशा प्रयासरत हैं। प्रमुख और मुखिया ने कहा कि कुछ लोग विस्थापित को हक दिलाने के नाम पर राजनीतिक रोटी सेकने में जुटे हैं, जबकि पंचायत के दोनों प्रतिनिधि और रैयत विस्थापित एक साथ है और मिलकर विस्थापन की जो समस्या है उसका समाधान कर सकते हैं। वहीं विस्थापित नेता जालिम सिंह एव दामोदर गंझू ने कहा कि मोर्चा रैयत विस्थापित एव विश्रामपुर के पंचायत प्रतिनिधि एक साथ है। विस्थापितों की लड़ाई लड़ने के लिए रैयत विस्थापित एकजुट है। इसलिए कोई भी बाहर से आकर यहां राजनीति करने का प्रयास नही करे। बैठक में गोविंद उरांव, बालजीत गंझू, सोनू गंझू, सिपता गंझू, चन्द्रदीप गंझू, राजेश गंझू, मंगलाल गंझू, मिलु गंझू, रवि तुरी, कर्मा तुरी, गोला गंझू, संजय गंझू लड्डू सिंह, त्रिभुवन गंझु, रुपेश तुरी, मोहित मुंडा, अजय गंझू, डब्ल्यू भुइयां, पूजा देवी, केशरी देवी, मरियम उरांव, गीता देवी, आरती देवी, सधनी देवी आदि रैयत विस्थापित मौजूद थे।

केडीएच डंप से रैयतों को मिल रहा रोजगार

रोड सेल में केडीएच कोल डंप के तहत सभी रैयत विस्थापितों को रोजगार मिल रहा है। यह बात विश्रामपुर के रैयत विस्थापितो ने एक बयान जारी कर कहा है। विश्रामपुर के बड़कीटाड, जेहलीटांड, जामुन दोहर, केकराहीगढ़ा के रैयत विस्थापितों ने कहा कि केडीएच कोल डंप से स्थानीय रैयत विस्थापितों को रोजगार तो मिल ही रहा है साथ ही उनकी रोजी रोटी का साधन है। इसलिए कोई भी इस मामले पर गलत बयानबाजी करता है उसका रैयत विस्थापित पूरी तरह से कड़े शब्दों में निंदा करते हैं और प्रबंधन से मांग करते हैं ऐसे लोग जो विस्थापितों की समस्या की बात का हवाला देकर बरगलाने का काम करते हैं वैसे लोगो से प्रबंधन सचेत रहे।

महत्वपूर्ण न्यूज

16 से हड़ताल पर जायेंगे असंगठित मजदूर, 2015 से बकाया है बोनस

खलारी (आजाद सिपाही)। सीसीएल एनके एरिया के असंगठित मजदूर बोनस व सीएमपीएफ की राशि को लेकर 16 नवंबर से हड़ताल पर जाएंगे। इसकी सफलता को लेकर अरविंद कुमार की अध्यक्षता में रविवार को बैठक हुई। असंगठित मजदूरों का नेतृत्व कर रहे आरसीएमएस के एनके एरिया सचिव अब्दुल्ला अंसारी ने बताया कि आउटसोर्सिंग करने वाली टीसीपीएल और आरकेएस कंपनी में काम कर चुके असंगठित मजदूरों को साल 2015 से बोनस नहीं मिला है। उनके सीएमपीएफ का पैसा भी नहीं मिला है। पूर्व में एनके एरिया प्रबंधन को ज्ञापन भी सौंपा गया था, जिसमें 15 नवंबर तक मजदूरों का बकाया भुगतान करने की बात कही गई थी। पर अभी तक प्रबंधन की ओर से कोई पहल नहीं की गई है। सीसीएल ने अपनी जबावदेही नहीं निभाई तो मजदूरों के आक्रोष का सामना करना पड़ेगा। बैठक में सलामत अंसारी, कृष्णा सिंह, मुबारक अंसारी, विजय सिंह, मनुदिन अंसारी, अबजल अंसारी, नूर मोहम्मद अंसारी, सुरेश चैहान, अरबिंद कुमार, असरफ अंसारी, मिथुन राणा, मुमताज अंसारी, जसीम अंसारी, नीरज तिवारी, वीरेन्द्र चैहन, धर्मेंद्र चौहान, सुनील चौधरी, गणेश नूनिया, इरशाद खान, पप्पू सिंह, परवीन सिंह आदि थे।

पिपरवार प्रबंधन ने चार रैयतों को दिया नियुक्ति पत्र

पिपरवार (आजाद सिपाही)। सीसीएल पिपरवार क्षेत्र के महाप्रबंधक कार्यालय में समारोह आयोजित कर क्षेत्र के विस्थापित प्रभावित ठेठांगी गांव के चार रैयतों को नौकरी के लिए नियुक्ति पत्र सौंपा गया। इसकी अध्यक्षता जीएम सीबी सहाय ने किया। कार्यक्रम में ठेठांगी गांव के रैयत राजेश टाना भगत, दिलीप टाना भगत, सूरजन टाना भगत और सुलेंद्र टाना भगत को उनकी जमीन के बदले नौकरी के लिए नियुक्ति पत्र सौंपा गया। जीएम सीबी सहाय ने कहा कि एक साल पूर्व उक्त रैयतो को चतरा जिला प्रशासन द्वारा वन भूमि का पट्टा प्रदान किया गया था, जिसके बाद सीसीएल मुख्यालय दरभंगा हाउस में प्रक्रिया पूरी होने के बाद रैयतो को नियुक्ति पत्र सौंपा गया है।नियुक्ति पत्र मिलने के बाद अब कोयला खदान विस्तारीकरण के लिए अशोक परियोजना के द्वारा भूमि अधिग्रहण किया जाएगा। इस मौके पर मजदूर नेता बेनीलाल महतो ने भी प्रबंधन और रैयत विस्थापित ग्रामीणो को आपसी और बेहतर तालमेल स्थापित कर काम करने की बात कही। इधर रेयतों ने स्थानीय प्रबंधन के अलावा मजदूर नेता बेनीलाल महतो के प्रति आभार प्रकट किया। इस मौके पर अशोक परियोजना पदाधिकारी संजय कुमार, मजदूर नेता बेनीलाल महतो, कार्मिक प्रबंधक राजीव वर्मा, किशन अवस्थी, टिकेश्वर महतो आदि थे।

शैलेश कुमार बने सीटू के राज्य सचिव

खलारी (आजाद सिपाही)। खलारी डकरा निवासी शैलेश कुमार को सीटू का झारखंड राज्य का सचिव बनाया गया है। शैलेश कुमार को जमेशदपुर में सीटू के झारखंड राज्य स्तरीय सम्मेलन में राज्य कमेटी का गठन किया गया है। जिसमें शैलेश कुमार का सचिव पद के लिए चुनाव किया गया। शैलेश वर्तमान में सीटू से संबंधित एनसीओइए के एनके एरिया सचिव है। सीटू के राज्य सचिव बनने पर एनके पिपरवार के सीटू पदाधिकारियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी है। इसमें शैलेंद्र कुमार सिंह, जीके साहू, उदय कुमार सिंह, गणेश, रामशंकर मिश्रा, गोपाल यादव आदि शामिल है।

रोहिणी से रोड सेल कोयले का उठाव लिफ्टरों ने किया बंद

खलारी (आजाद सिपाही)। डेस्टिनेशन नहीं लिखने के कारण रोहिणी परियोजना से डीओ होल्डर और लिफ्टरों ने कोयला का उठाव बंद कर दिया है। कोयले का उठाव बंद करने के बाद लिफ्टरों ने काटा घर के सामने प्रदर्शन भी किया। डीओ होल्डर और लिफ्टरों ने बताया की रोहिणी परियोजना में सेल का कोयला खरीदा गया है। गाड़ी लोड होने के बाद कोयले के साथ डीएमओ और डीएफओ का पेपर निर्गत किया जाता है। उस पेपर में गंतव्य स्थान का नाम अंकित नहीं किया जा रहा है और मात्र तीन घंटे का ही समय दिया जा रहा है। जिसके कारण कोयला लदे ट्रक को पुलिस एवं वन विभाग द्वारा पकड़ कर कार्रवाई की जा रही है। इसको लेकर रोहिणी प्रबंधन को दोनों ही पेपर में गंतव्य स्थान अंकित करने और स्थान के तहत समय अवधि तय करने का आवेदन दिया गया था। इसके बावजूद भी समस्या का समाधान नहीं हुआ। जिसके कारण कोयले का उठाव पूरी तरह से बंद कर दिया गया है। जबकि एनके एरिया के अन्य परियोजनाओं में डीएमओ और डीएफओ के पेपर पर गंतव्य स्थान और उसके अनुरूप समय अवधि अंकित किया जा रहा है। रोहिणी प्रबंधन की मनमानी के कारण यह समस्या उत्पन्न हुई है। जब तक समस्या का समाधान नहीं होगा तब तक रोड सेल का कोयले का उठाव पूरी तरह से बंद रहेगा। कोयला उठाव बंद होने की सूचना पर ट्रक ओनर एसोसिएशन के अध्यक्ष तनवीर आलम भी रोहिणी पहुंचे और लिफ्टरों की समस्याओं की जानकारी ली। तनवीर आलम ने भी प्रबंधन से जल्द से जल्द समस्या के निराकरण की मांग की है। इस मौके पर लिफ्टर जुबेर, कृष्णा, विकास, प्रदीप, सुनील, शमीम, दीपक, सजाद, सुनील गांजा, सोनू, गुड्डु, रवि, सुजीत, शहबाज खान, रवि, कुस्तक, खुशदिल, अरशद, शकील, हैवी समेत कई लिफ्टर मौजूद थे।

बुकबुका में जरूरतमंदों के बीच कंबल वितरित

खलारी (आजाद सिपाही)। बुकबुका पंचायत सचिवालय में रविवार को ग्रामीण, वृद्ध एवं जरूरतमंदों के बीच कंबल वितरण किया गया। मुखिया पारसनाथ उरांव, उपमुखिया नीलम मिंज, पंचायत समिति सदस्य धीरज बहादुर, ग्राम प्रधान बंधु पाहन ने सयुंक्त रूप से 14 नंबर वार्ड के गरीब, वृद्ध, असहाय एवं जरूरतमंदों के बीच 150 कंबल बांटा। मुखिया पारसनाथ उरांव ने बढ़ती ठंड से बचाव के लिए लोगों को कंबल उपलब्ध कराया गया है। मौके पर मोनु सिंह, कुलदीप लोहरा, पुश्पा देवी, सोनी कुमारी, बबलू सिंह, सुनील रावत, मिलन कुमारी, राजेन्द्र उरांव, सुनीता देवी, प्रतिमा एक्का, गुलरेज अंसारी आदि उपस्थित थे।

जमसं की रोहिणी एवं पुरनाडीह परियोजना में नुक्कड़ सभा

खलारी (आजाद सिपाही)। जनता मजदूर संघ (जमसं) की ओर से घोषित 15 नवंबर के धरना प्रदर्शन को लेकर रोहिणी और पुरनाडीह परियोजना में रविवार को नुक्कड़ सभा की गई। प्रथम पाली में रोहिणी परियोजना में संजय कुमार की अध्यक्षता और द्वितीय पाली में पुरनाडीह परियोजना में रविंद्र उरांव की अध्यक्षता में नुक्कड़ सभा की गई। केंद्रीय सचिव कमलेश सिंह ने कहा कि कोल इंडिया वेज बोर्ड-11 की मीटिंग नवंबर माह में बुलाकर वेतन समझौता पर बात करे।

27 को रांची में होनेवाले डीलिस्टिंग महारैली को लेकर चलाया गया जनसंपर्क अभियान

धर्म परिवर्तित होकर ईसाई या इस्लाम बन गये लोगों जनजाति की सूची से बाहर करने के लिए लड़ी जा रही अंतिम लड़ाई : मेघा उरांव

आजाद सिपाही संवाददाता

पिस्कानगड़ी। जनजाति सुरक्षा मंच एवं अन्य संगठनों के द्वारा आगामी 27 नवंबर रांची में होने वाले डीलिस्टिंग महारैली को लेकर रविवार को नगड़ी प्रखंड के विभिन्न पंचायत और गांव में जनसंपर्क अभियान चलाया गया। मौके पर मेघा उरांव, पिंकी खोया, सनी टोप्पो, जय मंत्री उरांव, राजू उरांव, संजय उरांव ने जनसंपर्क अभियान चलाकर अधिक से अधिक अपने पारंपरिक वेशभूषा के गाजे-बाजे के साथ महारैली में शामिल होने का आह्वान किया। मौके पर मेघा उरांव ने कहा कि यह लड़ाई मूल जनजाति समाज के हक, अधिकार, उनका अस्तित्व और पहचान के लिए अंतिम और अंतिम शस्त्र के रूप में लड़ाई लड़ी जा रही है, जो स्व. कार्तिक उरांव का अधूरा सपना है जिसे पूरा करना है। जो धर्म परिवर्तित होकर ईसाई या इस्लाम बन गए हैं उन्हें जनजाति की सूची से बाहर करते हुए उनका आरक्षण समाप्त किया जाना है।

बैठक में हिंदूवा उरांव, जीत वाहन उरांव, रोजा उरांव, विनीत कुमार भगत, महादेव उरांव, रतन महली, मादी उरांव, अनीता मुंडा, लुथरु उराव, मांसा उरांव, सुशीला उरांव, कंचन पहान, चारों तिर्की, अंजलि खलखो, शंकर उरांव एवं अन्य लोग शामिल थे।

बुढ़मू में पूर्व जिला परिषद सदस्य की पहल पर खराब ट्रांसफॉर्मर को बदला गया

बुढ़मू (आजाद सिपाही)। विगत एक सप्ताह से खराब ट्रांसफॉर्मर को रविवार को बदला गया। पूर्व जिला परिषद सदस्य पार्वती देवी के सहयोग से उक्त कार्य संभव हो पाया व बिजली पुनः बहाल होने की खुशी ग्रामीणों में देखते बन रही थी। ग्रामीणों ने पार्वती देवी के प्रति आभार व्यक्त किया है। ट्रांसफॉर्मर खराब होने व बिजली नहीं मिलने से ग्रामीणों को कई समस्याओं से जूझना पड़ा था। खासकर कृषि कार्य कर पाने में ग्रामीण असमर्थ थे। जिससे किसानों की फसलें सुख रही थीं। वहीं घरों में लगे सिटेक्स भी सुख चुके थे। बिजली के अभाव में तरह तरह की समस्याओं से ग्रामीण जूझ रहे थे। जिसकी जानकारी पार्वती देवी को दी गई, जिसपर पार्वती देवी ने तत्काल उच्चाधिकारियों से बात कर ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराने को कहा जो शनिवार को उपलब्ध कराया गया। ट्रांसफार्मर को शनिवार शाम को ही चढ़ा दिया गया जो कि 24 घंटे चार्ज करने के बाद बिजली दी गयी। अब ग्रामीणों को बिजली की समस्या से राहत मिली है। मौके पर उपप्रमुख हरदेव साहू, कुंवर महतो, चंद्रकांत साहू, पूर्व मुखिया गोवर्धन लोहरा, रेयाजुल अंसारी, राजेंद्र साहू, दीपक उरांव सहित दर्जनों ग्रामीण उपस्थित थे।

नरकोपी के टिरिंगटोला गांव में सांसद के प्रयास से लगा नया ट्रांसफॉर्मर

बेड़ो (आजाद सिपाही)। प्रखंड के नरकोपी के टिरिंगटोला गांव में बिजली की समस्या को लेकर ग्रामीणों ने सूचना सांसद सुदर्शन भगत को लिखित तौर पर दिया था। जिसके बाद गांव में नए 25 केवीए का ट्रांसफॉर्मर शुक्रवार को गांव में लग गया। गांव में ट्रांसफार्मर के लगने से ग्रामीणों ने सासद, प्रतिनिधि व विद्युत विभाग सतीश कुमार शाह का धन्यवाद किया। मौके पर नरकोपी मंडल के अध्यक्ष सुखदेव कच्छप एवं मुखिया प्रतिनिधि कुलदीप उरांव ने संयुक्त रूप से फीता काटकर नए ट्रांसफार्मर का उद्घाटन किया। उद्घाटन के दौरान कुमोद कुमार वर्मा, सांसद प्रतिनिधि स्वास्थ्य विभाग राजेश साहू, महामंत्री महावीर साहू, महामंत्री तरुण सिंह, युवा मोर्चा उपाध्यक्ष जितेंद्र शाय, अचरज उरांव, कयूम अंसारी, बेलाल अंसारी, विनय उरांव, नारो उरांव, अल्ताफ अंसारी, नवीन उरांव, जितिया उरांव, समेत सोमनाथ उरांव इत्यादि कार्यकर्ता व ग्रामीण मौजूद थे।

ग्रामीण एसपी नौशाद आलम ने बेड़ो थाना प्रभारी को किया सम्मानित

बेड़ो (आजाद सिपाही)। रांची के ग्रामीण एसपी नौशाद आलम ने बेड़ो थाना प्रभारी मनीष कुमार गुप्ता के उत्कृष्ट कार्य को लेकर शनिवार को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। पूर्व में बेड़ो थाना प्रभारी मनीष कुमार गुप्ता के नेतृत्व में कई ऐसे अपराध की योजनाओं की तैयारी कर रहे अपराधियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। इसके अलावा चोरी समेत लूटपाट के कांडों में सम्मिलित अपराधियों को भी गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। वहीं क्षेत्र में शांति व्यवस्था माहौल कायम रखने को लेकर ग्रामीण एसपी नौशाद आलम के द्वारा सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम : बुढ़मू अंजुमन कमेटी का त्रिवार्षिक चुनाव संपन्न

शमीम बड़ेहार सदर और तस्लीम सेक्रेटरी मनोनीत

सजीबुल चुने गये उप सचिव
1283 लोगों ने किया मतदान
सदर के 22, सेक्रेटरी के 22 व उप सचिव के 23 मतदान किये गये रद्द

आजाद सिपाही संवाददाता

रातू। बुढ़मू प्रखंड अंजुमन कमेटी की त्रिवार्षिक चुनाव रविवार को संपन्न हो गया। चुनाव में कुल सात प्रत्याशियों ने सदर, सेक्रेटरी व उप सचिव पद के लिए नामांकन किया था। रविवार की सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक वोटिंग की प्रक्रिया हुई। अमन ग्रुप वेलफेयर ट्रस्ट की अगुवाई में चुनाव के लिए गठित 18 सदस्यीय चुनाव कमेटी की टीम ने शांतिपूर्ण तरीके से मतदान संपन्न कराया। प्रखंड के मदरसा कसमियां जेयाऊलूम मिल्लत नगर चकमे मतवे में आयोजित मस्जिद कमेटी के 1283 वोटरों ने तीन पद के लिए सात प्रत्याशियों को वोट किया। जिसमें शमीम बड़ेहार ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी इदु खान को 141 मतों से शिकस्त देकर सदर पद पर कब्जा कर लिया। शमीम को 612 व इदु खान को 471 वोट मिले थे।

वहीं सेक्रेटरी पद के लिए तस्लीम अंसारी को 892 वोट मिले। उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी सरफराज अंसारी को 526 वोट से शिकस्त दी। सरफराज को 366 वोट प्राप्त हुए थे। इसके अलावा नुरुल होदा खान 645 मत प्राप्त कर उप सेक्रेटरी बने। नुरुल ने सजीबुल को 33 वोटों के अंतर से पराजित किया। सजीबुल को 612 वोट पड़े थे।

मतगणना के बीच सदर के 22, सेक्रेटरी के लिये 22 व उप सचिव में 23 मतदान रद्द किये गये। चुनाव निर्वाचन के पदाधिकारियों ने रात 8 बजे पदधारियों की विधिवत घोषणा की और उन्हें प्रमाण पत्र सौंपा। पुराने पदधारियों ने नयी कमेटी का स्वागत किया और जीत की बधाई देते हुए समाज की बेहतरी के लिए कार्य करने की बात कही। जीत की खुशी में समर्थकों ने पदधारियों को फूल-मालाओं से लाद दिया।

इन्होंने निभायी भूमिका

चुनाव संपन्न कराने में नौशाद अशरफ, शमीम अंसारी, सलमान खुर्शीद, उमर फारूख, इनामुल अंसारी, नुरुल हुदा, सरवर आलम, रफीक अंसारी, नसरुद्दीन अंसारी, खलील अंसारी, अमजद रजा के अलावा अन्य लोग शामिल थे। कार्यक्रम का संचालन अमन ग्रुप के सचिव अमन राज ने किया

खीस्त राजा राजाओं का राजा है : फादर ब्रिसीयूस मिंज

मसीहियों ने खीस्त राजा पर्व के अवसर पर भव्य शोभायात्रा यात्रा और झांकी निकाली

आजाद सिपाही संवाददाता

बेड़ो। प्रखंड के दिघिया गांव स्थित रोमन कैथलिक चर्च परिसर से रविवार को मसीहियों ने खीस्त राजा पर्व के अवसर पर भव्य शोभायात्रा यात्रा व झांकी निकाली। खीस्त राजा शोभायात्रा में बतौर मुख्य अनुष्ठानकर्ता फादर भिमसेंट मिंज थे। फादर ब्रिसीयूस मिंज अपने संबोधन में कहा कि राज राजेश्वर हमारा येसु शांति प्रिय न्यायकर्ता हैं। वहीं खीस्त राजा राजाओ का राजा है। इसका राज कभी समाप्त नहीं होगा। येसु का राज समर्पित राज है। हम लोग इसी राजा ईश्वर की चुनी ही प्रजा है। जहां मसीह की ज्योति से पूरा विश्व दिव्यमान व प्रकाशमय है। हमें अन्याय, शोषण के विरुद्ध प्रेम शांति व भाईचारा का बीज बोना चाहिए।

वहीं शोभायात्रा में शामिल मसीहियों ने अपनी पारम्परिक वेशभूषा, ढोल, नगाड़े, गाजे बाजे झंडा बैनर के साथ कुल 32 युनिट के मसिहीयों ने झांकी निकली। मौके पर फादर अजय मिंज, माता प्रर्बला केरकेट्टा, सिस्टर प्रतिमा लकड़ा, सिस्टर दिव्या, सिस्टर निलिमा, सिस्टर मागरिट, दिलीप कुजूर, देवनिश तिग्गा, किशोर भूषण तिर्की व रवि मिंज सहित कई लोग मौजूद थे। भजन व गायन के गायक मंडली ग्राम करांजी व दिघीया द्वारा भजन प्रस्तुत किया। समारोह में उद्घोषणा पल्ली के अध्यक्ष देवनिश तिग्गा व जूलिया ने किया।

लूट का फरार अभियुक्त गिरफ्तार

मांडर (आजाद सिपाही)। मांडर पुलिस ने लूट के मामले के फरार अभियुक्त सुजीत कच्छप को गिरफ्तार कर शनिवार को जेल भेज दिया है। वह नगड़ी थाना क्षेत्र के भंडराटोली का रहने वाला है। घटना मांडर थाना स्थित डीएवी स्कूल समीप 28.05.2021 शाम को साजिद अंसारी दुमदुमिया टोंगरी निवासी के साथ घटी थी। इस घटना को लेकर मांडर दुमदुमिया टोंगरी निवासी साजिद अंसारी ने थाना में लिखित शिकायत किया था। मांडर थाना प्रभारी विनय कुमार यादव के अथक प्रयास से अपराधी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। वहीं दूसरा अभियुक्त भंडारा टोली निवासी राहुल कच्छप ने पुलिस का दबाव में शुक्रवार को न्यायालय में आत्म समर्पण कर दिया।

शिविर में तत्काल कई आवेदनों का हुआ निष्पादन

नामकुम तेतरी टोली स्थित हंसराज वाधवा उच्च विद्यालय में सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

नामकुम। पुरुलिया रोड नामकुम तेतरी टोली स्थित हंसराज वाधवा उच्च विद्यालय में रविवार को आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यकम का आयोजन हुआ। इसमें मुख्य रूप से वार्ड 47 की पार्षद कविता सांगा उपस्थित थीं। उन्होंने कार्यकम को संबोधित करते हुए बताया कि ग्रामीणों की सुविधा के लिये सभी विभागों का स्टाल इस कैंप में लगाया गया है। अपनी जरूरत की सुविधाएं इसी कैंप से प्राप्त कर सकते हैं। कार्यक्रम में विभिन्न प्रकार के स्टाल लगाया गया। जिसमें ईश्रम पोर्टल, आपूर्ति विभाग सामाजिक सुरक्षा विभाग, प्रधानमंत्री आवास योजना, राजस्व विभाग, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, बिजली विभाग, बाल विकास परियोजना, पेंशन योजना आदि के स्टाल लगाये गये थे। इस दौरान आम जनता की विभिन्न समस्याओं के संदर्भ में शिकायत एवं आवेदन लिया गया एवं कई समस्याओं का तत्काल समाधान किया। साथ ही कई लाभुकों के बीच कंबल का वितरण किया गया। मौके पर पूर्व पार्षद किरण सांगा, बादल सांगा, जयराम ठाकुर, नेहाल ठाकुर, संजय ठाकुर, राज मुंडा, अजय कुमार, जायसवाल के साथ नगर निगम के अधिकारी उपस्थित थे।

महायज्ञ : कलश यात्रा के साथ महासिद्धि शक्ति पीठ में नौ दिवसीय सतचंडी महायज्ञ का शुभारंभ

धार्मिक अनुष्ठान से भक्ति भावना का जागरण होता है : विरेंद्र सिंह भोगता

21 नवंबर को यज्ञ की पूर्णाहूति, कन्या पूजन एवं भंडारा के साथ होगा अनुष्ठान संपन्न

आजाद सिपाही संवाददाता

अनगड़ा। प्रखंड के महासिद्धि शक्ति पीठ खक्सीगढ़ा बाहेया अनगड़ा में रविवार को कलश यात्रा के साथ नौ दिवसीय श्री श्री 108 सतचंडी महायज्ञ का शुभारंभ किया गया। कलश यात्रा में 151 महिलाएं एवं कन्याएं शामिल हुईं। इससे पहले यात्रा का शुभारंभ खिजरी के पूर्व विधायक रामकुमार पाहन ने कलश सौंपकर किया। वहीं मां दुर्गा मंदिर के प्रवेश द्वार का उद्घाटन आजसू के वरीय जिला उपाध्यक्ष विरेन्द्र सिंह भोगता ने फीता काटकर किया। महासिद्धि शक्ति पीठ के संरक्षक लक्ष्मण भक्त (बाबा) के सान्निध्य में यज्ञ आचार्य हीरालाल पाण्डेय एवं ब्रहमा विपीन बिहारी पाण्डेय सहित अन्य पुरोहितों द्वारा पूजा अर्चना कर पूरे विधि विधान से यज्ञ स्थल के पास कलश की स्थापना की गई। मुख्य यजमान लक्ष्मण भक्त बाबा सपत्नीक यज्ञ अनुष्ठान कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। नौ दिवसीय महायज्ञ अनुष्ठान कार्यक्रम के दौरान पंचांग पूजन, मंडप प्रवेश, देवी पूजन, अग्नि प्राकटय, दुर्गा सरस्वती पाठ आदि प्रारंभ होगा। अंतिम दिन यानि 21 नवंबर को यज्ञ की पूणार्हुति, कन्या पूजन व भंडारा के साथ अनुष्ठान संपन्न होगा। इस अवसर पर विरेन्द्र सिंह भोगता ने कहा कि इस तरह के धार्मिक अनुष्ठान होने से क्षेत्र में भक्ति भावना का जागरण होता है साथ ही लोगों में सद्बुद्धि व सत्य विचार आता है।

मौके पर शक्ति पीठ के मुख्य संयोजक अजय कुमार महतो, समिति के झब्बुलाल महतो, राजेश महतो, राजेन्द्र महतो, अजय केशरी, विनोद केशरी, संजय महतो, अजय भोगता, झल्लु महतो, नरेश महतो, किशुन महतो, थॉमस उरांव, छक्कन महतो, दीपक महतो, सायनाथ महतो, शंभु भोगता, पंडित विजय पाण्डेय, अजय पाण्डेय, ऋषि पाण्डेय, उदय पाण्डेय, लक्ष्मी पाण्डेय, बजरंगी पाण्डेय, पवन पाण्डेय आदि उपस्थित थे।

महत्वपूर्ण न्यूज

खिजरी विधायक के स्वागत में समर्थकों ने निकाली बाइक रैली

नामकुम (आजाद सिपाही)। खिजरी विधायक राजेश कच्छप के रांची आगमन पर रविवार को कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने बाइक रैली निकाल कर खुशी जाहिर की। बाइक रैली विधायक के सरकारी आवास ई 93 सेक्टर 2 से जगरनाथपुर मंदिर, जेपी मार्केट, धुर्वा बस स्टैंड, बिरसा चौक, हिनू चौक, डोरंडा रिसलदार बाबा मजार, नामकुम सदाबहार चौक बजरंगबली एवं दुर्गा मंदिर, नामकुम बाजार बजरंगबली मंदिर, सिदरौल जोड़ा मंदिर, राजाउलातु चर्च, चेने मड़ई में माथा टेकते हुये विधायक के पैतृक आवास लुपुंग टोली तक गाजा बाजा के साथ निकाली गयी। इस मौके पर खिजरी विधायक राजेश कच्छप, विधायक प्रतिनिधि सतीश पंडा, शंकर गोप, पूर्व मुखिया रामपुर महादेव मुंडा, पूर्व मुखिया आरा विजय टोप्पो, अशोक मिश्रा, तुलसी खरवार, प्रेमनाथ मुंडा, राजेंद्र मुंडा, रंजीत बड़ाईक, रंजन मुंडा, एतवा उरांव, रमेश चंद्र उरांव, असफाक आलम, संजय सरीया, रंजन यादव, सफी उला अंसारी, सुरेश साहू, शिवदास गोस्वामी, राजदीप कच्छप, पंचू तिर्की, दिनेश चंद्र प्रमाणिक, डब्लू प्रजापति, जोन एक्का, अरुण गोप, दिलीप रजक, मुरलीधर, बिमल, चमन रजक, अनिल बैघ के साथ हजारों की संख्या में कांग्रेसी कार्यकर्ता शामिल थे।

जनसेवा और क्षेत्र का समुचित विकास ही हमारी पहली प्राथमिकता : विधायक

चान्हो (आजाद सिपाही)। चान्हो प्रखंड अंतर्गत विभिन्न गांवों में विधायक मद से पी.सी.सी. पथ व अखाड़ा का शिलान्यास मांडर विधायक शिल्पी नेहा तिर्की ने किया। इस दौरान विधायक ने ग्रामीणों से मिलकर उनकी समस्याओं को सुना और सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विकास में वह कोई कोताही नहीं बरतेंगी। प्राथमिकता के आधार पर पूरे विधानसभा क्षेत्र में विकास किया जाएगा। जनसेवा और क्षेत्र का समुचित विकास ही हमारी पहली प्राथमिकता है। मौके पर प्रखंड अध्यक्ष, विधायक प्रतिनिधि, कार्यकर्ता समेत अन्य ग्रामीण उपस्थित रहे।

पिठोरिया में कांके पतराटोली निवासी आजाद अंसारी की चाकू मार कर हत्या

पिठोरिया (आजाद सिपाही)। पिठोरिया थाना क्षेत्र के ओयना गांव में पूर्वाह्न 10 बजे कांके पतराटोली निवासी आजाद अंसारी (40) की हत्या चाकू मारकर कर दी गयी। जानकारी के अनुसार आजाद अंसारी बाउंड्रीवाल करवाने के लिए ओयना गांव पहुंचा था। इसी दौरान ओयना के आबाद अंसारी से बाउंड्री वर्क करवाने को लेकर विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर गुस्से में आये आबाद अंसारी ने चाकू निकालकर आजाद अंसारी की छाती पर प्रहार कर दिया। चाकू से घायल आजाद अंसारी गिर पड़ा। उसे इलाज के लिए तत्काल मेदांता अस्पताल ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित किया। घटना की सूचना मिलते ही पिठोरिया थाना की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और मामले की जांच करने में जुटी है। वहीं आरोपी आबाद अंसारी की गिरफ्तारी के लिए संभावित स्थलों पर छापेमारी की जा रही है।

103 वर्षीय वृद्धा सुमित्रा देवी का निधन

कांके (आजाद सिपाही)। मांडर सेवाडीह गांव के प्रसिद्ध किसान साधु चरण साहू की वृद्ध माता 103 वर्षीय सुमित्रा देवी पति स्व. मथुरा प्रसाद साहू का निधन 12 नवंबर को अहले सुबह हो गया। साधु चरण विवेकानंद कल्याण केंद्र सेवाड़ीह मांडर के पूर्व सचिव व पर्यावरण प्रेमी, बिरसा किसान पुरस्कार से सम्मानित क्षेत्र के जाने-माने किसान हैं। सुमित्रा देवी का अंतिम संस्कार चुन्द गांव के श्मशान घाट में किया गया। मुखाग्नि उनके पुत्र साधु चरण ने दी। वह अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़ गई हैं। उनके निधन पर पंचायत के मुखिया सरपंच सहित कई गणमान्य लोगों ने गहरा शोक व्यक्त किया है।

पंखे के हुक से लटकता मिला विवाहिता शव, पिता ने लगाया हत्या का आरोप

पिठोरिया (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के कोल्हेया कनादु में विवाहिता का शव रविवार देर शाम घर के कमरे में पंखा के हुक से झूलता मिला। जानकारी के अनुसार सईद अंसारी की बेटी गुलशन परवीन का विवाह गांव के ही तौहीद अंसारी के साथ विगत वर्ष मार्च में हुआ था। मृतका के पिता सईद अंसारी ने पुलिस को दिये बयान में कहा है कि शादी के बाद से लगातार बेटी को पांच लाख रुपये की मांग कर प्रताड़ित किया जा रहा था। पुलिस को दिये बयान में सईद अंसारी ने दामाद और उनके परिवार के अन्य सदस्यों पर हत्या कर शव को कमरे में पंखा लटकाने वाला हुक में दुपट्टे के सहारे लटका दिया, ताकि देखने में आत्महत्या प्रतीत हो।

युवाओं ने इतिहास रच दिया: आनंद शंकर

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू चेंबर ऑफ कॉमर्स इन इंडस्ट्रीज ने देव दीपावली कार्यक्रम के लिए महागंगा आरती समिति के सदस्य विक्रांत सिंघानिया, विनय ओझा, राकेश कुमार, शुभम प्रसाद, रितेश कुमार, समर कुमार, गौरव, राहुल चंद्रा, रितेश कुमार, रोशन तिवारी, आर्यन एवं कई सदस्यों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर चेंबर अध्यक्ष आनंद शंकर ने कहा कि देव दीपावली कर यहां के युवाओं ने इतिहास रच दिया और मेदिनीनगर को गौरवांवित होने का मौका दिया है। पूरा चेंबर परिवार इसके लिए चेंबर एक्सक्यूटिव सदस्य विक्रम सिंघानिया एवं साथियों को कोटि-कोटि बधाई देता है।

महापौर किसी के दबाव में आनेवाली नहीं : चेंबर

50 नये युवा उद्यमियों को दी गयी सदस्यता

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की एक्सक्यूटिव बैठक चेंबर अध्यक्ष आनंद शंकर के अध्यक्षता में की गई। आज की विशेष बैठक में निर्णय लिया गया की सभी व्यवसायियों को खासमहाल नवीनीकरण का दर दोगुना हो जाने के कारण नवीनीकरण कराना असंभव हो गया है। इस लिए एक बैठक पलामू सांसद वीडी राम एवं स्थानीय विधायक आलोक चौरसिया तथा महापौर अरुणा शंकर के साथ रखी जाये फिर सबों के सहमति से उच्च न्यायालय में याचिका दाखिल की जायेगी। सभी सदस्यों ने महापौर अरुणा शंकर की तारीफ करते हुए कहा की महापौर ने प्रशासनिक दबाव के बाद भी जनहित में नवीनीकरण के लिये दर बढ़ोतरी के दस्तावेज में हस्ताक्षर नहीं कर साबित कर दिया है कि महापौर किसी के दबाव में आने वाली नहीं हैं। आज की बैठक में 142 लोगों का सदस्यता के लिये आवेदन प्राप्त हुआ। जिसमें 50 लोगों को सदस्यता दी गई तथा बाकी लोगों की सदस्यता अगली बैठक में देने की सहमति बनी।

इन लोगों को दी सदस्यता

आज जिन लोगों को सदस्यता दी गई। उसमें नवीन पांडे, सुमित पाठक, शैलेश मिश्रा, संजीव कुमार मिश्रा, जितेंद्र पासवान, नागेंद्र शुक्ला, पंकज पांडे, अभिनव कुमार, सुधीर कुमार तिवारी, ऋषिकेश दुबे, अमित श्रीवास्तव, अनंतु भगत, संजय कुमार, अमित सुरेखा, रामनाथ शाह ,नीरज श्रीवास्तव, राहुल मिश्रा, जितेंद्र कुमार, विपुल भूषण, पंकज सिंह, जवाहर प्रसाद अग्रवाल ,बृजेश पांडे, संजय कुमार अग्रवाल,पवन सिंह, राजेश कुमार राय, शिवम कुमार, नितेश अग्रवाल, अभय कुमार, प्रिंस कुमार, महेंद्र कुमार अग्रवाल, रविंद्र कुमार अग्रवाल, विजय अग्रवाल किराना, किशन अग्रवाल एवं अन्य लोगों को सदस्यता दी गई। कार्यक्रम का संचालन कृष्णा अग्रवाल ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन रंजीत मिश्रा ने किया।

सुवरदह नदी पर होगा साढ़े तीन करोड़ की लागत से पुल निर्माण

अनुसंशा के आलोक में ग्रामीण विकास विभाग ने पुल निर्माण कार्य की निविदा निकाल दी है।

आजाद सिपाही संवाददाता

हुसैनाबाद। हुसैनाबाद हरिहरगंज के विधायक कमलेश कुमार सिंह की अनुसंशा पर हुसैनाबाद प्रखंड के झरगड़ा उतरी में सुवर दह नदी पर पुल निर्माण कार्य की निविदा निकाल दी गई है। विधायक कमलेश कुमार सिंह ने जानकारी देते हुए बताया की दौरे के क्रम में ग्रामीणों ने पुल की मांग की थी। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों की मांग पर उन्होंने ग्रामीण विकास विभाग को पुल निर्माण कराने की अनुसंशा की थी। अनुसंशा के आलोक में ग्रामीण विकास विभाग द्वारा पुल निर्माण कार्य की निविदा निकाल दी गई है। उन्होंने कहा कि पुल निर्माण हो जाने से बड़ी आबादी को आवा गमन में काफी सहूलियत होगी। विधायक ने बताया कि ग्रामीणों को मांग पर क्षेत्र के अन्य कई स्थानों पर पुल निर्माण की अनुसंशा की गई है। जल्द ही अन्य पुलों के निर्माण के लिए भी निविदा निकाली जायेगी। पुल निर्माण कार्य की निविदा निकलने से ग्रामीणों में खुशी है। लोगों ने विधायक का आभार जताया है।

स्वामी प्रज्ञानंद हॉस्पिटल का हुआ शुभारंभ

नो प्रोफिट नो लॉस पर चलेगा यह अस्पताल: केएन त्रिपाठी

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। जोरकट स्थित स्वामी प्रज्ञानंद मगध सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल का हुआ भव्य शुभारंभ हुआ। डिजिटल एक्सरे, अल्ट्रा साउंड, पैथोलॉजी,हाई टेक आईसी से सुसज्जित हास्पिटल का उद्घाटन पलामू सिविल सर्जन पदाधिकारी एवं अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर किया। झारखंड सरकार के पूर्व मंत्री व अस्पताल के चेयरमैन केएन त्रिपाठी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित होकर कार्यक्रम की अध्यक्षता किया। श्री त्रिपाठी ने कहा कि जब भी कोई दुर्घटना होती है तो पलामू के डॉक्टर उसे रांची रेफर कर देते हैं क्योंकि यहां वो विश्वास नहीं हो पाता कि डॉक्टर यहां उन्हें बचा

पायेंगे। पलामू से रिम्स पहुंचते पहुंचते हजारों अपने साथियों को दम तोड़ते देखा है इसीलिए हम कही से भी आते हैं तो यहां देखने आते हैं कि यहां का प्रोग्रेस कैसा है। श्री त्रिपाठी ने कहा कि यहां के डॉक्टर ये सुनिश्चित करने कि पहल करें कि यही जान बचाने का प्रयास हो। श्री त्रिपाठी ने कहा कि यहाँ के प्रबंधन समिति ये सुनिश्चित करके कि ये अस्पताल न प्रॉफिट न घाटे के मापदंड पे चल रहा जो रांची के बड़े बड़े अस्पताल है जो 20 से 30 हजार प्रतिदिन आईसीयू में देते हैं यहां 5000 में अपना उपचार करा सकेंगे।

मौके पर ये रहे मौजूद

मौके पर कार्यक्रम का संचालन प्रबंधन समिति के सीएस दुबे,समाजसेवी धनंजय त्रिपाठी, इंटक प्रदेश सचिव विवेका त्रिपाठी, अरविंद पासवान, आशीष तिवारी, कौटिल्य द्विवेदी ने किया। मौके पे मुख्य अतिथि सिविल सर्जन डॉ विजय सिंह, गुरु टी रघु,डॉ राजीव रंजन, डॉ आरके सिंह, डॉ सतीश सिंह, डॉ सुधा कुमारी, डीपीएम दीपक गुप्ता, इंटक प्रदेश सचिव मनोज पांडेय, इंटक पलामू जिलाध्यक्ष रामप्रवेश सिंह और हजारों लोग उपस्थित थे।

नारायण सेवा समिति ने गर्म वस्त्रों का किया वितरण

सतबरवा/पलामू (आजाद सिपाही)। सतबरवा प्रखंड के रबदा पंचायत अंतर्गत सलैया के परहिया टोला में रविवार को नारायण सेवा समिति ट्रस्ट सतबरवा के द्वारा गरीब एवं असहाय लोगों के बीच साड़ी धोती समेत कई गर्म वस्त्रों का वितरण किया गया। समिति के अध्यक्ष निर्दोष कुमार ने बताया कि ठंड शुरू हो गई है ऐसे में सुदूरवर्ती क्षेत्रों में बहुत से ऐसे गरीब,असहाय लोग रहते हैं जिन्हें ठंड से बचने के लिए नारायण सेवा समिति के द्वारा गर्म वस्त्र पिछले कई महीनों से उपलब्ध कराया जा रहा है। हम लोग वस्त्र वितरण के अलावा गांव के लोगों को शराब छोड़ने और बच्चों को स्कूल भेजने का भी सलाह देते हैं ताकि गांव के लोग शिक्षित हो सके और गांव का विकास हो सके। उन्होंने कहा कि नर सेवा ही नारायण सेवा है, जितना बन सके गरीबों की मदद करनी चाहिए। मौके पर समिति के नीरज कुमार समेत दर्जनों ग्रामीण उपस्थित थे।

मिशन समृद्धि का रोटी अभियान गरीबों के लिए हो रहा कारगर

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। नहीं थकता, नहीं रुकता, समृद्धि की रोटी अभियान। सही मायने में दोना पत्तल और दातून बेचने वाले निहायत जरूरतमंद हैं। संस्था की अध्यक्षा शीला श्रीवास्तव ने बताया कि इन्हें भोजन और कपड़ा देने में बहुत खुशी मिलती है, क्योंकि ये अभाव में जीवन जीते हुए भी हाथ नहीं पसारते बल्कि कड़ी परिश्रम के बावजूद प्रतिदिन इनकी आय

बहुत ही कम होती है फिर भी मांगना इनके फितरत में नहीं है। यही कारण है कि मिशन समृद्धि संस्था रोटी सब्जी कपड़े जो भी संग्रहीत करती है उनके बीच वितरण कर सुकून पाती है। संस्था शनिवार को दोना पत्तल वालों के अलावे रिक्शाचालकों और दिव्यागों के बीच भी भोजन वितरण किया।रोटी देने वाले परिवारों का अभिनंदन तथा सहयोगियों का आभार।

क्रिकेट को मिला पहला डबल चैंपियन

इंग्लैंड ने पाक को हराकर दूसरी बार टी-20 वर्ल्ड कप जीता, ओडीआइ में भी वर्ल्ड चैंपियन

आजाद सिपाही संवाददाता

मेलबर्न। इंग्लैंड क्रिकेट इतिहास का पहला डबल वर्ल्ड चैंपियन बन गया है। इंग्लैंड टीम ने मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में रविवार को खेले गए फाइनल में पाकिस्तान को 5 विकेट से हराकर दूसरी बार टी-20 वर्ल्ड कप का खिताब जीत लिया है। इंग्लैंड के नाम इस समय वनडे वर्ल्ड कप खिताब भी है। पहली बार किसी टीम के पास एक साथ वनडे और टी-20 दोनों का वर्ल्ड टाइटल हैं। फाइनल में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान की टीम 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 137 रन ही बना सकी। जवाब में इंग्लैंड ने 19 ओवर में 5 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया। इंग्लैंड के लिए सबसे ज्यादा 52 रन नाबाद बेन स्टोक्स ने बनाये। पाकिस्तान के लिए हारिस रउफ ने 2 विकेट लिए। पाकिस्तान के लिए शान मसूद ने सबसे ज्यादा 38 रन की पारी खेली। वहीं, बाबर आजम के बल्ले से 28 बॉल में 32 रन निकले। इंग्लैंड के लिए सबसे ज्यादा 3 विकेट सैम करन ने लिए। आदिल रशीद को 2 सफलता मिली।

दोनों टीमों की प्लेइंग इलेवन

पाकिस्तान: बाबर आजम, मोहम्मद रिजवान, मोहम्मद हारिस, शान मसूद, इफ्तिखार अहमद, शादाब खान, मोहम्मद नवाज, मोहम्मद वसीम जूनियर, शाहीन शाह अफरीदी, नसीम शाह और हारिस रऊफ।

इंग्लैंड: जोस बटलर, एलेक्स हेल्स, फिल सॉल्ट, बेन स्टोक्स, हैरी ब्रूक, लियाम लिविंगस्टोन, मोईन अली, क्रिस वोक्स, सैम करन, क्रिस जॉर्डन और आदिल रशीद।

मतदाता सूची में नाम शामिल करने के लिए चला विशेष अभियान

धनबाद (आजाद सिपाही)। मतदाता सूची में नए वोटरों के नाम जोड़ने, नाम, पता व अन्य गलतियों में सुधार के लिए रविवार को विशेष अियान शुरू किया गया है। पहली जनवरी 2023 को 18 वर्ष की उम्र पूरी करने वाले सभी युवाओं को मतदाता बनने का अवसर दिया जा रहा है। इसके लिए जिलेभर के बूथों पर विशेष अभियान चल रहा है। सभी बूथों में बीएलओ (बूथ लेबल ऑफिसर) मौजूद हैं। बीएलओ के पास मतदाता सूची में नाम जोड़ने, नाम हटाने और नाम, पता या अन्य तरह की गलतियों में सुधार के लिए अलग-अलग फॉर्म हैं। एक बूथ से नाम दूसरे बूथ में शिफ्ट करने के लिए भी फॉर्म की व्यवस्था है। इसके साथ-साथ ऑन लाइन आवेदन भी दिया जा सकता है। विशेष अभियान अगले तीन रविवार को भी जारी रहेगा।

10 अक्टूबर को बरोरा के गणेशपुर मंदरा स्थित बंद डेको आउटसोसिंग के समीप की गयी थी गोलीबरी

गोलीबारी कांड में दो युवक गिरफ्तार, पिस्तौल और 12 कारतूस भी हुआ जब्त

आजाद सिपाही संवाददाता

कतरास। बरोरा पुलिस ने पिछले महीने गणेशपुर मंदरा में हुए गोलीबारी कांड में शामिल दो आरोपितों को नवागढ़ से गिरफ्तार किया गया है। उनकी पहचान कन्हाई महतो और भरत महतो के रूप में हुई है। दोनों सगे भाई हैं। उनकी निशानदेही पर जंगल में छिपा कर रखे गए पिस्टल और देशी कट्टा के साथ ही एक दर्जन जिंदा कारतूस भी बरामद किया गया है। जानकारी के मुताबिक उक्त मामले में पुलिस ने पूर्व में तीन आरोपी को जेल भेजा था। बताया जा रहा है कि इनकी गिरफ्तारी के बाद क्षेत्र में तनाव कम होगा। गौरतलब है कि विगत 10 अक्टूबर को बरोरा थाना क्षेत्र के गणेशपुर मंदरा स्थित बंद डेको आउटसोर्सिंग के समीप गोलीबारी की घटना हुई थी। जिसमें इन लोगों को आरोपी बनाया गया था। तभी से दोनों भाई फरार चल रहे थे। शनिवार को पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि दोनों नवागढ़ आए हुए है। इसके बाद पुलिस ने जाल बिछाकर दोनों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने सख्ती से पूछताछ की तो भरत और कन्हाई टूट गए और हथियार छिपाने वाले स्थान की जानकारी दे दी, जिसे पुलि ने बरामद कर लिया। वहीं, छापामारी में बरोरा थाना प्रभारी निरज कुमार, सब इंस्पेक्टर अश्वनी और जवान शामिल थे। पुलिस की मानें तो गोलीकांड में शामिल अन्य नामजद आरोपियों की धर पकड़ के लिए छापामारी जारी है।

थाना परिसर में गिरफ्तार आरोपितों की जानकारी देती पुलिस और आरोपितों की निशानदेही पर जब्त हथियार व कारतूस।

- गोलीकांड में पुलिस ने पहले ही तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर भेजा था जेल
- बाकियों की तलाश में जगह-जगह छापामारी

महत्वपूर्ण न्यूज

भाकपा माले ने मनायी कॉमरेड अरुण की 7वीं पुण्यतिथि

चिरकुंडा (आजाद सिपाही)। भाकपा माले व सीएमडब्ल्यू के दिवंगत नेता कॉमरेड अरूण सिंह की 7वीं पुण्यतिथि रविवार को सेन्ट्रल पुल पार्टी कार्यालय में मनाई गई। सबसे पहले उनकी तस्वीर पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी गई। माले नेता सह सीएमडब्ल्यूयू के केंद्रीय अध्यक्ष उपेंद्र सिंह ने कहा कि कॉमरेड अरूण सिंह पार्टी के जिला कमेटी के सदस्य व सीएमडब्ल्यू के केंद्रीय नेता थे। वे आज ही के दिन 2015 को हमलोगों पर बड़ी जिम्मेदारी छोड़कर चले गए। आज हमलोगों को अरूण बाबू के रास्ते पर चलने का संकल्प लेने का दिन है। भाकपा माले का 11वां महाधिवेशन जो 15-20 फरवरी को बिहार के पटना में होने जा रहा है। उसकी तैयारी जोर शोर से करना है। इस मौके पर माले नेता हरेंद्र सिंह, जगदीश शर्मा, सुनील गिरि, गणेश महतो, रंजीत मोदी, बीपीन मंडल, संजीत राऊत, संदीप महतो, रामलाल भारती, बजरंगी पासवान, हरिकृष्णा महतो, लालू रजवार, राजनारायण महतो और बीना महतो आदि उपस्थित थे।

प्रदूषण से त्रस्त जीनागोरा के लोगों ने जमसं के बैनर तले किया सड़क जाम, जीएम से वार्ता आज

झरिया/अलकडीहा (आजाद सिपाही)। प्रदूषण से परेशान लोगों को राहत दिलाने के लिए जनता मजदूर संघ बच्चा गुट के नेताओं ने आंदोलन का शंखनाद कर दिया है। रविवार को जमसं कार्यकर्ताओं ने जीनागोड़ा कांटा जाने वाले मुख्य मार्ग को जाम कर बीसीसीएल प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी की। आंदोलन का नेतृत्व कर रहे रूपक सिन्हा, अमित कुशवाहा, दीपक सिंह, राकेश सिंह, शत्रुघ्न कुमार, सुधीर यादव, विकास कुमार, मुकुल कुमार, बंटी कुमार, सनी कुमार, आनंद कुमार आदि ने बताया कि क्षेत्र के लोग प्रदूषण से त्रस्त है। पूर्व में भी लोगों ने आंदोलन किया था, लेकिन लोदना क्षेत्रीय प्रबंधन कुंभकर्णी निंद्रा में सोया है। जिस कारण संघ के संयुक्त महामंत्री एकलव्य उर्फ छोटे सिंह के निर्देश पर आंदोलन का रुख अख्तियार करना पड़ा। समाचार लिखे जाने तक आंदोलन जारी रहा। एक दौर की वार्ता विफल हो गई। वहीं सड़क जाम से क्षेत्र का सड़क डिस्पैच पूर्ण रूप से बाधित है। आंदोलनकारियों ने बताया कि उक्त मुद्दे पर सोमवार को महाप्रबंधक से वार्ता होगी। तब तक आंदोलन जारी रहेगा। वहीं, मुख्य मार्ग जाम होने से वाहनों की लंबी कतार लग गई। सूचना पाकर पीओ एसके सिंहा पहुंच गए। साथ ही सड़क पर पानी छिड़काव के लिए पानी टैंकर भी लेकर पहुंचे। वहां यूनियन नेताओं से वार्ता की, लेकिन ग्रामीण अपनी मांग पर अड़े रहे। यही नहीं, पानी छिडकाव करने आए टैंकरों को भी रोक दिया। उधर, सड़क जाम होने से रघुनाथपुर पावर प्लांट, सिंद्री रेलवे साइडिंग व डीओ ट्रक से कोयला डिसपैच प्रभावित रहा। कोयला डिस्पैच नहीं होने से बीसीसीएल को लाखों का नुकसान हुआ।

शासन व जनता के बीच पारदर्शिता लाना ही संगठन का उद्देश्य : समिद

आजाद सिपाही संवाददाता

कतरास/महुदा। अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के महिला विंग की जिला अध्यक्ष सुमन वासान और प्रदेश महासचिव सुभाष वासान की अध्यक्षता में रविवार को कतरास स्थित भगत मोहल्ला में रविवार को संगठन की जिला स्तरीय बैठक हुई। जिसमें बतौर मुख्य अतिथि झारखंड प्रदेश अध्यक्ष समिद खान उपस्थित हुए और जिला स्तरीय कमिटी विस्तार की जानकारी ली। इस बैठक में राज्य और जिला स्तरीय पदाधिकारियो सहित क्षेत्र के कई गणमान्य लोगों ने हिस्सा लिया। बैठक में संगठन के विस्तार और उद्देश्य को लेकर चर्चा हुई है। इस बीच 10 दिसंबर को विश्व मानवाधिकार दिवस पर होने वाले कार्यक्रम को लेकर भी चर्चा हुई। बैठक के दौरान अफसरशाही अधिकारी-कर्मचारियों का आम लोगों के प्रति व्यवहार, अस्पतालों एवं विभिन्न सरकारी संस्थानों में लोगों के साथ दुर्व्यवहार, गरीबी रेखा से नीचे जीवन-यापन करने वाले लोगों को बीपीएल कार्ड जारी करवाने, पीएम आवास एवं अन्य जन हितैषी योजनाओं का पात्र परिवारों को लाभ देने के विषय पर चर्चा हुई। इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष समिद खान, उपाध्यक्ष कंचन चौरसिया, उपाध्यक्ष अमित भगत, महासचिव रविंद्र विजन, सचिव सुमन गुप्ता, सचिव विपिन लाल और कार्यकारी सदस्य रीता विजन उपस्थित थे। इस दौरान समिद खान ने कहा कि इस संगठन के माध्यम से हम शासन और जनता के बीच पारदर्शिता लाने अर्थात शासन की योजनाओं को जनता तक सरल तरीके से पहुंचाने का काम करेंगे। वहीं, जिला अध्यक्ष सुमन वासान ने कहा कि इस संगठन का उद्देश्य आम लोगों के अधिकारों को लेकर जागरूक करना, उनके साथ हो रहे अन्याय के खिलाफ आवाज उठाना है।

लाभुक सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठायें : किरण

झरिया में सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन, जुटी लाभुकों की भीड़

आजाद सिपाही संवाददाता

झरिया। धनबाद नगर निगम के वार्ड संख्या 45 और 43 अंतर्गत झरिया एकेडमी उच्च विद्यालय व उर्दू स्कूल शाहनगर उपरकूल्ही में रविवार को आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। दोनों स्थानों पर क्षेत्र के जरूरतमंद लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए झरिया सीओ प्रमेश कुशवाहा, विधायक प्रतिनिधि केडी पांडेय, पूर्व पार्षद किरण देवी, पूर्व पार्षद आयशा खातून, पार्षद प्रतिनिधि दिलीप आडवाणी, कुणाल सिंह, बिरेंद्र सिंह टोनी, सुनील कुमार, अनिल शर्मा, उमाशंकर सिंह, राजकुमार दूबे, महेश शर्मा विक्की रवानी, पुक्कू साव, राजेश मंडल, रवि आजाद, शंभू वर्मा, राजेश रवानी, रमेश रवानी, उमेश साव मुख्य रूप से उपस्थित थे। दोनों स्थानों पर कार्यक्रम में वृद्धा विधवा पेंशन, विकलांग पेंशन, राशन कार्ड योजना, सावित्रीबाई फुले योजना आवेदन सहित अन्य योजनाओं के कुल 570 आवेदन आए, जिसमें अधिकतर का निष्पादन किया गया। इसके अलावा होडिग टैक्स, ट्रेड लाइसेंसस साफ सफाई, सड़क नाली, जल संयोजन, स्ट्रीट लाइट, पेंशन योजना आदि स्टाल लगाए गए थे। सावित्रीबाई फुले योजना इस कार्यक्रम का आकर्षण का केंद्र रहा। मौके पर उपस्थित पूर्व पार्षद किरण देवी और आयशा खातून ने लोगों से सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की।

दृढ़ इच्छा शक्ति है तो कोई भी मुकाम किया जा सकता है हासिल : डालसा

कतरास (आजाद सिपाही)। बाघमारा प्रखंड परिषर स्थित सभागार कक्ष में रविवार को जिला न्याय विधिक सेवा प्राधिकार डालसा की ओर से विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेड सिविल जज जूनियर धनबाद सिद्धांत तिग्गा भी शामिल हुए। उन्होंने कहा कि गरीब, असहाय और वंचित लोगों को अब न्याय पाने के लिए कहीं भटकने की जरूरत नहीं है। लोगों की सहायता के लिए डालसा के माध्यम से न्याय आपके द्वार तक पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इंसान को मजबूत बनना चाहिए। उनके अंदर अगर दृढ़ निश्चय हो तो वह किसी भी सफलता को प्राप्त कर सकता है। कोई भी इंसान खुद को असहाय नहीं समझे। वहीं, प्रमुख गीता देवी ने लोगों से अपील की कि इस प्रकार की सहायता से कोई भी गरीब, लाचार व असहाय लोग अपने अधिकार की लड़ाई लड़ सकते है। साथ ही सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ उठाने की बात लोगों से कही। इस दौरान बाल विकास परियोजना की ओर से एक ट्राई साइकिल दी गई । अलावे सात पेंशनधारियों के बीच स्वीकृति पत्र का वितरण किया गया। नव लोगो को रोजगार कार्ड, आधा दर्जन लोग को अम्बेडकर अवास योजना का का पत्र मंचासीन अतिथियों द्वारा करवाया गया। मौके पर बीडीओ सुनील कुमार प्रजापति, सीओ कमल किशोर सिंह, पैनल एडवोकेट जयराम मिश्रा,रमाशंकर तिवारी गौतम गोप स्आदि अन्य मौजूद थे।

फुसरो में 3.25 करोड़ की योजनाओं का शिलान्यास

फुसरो/बेरमो (आजाद सिपाही)। फुसरो नगर परिषद क्षेत्र में विकास कार्य को लेकर शिलान्यास किया गया। बेरमो विधायक कुमार जयमंगल सिंह, नप अध्यक्ष राकेश कुमार सिंह उर्फ चुन्नु सिंह, उपाध्यक्ष छेदी नोनिया और विभिन्न वार्ड के पार्षदों ने संयुक्त रूप से शिलान्यास किया। इसमें वार्ड संख्या 13 ढोरी पेंच में बड़ा नाला निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। यह कार्य संवेदक मंटू मिश्रा द्वारा 88 लाख रुपए की लागत से निर्माण किया जाएगा। इसी तरह वार्ड संख्या 12 पांच नंबर दौड़ा तलाब के पास नाली निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया। यह कार्य संवेदक संतोष कुमार सिंह द्वारा 82.14 लाख रुपए की लागत से निर्माण किया जाएगा। वहीं फुसरो नया रोड वार्ड संख्या 23, 25, 26 और 28 में पेवर ब्लॉक कार्य का शिलान्यास किया गया। पेवर ब्लॉक डुमरी-जैनामोड़ मुख्य मार्ग पर सड़क के दोनों तरफ 1000 मीटर तक बिछाया जाएगा। यह कार्य संवेदक सिद्धनाथ सिंह द्वारा 66.8 लाख रुपए की लागत से किया जाएगा। बेरमो विधायक ने कहा कि सभी योजना बृहद है। यहां नाली नहीं रहने के कारण लोगों को काफी परेशानी का सामना कारण पर रहा था। नगर के सुंदरीकरण के तहत नया रोड में पेवर ब्लॉक कार्य का शिलान्यास किया गया है। मौके पर पार्षद श्रीकान मिश्रा, आजाद नोनिया, रिया कुमारी, अनिता कुमारी, आनंद राम आदि मौजूद थे।

महिला से मारपीट और छेड़खानी की शिकायत दर्ज

लोयाबाद (आजाद सिपाही)। पुलिस ने रविवार को एकडा बाबू क्वाटर निवासी प्रतिमा देवी के लिखित शिकायत पर मुकेश मल्लाह उर्फ परमानंदज मल्लाह और रामसेवक के खिलाफ घर में घुसकर मारपीट व छेडाखानी करने का मामला दर्ज किया है। पुलिस जांच में जूट गई है। पीड़िता प्रतिमा ने दोनों पर घर में घुसकर उसके साथ गाली गलौज करते हुए छेडखानी करने व विरोध करने पर मारपीट का आरोप लगाया है।

खानूडीह कोयला डीपो में वन विभाग का छापा, हड़कंप

कतरास (आजाद सिपाही)। बाघमारा थाना क्षेत्र के खानुडीह जंगल के समीप चल रहे मुन्ना यादव के कोयला डीपू में रविवार की दोपहर वन विभाग की टीम ने छापामारी कर दी। यह देख डीपो में ट्रक पर कोयला लाद रहे मजदूर और कर्मी भाग निकले। हालांकि विभाग के अधिकारियों ने उक्त स्थान से कोई सामान जब्त नहीं किया है, लेकिन इस कार्रवाई से कोयला डीपू संचालकों में हड़कंप मच गया है। सूचना पाकर खानुडीह पंचायत के मुखिया गोपाल महतो के साथ डीपू संचालक के कर्मी कुछ देर बाद पहुंचे। विभाग के अधिकारियों से बात की। जहां सहायक वन संरक्षक एके मंजूल ने डिपो संचालक मुन्ना यादव को कारण पृच्छा नोटीस दिया है। उनसे डिपो लाइसेंस, जमीन का कागजात, प्रदूषण कंट्रोल वोर्ड से प्राप्त सर्टिफिकेट, परिवहन सर्टिफिकेट आदि कागजातों की मांग कर 24 घंटे का समय दिया है।

सड़क दुर्घटना में घायल दिव्यांग की इलाज के दौरान मौत

जोड़ापोखर (आजाद सिपाही)। जोड़ापोखर थाना क्षेत्र के एक नंबर जोड़ापोखर बस्ती निवासी दिव्यांग मो उस्मान (60) की धनबाद में शनिवार की रात इलाज के दौरान मौत हो गया। शुक्रवार को डिगवाडीह से व्हीलचेयर में उस्मान घर लौट रहे थे तभी जेलगोड़ा के पास हाइवा की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गए थे। इसके बाद स्थानीय लोगों ने धनबाद स्थित अस्पताल में भर्ती कराया था। वहीं, मृतक की पत्नी यास्मीन ने बताया कि अब पारिवारिक खर्च कैसे चलेगा। मृतक की छह बेटी और दो बेटे है। पांच बेटी विवाहित हैं। घटना के बाद रघुकुल समर्थक लड्डन खान सरायढेला थाना पहुंच शव का पोस्टमार्टम करवा परिवार के लोगों को सौंप दिया। स्थानीय लोगों ने सरकार और जिला प्रशासन से सहयोग की मांग किया है।

लोक अदालत में न किसी की जीत न होती है न किसी की हार, इसका लाभ जरूर उठायें : जिला जज

तेनुघाट में आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में निष्पादित हुए 22672 मामले, 6.65 करोड़ के राजस्व की कमाई

आजाद सिपाही संवाददाता

तेनुघाट। सुप्रीम कोर्ट, झारखंड हाई कोर्ट और बोकारो प्रधान जिला जज एवं सत्र न्यायाधीश रंजना अस्थाना के निर्देश पर तेनुघाट व्यवहार न्यायालय में आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल 26,019 मामलों उठाए गए, जिसमें से 22,672 मामलों का निष्पादन किया गया। इससे छह करोड़ 64 लाख 71 हजार 264 रुपए के समझौता राशि की वसूली हुई। इस दौरान कोर्ट मामले, बिजली विभाग, बैंक और मोटर यान दुर्घटना समेत कई अन्य मामले सामिल थे। अपने संबोधन में जिला जज प्रथम राजेश कुमार सिन्हा ने कहा कि यहां मौजूद भीड़ बताती है कि लोक अदालत कितना ज्यादा लोकप्रिय है। उन्होंने कहा कि लोक अदालत एक सुलभ न्याय प्रक्रिया है। इसमें समय, ऊर्जा और पैसों की बचत होने के साथ ही सभी की जीत होती है। इससे अच्छा और क्या हो सकता है। उन्होंने कहा कि लोक अदालत में निष्पादन के मामलों कि कोई अपील नहीं होती है। आज लोक अदालत एक त्योहार के रूप में मनाया जाता है। लोक अदालत में समाप्त होने वाले मामलों में दोनों पक्षों की जीत होती है, कोई हारता नहीं है। वहीं, अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष कामेश्वर मिश्रा ने कहा कि लोक अदालत के मामले में निष्पादन के बाद दोनों पक्षों के बीच आपसी सौहार्द हो जाता है। सभी के सहयोग से ही लोक अदालत का संचालन और निष्पादन हो पाता है। लोग इस मौके का फायदा उठाएं। अनुमंडल पदाधिकारी अनंत कुमार ने कहा कि लोक अदालत या राष्ट्रीय लोक अदालत में मामलों का निष्पादन त्वरित होता है। इस प्रक्रिया में दोनों पक्ष सुलह करवा कर मामलों का निष्पादन करवा रहे हैं। उन्होंने बताया कि लोक अदालत वर्ष 2002 से लगाया जा रहा है। वहीं, अतिथियों का स्वागत एवं मंच संचालन अनुमंडल विधिक सेवा प्राधिकार समिति के सचिव सह एसडीजेएम दीपक कुमार साहू ने किया। कहा कि लोक अदालत से न्यायालय में मामले का निष्पादन हो सकता है। उसका जरूर फायदा उठाएं और निष्पादन करवाएं। इससे पूर्व राष्ट्रीय लोक अदालत का विधिवत उद्घघाटन कुटुंब न्यायालय राजीव रंजन, जिला जज प्रथम राजेश सिन्हा, जिला जज द्वितीय अनिल कुमार, अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष कामेश्वर मिश्रा, एसीजेएम विशाल गौरव, सब जज द्वितीय राजेश रंजन कुमार, एसडीजेएम दीपक कुमार साहू, प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी साक्षी श्रीवास्तव, रूपम स्मृति टोपनो, श्वेता सोनी, अधिवक्ता सुभाष कटरियार एवं जीवन सागर ने संयुक्त रूप से किया। राष्ट्रीय लोक अदालत के लिए चार बेंच का गठन किया गया था। जिसके प्रथम बेंच पर कुटुंब न्यायालय राजीव रंजन, प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी श्वेता सोनी एवं अधिवक्ता उमेश प्रसाद, दूसरे बेंच पर जिला जज दितीय अनिल कुमार, प्रथम श्रेणी न्यायायिक दंडाधिकारी साक्षी श्रीवास्तव एवं अधिवक्ता उमेश प्रसाद, तीसरे बेंच पर एसीजेएम विशाल गौरव, प्रथम श्रेणी न्यायायिक दंडाधिकारी रूपम स्मृति टोपनो एवं अधिवक्ता संत कुमार महतो और चौथे बेंच पर एसडीजेएम दीपक कुमार साहु एवं अधिवक्ता सुशील सिंह मौजूद थे। उक्त बातों की जानकारी अनुमंडल विधिक सेवा प्राधिकार समिति के सचिव सह एसडीजेएम दीपक कुमार साहू ने दी।

तेनुघाट में आयोजित लोक अदालत में मामलों का निष्पादन करते जिला जज प्रथम व अन्य।

झारखंड निर्माण के 22 वर्ष बीत जाने पर भी चतुर्थ वर्गीय कर्मियों की तृतीय वर्ग में नहीं हो सकी प्रोन्नति : पशुपति

बोकारो (आजाद सिपाही)। झारखंड राज्य चतुर्थवर्गीय सरकारी कर्मचारी संघ के बोकारो जिला शाखा की बैठक रविवार को हुई। जिसकी अध्यक्षता संगठन के जिला अध्यक्ष पशुपति नायक ने की। वहीं, जिला सचिव साथी प्रेमशंकर राम ने झारखण्ड राज्य चतुर्थवर्गीय सरकारी कर्मचारी संघ, जिला शाखा बोकारो के सांगठनिक गतिविधियों से अवगत कराया। बैठक में उपस्थित संगठन के प्रदेश महामंत्री साथी सपन कुमार कर्मकार ने कहा कि अविभाजित बिहार से अलग होकर झारखण्ड राज्य बनने के 22 साल बीत जाने के बाद भी चतुर्थवर्गीय कर्मियों को पद प्रोन्नति की सुविधा प्रदान नहीं की जा सकी। बहुत से चतुर्थवर्गीय कर्मी कार्य क्षमता रहते हुए बगैर पद प्रोन्नति के रिटायर कर गये। कई उम्र सीमा भी पार कर रहे हैं। पूरे राज्य में विभिन्न जिलों के चतुर्थवर्गीय कर्मचारियों द्वारा अपनी दयनीय स्थिति से मुख्यमंत्री के साथ ही विधानसभा सदस्यों को भी अवगत कराते हुए मांग पत्र सौंप कर न्याय की गुहार लगाई है। उन्होंने कहा कि झारखंड अलग होने के बाद से नियमों की अनदेखी कर राज्य के चतुर्थवर्गीय कर्मियों को प्रोन्नति के लाभ से वंचित रखा गया है। किसी सरकारी प्रतिष्ठान में कार्यरत पदाधिकारी, कर्मचारी के बीच प्रशासनिक कार्यालय हो या विकास से संबंधित कार्यालय सभी जगह चतुर्थवर्गीय कर्मी, अनुसेवक चौकीदार, ड्रेसर, महिला कक्ष सेवक पुरूष कक्ष सेवक आदि के पद पर कार्यरत हैं। सभी वर्गों में प्रोन्नति की श्रृंखला पांच से सात स्तर पर विद्यमान है। मात्र यह सबसे पिछड़ा चतुर्थवर्गीय कर्मी हैं जिसको बिहार में 50 फीसदी पदों पर तृतीय वर्ग में प्रोन्नति का अधिकार दिया गया था। हर वर्ष प्रोन्नति मिलती थी। पर झारखंड राज्य बनने के बाद चतुर्थवर्गीय कर्मियों को तृतीय वर्ग में प्रोन्नति नहीं हो सका। बैठक में जिला अध्यक्ष साथी पशुपति नायक, जिला सचिव प्रेम शंकर राम, हरिलाल मोहली, खगेंद्र महतो, जगतपति पासवान, अनिल कुमार महतो, गदाधर महतो आदि थे।

उज्जैन : महाकाल मंदिर के गर्भगृह नंदीहाल में नहीं खींच सकेंगे फोटो

दर्शन के लिए श्रद्धालुओं को देने होंगे 1500 रुपये

आजाद सिपाही संवाददाता

उज्जैन। विश्वप्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग श्री महाकालेश्वर मंदिर के गर्भगृह और नंदीहाल में श्रद्धालु फोटोग्राफी नहीं कर पायेंगे। श्रद्धालुओं द्वारा फोटोग्राफी करने के कारण अन्य श्रद्धालुओं को परेशानी का सामना करना पड़ता है। दर्शन व्यवस्था देरी का शिकार होती है। इस कारण गर्भगृह में फोटोग्राफी करने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। शनिवार को कलेक्टर आशीष सिंह ने व्यवस्थाओं को लेकर बैठक की। आम भक्तों की सुविधा के लिए 1500 रुपये की रसीद पर गर्भगृह में प्रवेश करने वाले दर्शनार्थियों की संख्या को सीमित करने का निर्णय लिया गया। अब सुबह 6 से दोपहर 1 बजे तथा शाम 6 से 8 बजे तक के निर्धारित समय में केवल 1200 भक्तों को गर्भगृह में प्रवेश मिलेगा। अब तक इसकी संख्या तय नहीं थी।

मंदिर प्रशासक संदीप कुमार सोनी ने बताया कि मंदिर में पिछले कुछ समय से 1500 रुपये की रसीद पर दिनभर प्रवेश दिया जा रहा था। असीमित संख्या में टिकट दिए जाने से गर्भगृह में एक समय में 20-20 की संख्या में श्रद्धालु खड़े रहते थे। दर्शनार्थियों के लगातार प्रवेश व निर्गम से भगवान महाकाल के दर्शन बाधित हो रहे थे। इससे सबसे अधिक परेशानी गणेश व कार्तिकेय मंडप से दर्शन करने वाले आम दर्शनार्थियों को हो रही थी। दर्शनार्थी सैकड़ों किलोमीटर की यात्रा कर भगवान महाकाल के दर्शन करने मंदिर आते हैं और उन्हें भगवान के सुविधा से दर्शन ना हो, यह मंदिर समिति नहीं चाहती। इसलिए 1500 रुपये की सशुल्क रसीद दर्शन सुविधा को समिति कर दिया गया है।

1500 रुपये की सशुल्क रसीद पर श्रद्धालुओं को सुबह 6 से दोपहर 1 बजे तक तथा शाम को 6 से रात 8 बजे तक प्रवेश दिया जायेगा। प्रतिदिन 1200 भक्तों को गर्भगृह में प्रवेश की अनुमति दी जायेगी। इसमें पुजारी, पुरोहित के यजमान उनके माध्यम से तथा सामान्य दर्शनार्थी सीधे टिकट काउंटर से टिकट खरीद सकते हैं। बड़े गणेश मंदिर के समीप स्थित काउंटर पर दर्शनार्थियों को स्वयं उपस्थित होना होगा। यहां कर्मचारी दर्शनार्थियों का फोटो खिंचेंगे तथा क्यूआर कोड से साथ फोटो युक्त परिचय पत्र के रूप में दर्शन पर्ची प्रदान करेंगे। मंदिर समिति दर्शन के निर्धारित समय के स्लॉट तैयार कर रही है। फोटो पर्ची पर दर्शन स्लॉट का समय निर्धारित रहेगा। मंदिर के बाहर डिसप्ले बोर्ड लगाए जाएंगे, जिसके माध्यम से भक्तों को सीटों की संख्या दर्शन स्लाट का समय तथा पर्ची नंबर आदि की संपूर्ण जानकारी मिल सकेगी। निर्धारित समय पर मंदिर आकर दर्शन कर सकते हैं। मंदिर के सभा मंडप में चेक पाइंट रहेगा। यहां फोटो परिचय पर्ची लेकर आने वाले श्रद्धालु की स्कैन कर फोटो तथा क्यूआर कोड में उल्लेखित जानकारी की जांच होगी। इसके बाद ही भक्त को गर्भगृह में प्रवेश दिया जायेगा।

आरकेडीएक्स टॉक्स में देश के शिक्षाविदों ने रखे अपने विचार

विद्यार्थी फूल और शिक्षक माली होते हैं : राजेश

कुंवर ग्लोबल स्कूल लखनऊ में आयोजित हुआ कार्यक्रम

आजाद सिपाही संवाददाता

लखनऊ। हर बच्चा एक फूल की तरह है और शिक्षक उसके माली हैं। शिक्षकों का यह सबसे पहला दायित्व है कि वे उनके सर्वांगीण विकास में उनके सहायक बनें। रविवार को ये बातें कुंवर ग्लोबल स्कूल के चेयरमैन और कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजेश सिंह ने कहीं। वे स्कूल के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे। श्री सिंह ने कहा कि भारत के बच्चों में कम्यूनिकेशन स्किल कूट-कूट कर भरा होता है। जरूरत सिर्फ उसे डेवलप करने की है। बच्चों के पहले शिक्षक उनके माता-पिता होते हैं। इसलिए पैरेंट्स को भी आरकेडीएक्स टॉक्स में शामिल किया जाना चाहिए। आरकेडीएक्स टॉक्स के संस्थापक डॉ आरके दास ने कहा कि शिक्षा का मुख्य उद्देश्य इंसान गढ़ना है। बच्चे ही देश का भविष्य हैं, ऐसे में शिक्षकों का यह दायित्व है कि वे उनकी प्रतिभा की पहचान कर उन्हें बढ़ने और अपने-आपको बेहतरीन बनाने का अवसर दें।

कुंवर ग्लोबल स्कूल की हेड मिस्ट्रेस योगिता मेहरोत्रा ने कहा कि शिक्षकों का यह दायित्व है कि वे बच्चों को समय दें। उनकी भावनाओं को समझें। आज के बच्चे कई जटिलताओं के बीच जी रहे हैं। शिक्षकों को बच्चों की भावनाओं को समझना चाहिए और उन्हें दंडित या अपमानित करने से बचना चाहिए, क्योंकि अपमान की स्मृति लंबे समय तक बनी रहती है और बच्चे इसे भूल नहीं पाते।वहीं, कार्यक्रम की वक्ता रितिका भंडारी ने कहा कि अपने अब तक के शिक्षकीय कार्यकाल में मैंने बहुत से बच्चों को प्रशिक्षित किया है। मैं कई प्रतिष्ठित स्कूलों में पीजीटी केमिस्ट्री टीचर के तौर पर कार्यरत रही हूं।

वक्ता प्रफुल्ल कुमार गुप्ता ने कहा कि विद्यार्थियों को कई दफा यह ज्ञान नहीं होता कि उसे क्या करना चाहिए। क्या, कब और कैसे करना है इसका स्पष्ट ज्ञान नहीं होने के कारण वह आगे नहीं बढ़ पाता है।इसी तरह मेंटल वेलनेस कोच कमलेश्वर पोखरैल ने कहा कि यदि आदमी कुछ करने की ठान ले तो इसके बाद मंजिल तक का सफर आसान हो जाता है। कुछ करने के लिए संसाधनों से ज्यादा इच्छाशक्ति की जरूरत होती है।वहीं, तन्मय पंजा ने कहा कि लोग सोचते हैं कि एक कमजोर स्टूडेंट कुछ नहीं कर सकता है। पर ऐसा नहीं है। आकाश ने अपना फोकस खेल से हटकर एजुकेशन में डाला और उसने बेहतरी से अपने आपको साबित किया।

हेल्थ एंड फिटनेस मेंटर विकास पाल ने कहा कि आंतरिक शक्ति मजबूत हो तो आदमी चमत्कारिक परिणाम दे सकता है। विनी अहमद ने कहा कि किसी व्यक्ति को सिर्फ अपने लिये नहीं बल्कि दूसरों के चेहरों पर मुस्कान लाने के लिए जीना चाहिए।समाज में बदलाव लाने के लिए प्रयत्नशील रहना चाहिए। कार्यक्रम में व्हाइट पेटल्स ग्रुप ऑफ इंस्टीटयूशन की डायरेक्टर प्रिंसिपल डॉ हेमलता एस मोहन ने कहा कि गांव के बच्चे शहर के बच्चों की तरह नहीं होते, उनतक जानकारियां कम पहुंचती हैं। ऐसे में उन तक जरूरी सूचनाएं कैसे पहुंचाएं और सूचनाओं का गैप कैसे कम करें यह हमारी जिम्मेवारी है। कार्यक्रम में संतोष बीएड कॉलेज की प्रिंसिपल डॉक्टर शुभ्रा ठाकुर ने कहा कि स्कूल में बैक बेंचर्स को कई दफा शिक्षक इग्नोर करते हैं, पर बैक बेंचर्स भी इतिहास रचते और बनाते हैं।कार्यक्रम में रांची विवि के पीजी हिन्दी विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ जंग बहादुर पांडेय ने कहा कि शिक्षकों के ऊपर एक बेहतर समाज गढ़ने की महत्वपूर्ण जिम्मेवारी है और उन्हें इस दायित्व का सम्यक निर्वहन करना चाहिए। कार्यक्रम में डॉ नाजिया अब्बास आबिदी के साथ लगभग 30 वक्ताओं ने भी अपने विचार रखे। अंत में प्रतिभागियों के बीच सर्टिफिकेट और मोमेंटो का वितरण किया गया। कार्यक्रम में मंच संचालन रजनी शुक्ला ने किया वहीं धन्यवाद ज्ञापन डॉ धीरज मेहरोत्रा ने किया।

चीन ने सीमा पर सेना नहीं घटायी, कभी भी बदल सकते हैं हालात : आर्मी चीफ

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। आर्मी चीफ जनरल मनोज पांडे ने भारत-चीन सीमा विवाद को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि पूर्वी लद्दाख में स्थिति स्थिर है, लेकिन अनप्रिडेक्टेबल है। यानी यहां हालात कब बदल जायें, ये कहना मुश्किल है। उनका कहना है कि हमें एलएसी (लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल) पर अपनी कार्रवाई का बहुत सावधानी से आकलन करने की जरूरत है ताकि हम अपने हितों की सुरक्षा कर पायें। आर्मी चीफ के मुताबिक चीन ने सीमा पर अपनी सेना को न तो कम किया है, न ही बेसिक इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास में कमी की है। उन्होंने यह बातें चाणक्य डायलॉग्स में थिंक टैंक ग्रुप को संबोधित करते हुए कही।

जनरल मनोज पांडे ने कहा कि सीमा विवाद के सात में से पांच मुद्दों को बातचीत के माध्यम से हल कर लिया गया है। हम भारत-चीन के बीच 17वें दौर की कोर कमांडर लेवल की बैठक पर विचार कर रहे हैं। इसमें दो विशेष बिंदुओं से जुड़े मुद्दों को हल करने पर ध्यान देना होगा। उनके इस बयान से माना जा रहा है कि उन्होंने डेमचोक और देपसांग का जिक्र करते हुए यह बात कही हैं। इसी साल 17 जुलाई को भारत और चीन के बीच कोर कमांडर लेवल की 16वें दौर की बातचीत हुई थी। 8 सितंबर 2022 से सेनाओं के पीछे हटने की प्रोसेस शुरू हुई थी और यह पूरी तरह 13 सितंबर को खत्म हुई।

चीन की कथनी और करनी में अतंर

जनरल मनोज पांडे ने आर्मी चीफ ने चीन के दोहरे रवैये को लेकर भी आगाह किया। उन्होंने कहा कि कहा कि चीन की कथनी और करनी में अतंर है। हम सभी जानते हैं कि चीनी क्या कहते हैं और वे जो करते हैं, वह बिल्कुल अलग हैं। यह भी उनके टेम्परामेंट और कैरेक्टर का एक पार्ट है। हमें उनकी बातों पर ध्यान देने के बजाय उनके एक्शन पर ध्यान देने की जरूरत है। आर्मी चीफ ने कहा कि चीनी सैनिकों की संख्या में कोई कमी नहीं हुई है, लेकिन सर्दियों की शुरूआत के साथ कुछ पीएलए ब्रिगेड के लौटने के संकेत मिले हैं।

प्रधानमंत्री मोदी आज इंडोनेशिया होंगे रवाना, जी20 समिट में करेंगे शिरकत

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। इंडोनेशिया में 14 नवंबर से शुरू हो रहे जी20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए पीएम मोदी मंगलवार को बाली रवाना होंगे। विदेश सचिव विनय क्वात्रा ने बताया, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार से इंडोनेशिया के बाली में 17वें जी-20 शिखर सम्मेलन में शामिल होंगे। बाली शिखर सम्मेलन के दौरान पीएम मोदी और अन्य जी20 नेता वैश्विक अर्थव्यवस्था, ऊर्जा, पर्यावरण, कृषि, स्वास्थ्य और डिजिटल परिवर्तन समेत कई मुद्दों पर विचार-विमर्श करेंगे।

क्वात्रा ने बताया कि शिखर सम्मेलन के दौरान तीन वर्किंग सेशन होंगे, जिसमें प्रधानमंत्री प्रतिभाग करेंगे। इनमें खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा, डिजिटल परिवर्तन और स्वास्थ्य जैसे मुद्दे शामिल हैं। वहीं इंडोनेशिया में भारतीय राजदूत मनोज कुमार भारती ने कहा, भले ही प्रधानमंत्री मोदी का इंडोनेशिया का यह दौरा बहुत छोटा हो, लेकिन रणनीतिक रूप से यह दौरा बहुत ही महत्वपूर्ण रहने वाला है।

आम सूचना

आयुष रंजन
पिता का नाम मनोज कुमार
माता का नाम सरोज कुमारी
जन्म तिथि 21/04/2009
आधार नंबर
4020 2820 2547

उदयपुर-अहमदाबाद रेलवे ट्रैक पर ब्लास्ट

आजाद सिपाही संवाददाता

उदयपुर। उदयपुर-अहमदाबाद ब्रॉड गेज रेलवे लाइन को विस्फोटक के जरिए उड़ाने की खतरनाक साजिश रची गई है। बदमाशों ने उदयपुर जिले के केवड़ा जंगल के आगे ओड़ा पुल को उड़ाने का प्रयास किया। 13 दिन पहले ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस लाइन का लोकार्पण किया था। मामला उदयपुर से करीब 35 किलोमीटर दूर सलूंबर मार्ग पर केवड़े की नाल में ओढ़ा रेलवे पुल की है। स्थानीय लोगों ने शनिवार रात 10 बजे के आसपास धमाके की आवाज सुनी। इसके बाद फौरन कुछ लोग तुरंत पटरी पर पहुंचे तो वहां के हालात देखकर चौंक गये। वहां रेलवे लाइन पर बारूद पड़ा हुआ था। इसके साथ ही लोहे की पटरियां कई जगह से टूटी हुई थीं। पुल पर लाइन से नट-बोल्ट भी गायब मिले। जिसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचना दी। धमाके से करीब चार घंटे इस ट्रैक से ट्रेन गुजरी थी। सूचना पर रेलवे ट्रैक पर गाड़ियां आने से रोक दिया गया है।

आतंकी एंगल से घटना की जांच शुरू

घटनास्थल पर राजस्थान पुलिस की एंटी टेरेरिस्ट स्क्वॉड पहुंच कर जांच कर रही है। एटीएस आतंकी साजिश के एंगल से जांच में जुटी है। जिला कलेक्टर ताराचंद मीणा के अनुसार डेटोनेटर से पुल को उड़ाने की साजिश सामने आई है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पुलिस महानिदेशक उमेश मिश्रा को डिटेल जांच के निर्देश दिये हैं।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पूरी प्लानिंग के साथ ब्लास्ट किया गया है। ब्लास्ट के लिए जिस डेटोनेटर का इस्तेमाल किया गया है, वो सुपर 90 श्रेणी का है। मौके से बम स्क्वॉड और फोरेंसिक टीम ने सबूत जुटाए हैं। बता दें कि 31 अक्टूबर को पीएम नरेंद्र मोदी ने अहमदाबाद के असारवा स्टेशन से ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर इस रेलवे लाइन का लोकार्पण किया था।

तेलंगाना पुलिस ने 4 राज्यों में 7 ठिकानों पर छापा मारा, धर्मगुरु समेत तीन अरेस्ट

आजाद सिपाही संवाददाता

हैदराबाद। तेलंगाना के चार विधायकों को सौ करोड़ में खरीदने की कोशिश के मामले में राज्य पुलिस ने चार राज्यों की 7 जगहों पर छापेमारी की है। मामले की जांच के लिए गठित किये गये विशेष जांच दल (एसआइटी) ने हरियाणा, कर्नाटक, केरल और तेलंगाना में छापा मारा। एसआइटी ने इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इसमें हरियाणा के फरीदाबाद के धर्मगुरु रामचंद्र भारती, हैदराबाद के व्यवसायी नंद कुमार और तिरुपति के सिम्हाजी स्वामी शामिल हैं। इनके अलावा केरल के कोच्चि में डॉ जग्गू के मकान की तलाशी ली गयी।

धर्मगुरु रामचंद्र भारती के फरीदाबाद के अलावा कर्नाटक के पुत्तूर स्थित घर में भी तलाशी ली गई। इसके अलावा तिरुपति में सिम्हाजी स्वामी के घर की भी तलाशी हुई। एसआइटी ने हैदराबाद के जुबली हिल्स इलाके में व्यवसायी नंद कुमार के घरों और रेस्तरां पर भी छापा मारा।

एसआइटी के एक अफसर ने बताया कि डॉ जग्गू ही रामचंद्र भारती और एक अन्य संदिग्ध तुषार के बीच कोऑर्डिनेट करता था। इसे और तुषार को अभी अरेस्ट नहीं किया जा सकता है। तुषार ने विधायक रोहित रेड्डी से फोन पर बात की थी। जग्गू को तुषार का करीबी माना जा रहा है।

वेदांत एल्यूमिनियम ने झारसुगुड़ा में पौधरोपण अभियान शुरू किया

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। झारसुगुड़ा वेदांत एल्युमीनियम ने राज्य राजमार्ग 10 झारसुगुडा के किनारे एक एवेन्यू वृक्षारोपण अभियान चलाया। जिला प्रशासन के साथ मिलकर काम करते हुए कंपनी ने राज्य राजमार्ग के दोनों किनारों पर 3200 पौधे लगाये, जिससे क्षेत्र के हरित आवरण में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। बड़े पैमाने पर पौधरोपण अभियान बडमाल - प्रसन्नपंड - पंचपड़ा चौक क्षेत्रों में शुरू किया गया था, और पौधे में जामुन, अर्जुन, पिस्ता-बादम, नीम और राधा चूड़ा जैसी तेजी से बढ़ने वाली पेड़ प्रजातियां लगाया गया हैं।वेदांता एल्युमीनियम झारसुगुड़ा ओड़िशा में पर्यावरण की समृद्धि के लिए बड़े पैमाने पर काम कर रहा है।

कंपनी ने #GreenHearts - एक वार्षिक जैव-निवेश अभियान शुरू किया, जिसके तहत कंपनी की व्यावसायिक इकाइयां मानसून के दौरान बड़े पैमाने पर पौधरोपण अभियान चलाती हैं, जिससे उसके संयंत्र संचालन में और उसके आसपास हरित आवरण बढ़ता है। इसके परिणामस्वरूप पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान 3.6 लाख से अधिक पौधे लगाये गये हैं। विभिन्न पहलों के माध्यम से, कंपनी ने स्थानीय समुदायों के साथ साझेदारी में 1.48 लाख पौधे भी लगाए हैं, जिससे इसके संचालन में और इसके आसपास बड़े कार्बन सिंक का निर्माण हुआ है।

चल रहे वृक्षारोपण अभियान पर बोलते हुए सुनील गुप्ता सीइओ - वेदांत लिमिटेड झारसुगुडा ने कहा कि जैव-निवेश हमारे सतत प्रयासों में एक महत्वपूर्ण स्तंभ है, हमें हरित आवरण को बढ़ाने में जिला प्रशासन के साथ साझेदारी करने पर गर्व है।

वेदांत एल्युमिनियम में, हम एक हरे और अधिक टिकाऊ कल का निर्माण करने का प्रयास करते हैं और उन क्षेत्रों की जैव-समृद्धि को जोड़ते हैं जहां हम काम करते हैं। इस तरह की पहल के माध्यम से, हम जल पुनर्चक्रण, ऊर्जा संरक्षण, अपशिष्ट प्रबंधन और नवीकरणीय ऊर्जा खरीद सहित हमारे अन्य स्थिरता हस्तक्षेपों के साथ-साथ पर्यावरण स्थिरता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हैं।

आजाद सिपाही की ओर से स्वत्वाधिकारी लैंडस्केप मीडिया प्रा. लि., प्रकाशक एवं मुद्रक हरिनारायण सिंह के लिए 176 कोकर चौक, ओल्ड एचबी रोड, रांची 834001 (झारखंड) से प्रकाशित तथा डीबी प्रिंट सोल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लिमिटेड), प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची से मुद्रित।
संपादक : हरिनारायण सिंह, **स्थानीय संपादक* :** विनोद कुमार,***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, **राज्य समन्वय संपादक :** अजय शर्मा। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 9264434560, **R.N.I. No.-JHAHIN/2015/65109,** Postal Registration No. **RN/249/2019-21**